डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021-2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति माह की 01 को प्रकाशित, भोपाल 19.12.2022 से 25.12.2022 • वर्ष-38 • अंक-51 • मूल्य ₹10.00

मध्यप्रदेश की बदलती तस्वीर आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करेगी - श्री नितिन गडकरी

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का चहुंमुखी विकास हो रहा है। मध्यप्रदेश की बदलती तस्वीर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को पूरा करेगी। आने वाले समय में मध्यप्रदेश देश के विकसित प्रदेशों में अग्रणी होगा। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सुपर इकोनॉमिक पॉवर बनेगा और उसमें मध्यप्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान होगा। ये बातें केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने रीवा में 2443.89 करोड़ रुपये की लागत की कुल 204.81 किलोमीटर लंबी 7 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करते हुये कहीं।

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और मध्यप्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव रीवा में विभिन्न सड़क परियोजनाओं के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान नव निर्मित टनल का अवलोकन करते हुये।

रीवा, श्री नितिन गडकरी ने 4 लेन चुरहट बायपास और 6 लेन टनल, सतना से बेला तक चार लेन सड़क का (पेव्ड शोल्डर के साथ), सीआरआईएफ के अंतर्गत रीवा शहर में कांक्रीट-सीमेंट सड़क, गाजन, मगरवार, इटौर, खम्हरिया गोरैया तक दो लेन सड़क एवं सज्जनपुर-छिबौरा-गाजन खंड पर 2 लेन सड़क का लोकार्पण किया। साथ ही ब्यौहारी से आदर्श ग्राम न्यू सपटा मार्ग और सीआरआईएफ के अंतर्गत देवतालाव-नईगढ़ी रोड के निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया।

श्री गडकरी ने अति आधुनिक रीवा-सीधी 6 लेन टनल का अवलोकन किया और किये गये कार्य की सराहना की। श्री गडकरी ने कहा कि रीवा-सीधी टनल भारत की सबसे पहली 'एक्वा डक्ट' है। इसके ऊपर बाणसागर नहर और रोड बनी हुई है। यह देश के इतिहास की एक महत्वपूर्ण टनल है। इससे क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी।

मध्यप्रदेश सहित पूरे देश में बना सड़क नेटवर्क

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी देश का तेज गति से विकास कर रहे हैं। ये दिन विंध्य की धरती के लिये ऐतिहासिक है। क्षेत्र में अद्भुत टनल बनाई गई है। श्री गडकरी ने मध्यप्रदेश सहित पूरे प्रदेश में सड़कों का जाल बिछा दिया है। उन्होंने विकास में धन की बिल्कुल कमी नहीं आने दी है। मध्यप्रदेश के रोड इतने अच्छे बन गये हैं कि हमारे मंत्री श्री गोपाल भार्गव सागर से साढ़े तीन घण्टे में रीवा आ गये हैं।

कृषि के क्षेत्र में देश में प्रथम है मध्यप्रदेश

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योगों के लिये सभी आवश्यक सुविधाएं पानी, ऊर्जा, परिवहन और संचार की उत्कृष्ट व्यवस्था है। प्रदेश में सिंचाई के साधनों के विकास से कृषि का उत्पादन बढ़ा है। कृषि के क्षेत्र में आज मध्यप्रदेश देश में प्रथम है। इसके लिये मुख्यमंत्री बधाई के पात्र हैं। विंध्य क्षेत्र के विकास में भी मध्यप्रदेश आगे है। श्री चौहान जहां अन्य क्षेत्रों के लिये एक रुपया देते हैं, वहीं विंध्य क्षेत्र के विकास के लिये सवा रुपया देते हैं।

श्री गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में उच्च गुणवत्ता के 5 ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे/हाई-वे बनाये जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से कहा कि इन हाई-वे के पास लॉजिस्टिक पार्क और इंडस्ट्रियल एरिया विकसित किया जाये। मुम्बई-दिल्ली एक्सप्रेस-वे का 245 किलोमीटर का हिस्सा मध्यप्रदेश में बनेगा। अटल प्रोग्रेस-वे, इंदौर-हैदराबाद 6 लेन, उज्जैन-गरोठ 4 लेन और आगरा-ग्वालियर ग्रीन फील्ड हाई-वे बनाये जा रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री की मांग पर नर्मदा परिक्रमा पथ की सभी मिसिंग लिंक को पूरा किया जाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश की कृषि विकास दर जो कभी 3 प्रतिशत हुआ करती है आज 15.8 प्रतिशत हो गई है। सिंचाई क्षमता में निरंतर वृद्धि हो रही है। सड़क, परिवहन व्यवस्थाएं उत्कृष्ट हो गई हैं।

मुख्यमंत्री ने नर्मदा परिक्रमा पथ सहित प्रदेश के लिये कई मार्गों के निर्माण की मांग केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी के समक्ष रखी। श्री गडकरी ने सभी मांगों को पूरा किये जाने का आश्वासन दिया।

शिक्षा विभाग में 29 हजार पद भरे जाएंगे - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रिपरिषद की बैठक में मंत्रीगण को बताया कि प्रदेश में बड़ी संख्या में विभिन्न विभागों में रिक्त पदों की पूर्ति का कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 2023 तक एक लाख से अधिक युवाओं को नियुक्तियां मिल जाएंगी। अगस्त माह से अब तक शिक्षा विभाग द्वारा 29 हजार पदों के लिए भर्ती का कार्य प्रारंभ कर दिया है जो आगामी मार्च माह तक पूरा होगा। इसी तरह कर्मचारी चयन मंडल द्वारा 53 हजार 750 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इस तरह 82 हजार 750 पदों की पूर्ति के साथ शेष अन्य रिक्त पदों के विज्ञापन भी निरंतर जारी किए जा रहे हैं। इससे जहां युवाओं को बड़ी संख्या में रोज़गार मिलेगा, वही सरकार के कार्य संचालन और विभागों की गतिविधियों में तेजी आएगी।

- **पिछला सप्ताह-** देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में-** प्रमुख चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा-** प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी-** देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

महाकाल महालोक में 5जी सेवायें

गुड गवर्नेंस के लिये करेंगे 5जी टेक्नोलॉजी का उपयोग - मुख्यमंत्री

उज्जैन, मध्यप्रदेश में भगवान महाकालेश्वर की नगरी और हाल ही में उद्घाटित श्री महाकाल महालोक से 5जी टेक्नोलॉजी का शुभारंभ करते हुए अत्यन्त हर्ष हो रहा है। इस टेक्नोलॉजी का उपयोग प्रदेश में गुड गवर्नेंस, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं उद्योगों के विकास के लिये किया जायेगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उज्जैन स्थित श्री महाकाल महालोक से रिलायंस जियो की 5जी सेवाओं का शुभारम्भ करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश की प्रगति और विकास के लिये ऐतिहासिक दिन है। 5जी केवल मोबाइल सेवा नहीं, बल्कि नई क्रान्ति है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत का नारा दिया है। हम इसे आगे ले जाकर गौरवशाली और वैभवशाली प्रदेश का निर्माण करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रसन्नता का विषय है कि प्रदेश के इन्दौर शहर में प्रवासी भारतीय सम्मेलन, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट एवं जी-20 देशों की समिट होने जा रही है। यह सभी आयोजन प्रदेश की प्रगति को और आगे ले जायेंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की विकास दर 19.76 है। प्रदेश का देश की जीडीपी में योगदान पहले 3.2 था, जो अब 4.6 प्रतिशत हो गया है। यही नहीं जहां वर्ष 2003-04 में प्रति व्यक्ति आय 13 हजार थी, वह बढ़कर एक लाख 37 हजार रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि महाकाल महाराज से यही प्रार्थना है कि मध्यप्रदेश न केवल देश का बल्कि दुनिया के सबसे अच्छे प्रदेश में से एक हो।

श्री चौहान ने कहा कि 5जी सेवा शुरू होने से इंटरनेट की स्पीड 100 एमबीपीएस से बढ़कर 1500 एमबीपीएस हो जायेगी। अब हमारे किसान ड्रोन से यूरिया एवं दवाओं का छिड़काव करेंगे, शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में क्रान्ति आ जायेगी। बेहतर इलाज के लिये दिल्ली-मुम्बई नहीं जाना पड़ेगा। स्मार्ट क्लासों के जरिये अब सुदूर बैठ कर भी बच्चों को अच्छे शिक्षकों की ऑनलाइन क्लास उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि अभी हम डीबीटी के जरिये हितग्राहियों के खातों में सीधे राशि भेज रहे हैं, अब एक कदम आगे जाकर स्कूली छात्र-छात्राओं को सायकल के लिये ई-वाउचर उपलब्ध कराने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सुरक्षा और अपराधों की रोकथाम में भी 5जी टेक्नोलॉजी आने से मदद मिलेगी। यही नहीं खनिज सम्पदा की खोज और लॉजिस्टिक क्षेत्र में भी नई क्रान्ति होगी।

मध्यप्रदेश की खूबियां विश्व को बताने का अवसर है प्रवासी भारतीय सम्मेलन

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों की समीक्षा करते हुये।

भोपाल, जनवरी माह मध्यप्रदेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जहां 8 से 10 जनवरी तक प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन हो रहा है, वहीं 11 एवं 12 जनवरी को ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का महत्वपूर्ण आयोजन होने जा रहा है। इन दोनों आयोजन के लिए इंदौर के साथ प्रदेश के विभिन्न स्थानों को सज्जित और आकर्षित करने का कार्य हो रहा है। यह कार्यक्रम प्रवासी भारतीय और उद्योग विभाग के ही कार्यक्रम नहीं हैं बल्कि इन्हें सुचारु रूप से किए जाने का दायित्व सभी संबंधित विभागों का है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट एवं प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवासी भारतीय सम्मेलन का प्रदेश में यह प्रथम अवसर है। विभिन्न देशों से पधार रहे अतिथियों के समक्ष मध्यप्रदेश की खूबियों को प्रस्तुत करने का यह महत्वपूर्ण अवसर भी है। जीआईएस प्रदेश में नए निवेश को लाने का माध्यम है।

औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन विभाग की ओर से दिए गए प्रजेंटेशन में बताया गया कि भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान की सराहना के लिए केंद्र सरकार ने प्रवासी भारतीय दिवस की रूप रेखा बनाई है। यह दिवस 9 जनवरी को मनाया जाता है। केन्द्रीय विदेश मंत्रालय के साथ आयोजक राज्य संयुक्त रूप से सम्मेलन करते हैं। इस बार मध्यप्रदेश को सहभागी राज्य बनने का सौभाग्य मिला है। अब तक 16 प्रवासी भारतीय सम्मेलन किए जा चुके हैं। सम्मेलन के दूसरे दिवस 9 जनवरी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी इंदौर आएंगे। श्री मोदी इस दिन डिजिटल प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

नर्मदा नियंत्रण मण्डल

सिंचाई परियोजनाओं को समय पर पूरा करें - मुख्यमंत्री

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में नर्मदा नियंत्रण मंडल की बैठक में कहा है कि प्रदेश में किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं में कोई कमी नहीं छोड़ी जाए। अधूरी सिंचाई परियोजनाओं का कार्य समय पर पूरा किया जाए।

मुख्यमंत्री ने पिछली बैठक 14 अक्टूबर 2022 के पालन प्रतिवेदन पर चर्चा की। साथ ही विभिन्न कार्यों की निविदा संबंधी चर्चा कर उन्हें समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए। बैठक में झिरन्या माइक्रो उद्वहन सिंचाई, हर्डिया बराज, हाट पिपल्या माइक्रो उद्वहन सिंचाई, पीपरी माइक्रो उद्वहन और मछदेवा बांध सिंचाई परियोजना एवं शेर सिंचाई कॉम्प्लेक्स आदि की निविदाओं एवं कार्यों को समय पर पूरा करने पर विचार-विमर्श हुआ।

बजट का अनुमोदन

श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रालय में नर्मदा बेसिन प्रोजेक्ट्स कम्पनी लिमिटेड के संचालक मण्डल की बैठक में कम्पनी के वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट अनुमान का अनुमोदन एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 के लेखे का अनुमोदन किया गया।

विवेकानंद युवा पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित

भोपाल, खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विवेकानंद युवा पुरस्कार के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। युवा पुरस्कार के लिए 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा 25 दिसंबर तक ऑनलाइन आवेदन https://awards.mp.gov.in एवं https://dsywmp.gov.in पर जमा कर सकते हैं। विवेकानंद युवा पुरस्कार प्रति वर्ष 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर दिया जाता है।

10 दिसम्बर

दक्षिण कोरिया अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार करेगा उम्र की गणना

● दक्षिण कोरिया की सरकार ने अपने नागरिकों की उम्र की गणना के लिये नया कानून पास किया है। इस कानून के तहत दक्षिण कोरिया अपने नागरिकों की उम्र की गणना अब पारंपरिक तरीके से न करते हुये अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर करेगा। कोरियाई सरकार ने कहा कि सरकार का उद्देश्य उम्र की गणना करने के तरीके का मानकीकरण करना था। मौजूदा समय में दक्षिण कोरिया में उम्र की गणना तीन तरह से होती है, इनमें से एक अंतर्राष्ट्रीय उम्र, दूसरा कोरियाई उम्र और तीसरा कैलेंडर उम्र है। तीन तरीके से उम्र की गणना के कारण कई बार भ्रम की स्थिति बन जाती है। इसे रोकने के लिये सरकार यह कानून लाई है।

● भारत केवल अमेरिका का सहयोगी ही नहीं, बल्कि एक बड़ी ताकत भी होगा। यह बात व्हाइट हाउस एशिया के को-ऑर्डिनेटर कर्ट कैंपबेल ने कही। कैंपबेल ने कहा कि पिछले 20 वर्षों में भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंधों में न केवल तेजी आई है, बल्कि दोनों देशों के रिश्ते मजबूत हुये हैं। उन्होंने कहा कि यह संबंध केवल चीन को लेकर चिंता के कारण नहीं बने हैं।

11 दिसम्बर

संयुक्त अरब अमीरात ने चंद्रमा पर भेजा रोवर

● संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में नई उपलब्धि हासिल की है। यूएई ने अपना एक रोवर चंद्रमा पर भेजा है। यह उपलब्धि हासिल करने वाला यूएई पहला अरब देश है। जापान की एक कंपनी ने अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी 'स्पेसएक्स' के रॉकेट के जरिये अपने एक लैंडर के साथ यूएई के रोवर को चंद्रमा पर भेजा है। स्पेसएक्स ने ट्विटर के जरिये बताया कि इस मिशन के तहत लैंडर को चंद्रमा पर पहुंचने में लगभग पांच महीने लगेंगे।

● अफगानिस्तान की सत्ता पर काबिज तालिबान के पड़ोसी देश पाकिस्तान के साथ संबंध तनावपूर्ण हो गये हैं। पाकिस्तान ने आरोप लगाया है कि अफगानिस्तान की सेना की ओर से की गई गोलाबारी में 6 लोगों की मौत हो गई है। पाकिस्तान सेना की इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशन एजेंसी ने बताया कि अफगानिस्तान से लगे ब्लूचिस्तान के चमन जिले में अफगान सेना ने बगैर किसी उकसावे के गोलीबारी की और गोले भी दागे।

12 दिसम्बर

रूस ने सुरक्षा परिषद् में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया

● रूस ने एक बार फिर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का साथ दिया है। रूस ने संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद् (यूएनएससी) में भारत को स्थायी सदस्य बनाये जाने का समर्थन किया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिये भारत का समर्थन करते हुये कहा कि भारत ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने रुख के साथ सुरक्षा परिषद् में मूल्यों को बरकरार रखा है।

● फ्रांस ने कार्बन उत्सर्जन पर लगाम लगाने के लिये बड़ा कदम उठाया है। फ्रांस ने उन सभी घरेलू उड़ानों को बंद करने का निर्णय लिया है, जहां ढाई घंटे में ट्रेन के जरिये पहुंचा जा सकता है। फ्रांस की सरकार के सूत्रों ने बताया कि कम दूरी की उड़ानों को बंद करने से फ्रांस में कार्बन उत्सर्जन में 30 प्रतिशत की कमी का लक्ष्य रखा गया है। फ्रांसीसी सरकार की तरफ से आठ रूट पर घरेलू उड़ानों में कटौती का प्रस्ताव रखा गया था।

13 दिसम्बर

यूजीसी ने स्नातक पाठ्यक्रमों के लिये लॉन्च किया नया फ्रेमवर्क

● विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने स्नातक प्रोग्राम के लिये एक करीकुलम और क्रेडिट फ्रेमवर्क लॉन्च किया है। यूजीसी ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अहम बदलाव को मंजूरी प्रदान की है। नये फ्रेमवर्क के तहत देश के सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में अगले वर्ष से चार स्तरीय स्नातक कोर्स शुरू किये जायेंगे। यूजीसी द्वारा किये गये बदलाव नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप होंगे। इसमें विद्यार्थियों को पढ़ाई बीच में छोड़ने और फिर से उसे शुरू करने पर सर्टिफिकेट, दो वर्ष पूर्ण करने पर डिप्लोमा, तीन वर्ष पूर्ण करने पर स्नातक की डिग्री और चार वर्ष पूर्ण करने पर स्नातक के साथ रिसर्च की डिग्री भी मिलेगी।

● केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव से कई समस्याएं उत्पन्न होती हैं, इनसे निपटने के लिये भारत में फ्लेक्स ईंधन और ई-मोबिलिटी को बढ़ावा दिया जाना चाहिये।

14 दिसम्बर

कृषि मंत्रालय बनायेगा अपना अलग उपग्रह

● केंद्रीय कृषि मंत्रालय खेती से संबंधित आंकड़े जुटाने और सही समय पर जानकारी उपलब्ध कराने के लिये अब अपना उपग्रह बनायेगा। इस संबंध में कृषि मंत्रालय और विज्ञान एवं अंतरिक्ष मंत्रालय के बीच एक समझौता किया गया है। कृषि मंत्रालय की ओर से बताया गया कि उपग्रहों से मिलने वाले आंकड़े भरोसेमंद और विश्वसनीय साबित होंगे। इससे मिट्टी की गुणवत्ता, सूक्ष्म तत्वों के संतुलन की जानकारी और पैदावार का सटीक आकलन आदि में सुविधा होगी।

● न्यूजीलैंड की सरकार ने देश में धूम्रपान को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिये एक अनूठी योजना बनाई है। इस योजना को कानून का रूप दे दिया गया है। इस कानून के तहत अब न्यूजीलैंड में युवाओं के सिगरेट खरीदने पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया है। नये कानून में यह प्रावधान किया गया है कि एक जनवरी 2009 या उसके बाद पैदा हुये किसी भी व्यक्ति को तम्बाकू उत्पाद नहीं बेचा जा सकता है।

15 दिसम्बर

दुनिया के 10 प्रमुख प्रयासों में शामिल हुआ 'नमामि गंगे' प्रोजेक्ट

● गंगा नदी की सफाई के लिये केंद्र सरकार द्वारा संचालित किये गये 'नमामि गंगे' प्रोजेक्ट की संयुक्त राष्ट्र ने सराहना की है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने 'नमामि गंगे' प्रोजेक्ट को उन 10 अभूतपूर्व सरकारी प्रयासों में शामिल किया है, जिनसे प्रकृति को बेहतर किया गया है। संयुक्त राष्ट्र ने जैवविविधता सम्मेलन के दौरान एक रिपोर्ट जारी की है, रिपोर्ट के अनुसार हिमालय से बंगाल की खाड़ी तक 2 हजार 525 किलोमीटर तक बहने वाली गंगा नदी को जलवायु परिवर्तन, जनसंख्या वृद्धि, प्रदूषण और औद्योगिकीकरण से काफी नुकसान पहुंचा है।

● सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया अगले वर्ष अप्रैल में सर्वाइकल कैंसर (गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर) से बचाव करने वाली स्वदेशी वैक्सीन लॉन्च करेगा। इस वैक्सीन को 'सर्वावैक' नाम दिया गया है। यह वैक्सीन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध अन्य वैक्सीनों से काफी सस्ती होगी। सीरम इंस्टीट्यूट के नियामक मामलों के निदेशक प्रकाश कुमार सिंह ने बताया कि गर्भाशय के कैंसर से बचाव करने वाली इस वैक्सीन का इस्तेमाल जन स्वास्थ्य कार्यक्रमों में किया जायेगा। इसे डीसीजीआई की मंजूरी मिल गई है।

16 दिसम्बर

भारत ने किया परमाणु मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण

● भारत ने अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल परमाणु क्षमता से सम्पन्न है और पांच हजार किलोमीटर से अधिक दूर तक लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) ने संयुक्त रूप से मिलकर बनाया है। अग्नि-5 मिसाइल का वजन 50 हजार किलोग्राम है। यह मिसाइल 1500 किलोग्राम वजन का परमाणु हथियार ले जा सकती है।

● संयुक्त राष्ट्र में समानता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाले वैश्विक अंतर सरकारी निकाय से ईरान को बाहर कर दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र में इस वैश्विक निकाय से ईरान को बाहर करने संबंधी मसौदा प्रस्ताव 29 मतों से पारित हो गया। अमेरिका द्वारा लाये गये इस प्रस्ताव के खिलाफ चीन, रूस और कजाकिस्तान सहित आठ देशों ने मतदान किया। जबकि 29 देशों ने प्रस्ताव के समर्थन में मतदान किया। भारत सहित 16 देश मतदान से दूर रहे।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

APPOINTMENTS

SHRI UMIYA KANYA MAHAVIDYALAYA
Run by Shri Ambika Patidar Samaj Dharmik Evam Parmarthik Trust
Affiliated to DAVV, Indore & Recognised by DHE, Bhopal, Govt of MP (NAAC Accredited "B" Grade College), B.Ed. - Recognised By NCTE (WRC)
Umiya Dham, RangwasaRau, Indore. 9425347336, 9926500234, 9179625998
Email : principal.sukm@gmail.com,
FACULTY REQUIRED FOR
B.Ed & Science, Commerce, Arts, Managment & BCA (Under college code 28)

HOD-1, **Assistant Professor**–Perspectives in Education-4, Pedagogy Subjects-8 (Mathematics, Commerce, language, Science and Social Science) **Health and Physical Education**–1, **Fine Arts**–1, **Library**-1,

Botany-1, **Physics**-1, **Microbiology**-1, **Computer**-3, **Computer Science**-3, **Management**-2, **Economics**-1, **Sociology**-1, **Political Science**-1, **Commerce**-2, **Zoology**-2, **Chemistry**-2

neelsun

* Appointment shall be done as per NCTE/UGC Norms and College Code 28.
* Ph.D, Net/Slet qualified and female candidate will be given first priority.
* Interested candidate may apply at mail within 10 days along with application, CV and self attested copies of all testimonials.

Principal

R-47922/2022

M.B. KHALSA INSTITUTION OF EDUCATION, INDORE
(Accredited by "NAAC", Recognized by NCTE & Affiliated to DAVV)
VACANCIES
Applications are invited for the following posts under college code-28:
(Professor/Associate Professor/Assistant Professor)
For the following courses :
B.Ed. : (Perspectives in Education, Pedagogy subjects & Performing Arts)
M.Ed. : (Perspectives, Tool & Teacher Education)
Qualification & Experience as per NCTE/UGC Norms
Apply within Fifteen days with complete bio-data, testimonials and photo to the Principal,
M.B. Khalsa Institution of Education, Rajmohalla Sqaure, Indore (M.P.)
E-mail: mbkhalsaedu@gmail.com Ph.0731-4090641
Dr. Meenakshi Parashar (Principal)

Sheetal

R-47899/2022

प्रयासKSG
An institute for **MPPSC** Examination
Build Your Own Success Story
MPPSC को प्रारंभिक परीक्षा 2022 के लिये विशेष बैच
इस बार 80 दिनों में 80 पार
80 Days Intensive Online Training Programme
मात्र ₹ **999/-**

2nd Rank (MPPSC)
Rachna Sharma

प्रमुख विशेषताएं
- 20 से अधिक प्रमाणिक, अनुभवी एवं विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन।
- प्रतिदिन 4:30 घंटों की कक्षा जिसमें 3 शिक्षक 3 विषयों का अध्यापन करेंगे।
- प्रतिदिन कक्षा में ही 50 प्रश्नों को हल करवाया जायेगा।
- पूरे 80 दिनों के कार्यक्रम में लगभग 5000 प्रश्न, जिनमें 10 FLTs भी शामिल होंगे।
- नोट्स PDF में उपलब्ध कराये जायेंगे।

बैच प्रारंभ: 20 जनवरी' 23
Batch Timing: 8:00am - 12:30pm (Hindi) 4:30pm - 9:00pm (English)
BOOK YOUR SEAT NOW!

Shivam

Bhopal Branch
Plot No. 43, S-1 & S-3, 2nd Floor, R.R. Arcade, Zone-II, M.P. Nagar, Bhopal
7223901339, 9302963679,0755-4940022

Indore Branch
111-117, 1st Floor, Veda Building, Bhawar Kuan Square, Indore
9893739446, 7725837474

R-47900/2022

वर्ष 39, अंक 51 19.12.2022 से 25.12.2022

रोज़गार और निर्माण

rojgaraurnirman.in

- प्रबंध संचालक - राधवेन्द्र कुमार सिंह
- सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह
- कार्यकारी सम्पादक - राजीव तिवारी
- प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
- प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
- आकल्पन - आशा रोमन, अरविन्द टोप्पो
- वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, **e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com**
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। जरूरी नहीं कि सम्पादक उससे सहमत हों। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

युवाओं के सहयोग से

मध्यप्रदेश में जमीन पर उतरेगा सुशासन

सीएम यंग प्रोफेशनल्स फॉर डेवलपमेंट प्रोग्राम लोकतांत्रिक व्यवस्था में की गई महत्वपूर्ण पहल है। मध्यप्रदेश में युवाओं के सहयोग से सुशासन को जमीन पर लाने का कार्य किया जायेगा। पिछले एक वर्ष से इस दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त बातें मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहीं। मुख्यमंत्री भोपाल स्थित रवीन्द्र भवन में सुशासन समागम कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मध्यप्रदेश में सुशासन के प्रयासों का विस्तार से उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने युवाओं के सवालों और उनकी जिज्ञासाओं का समाधान भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिये शासन है। हमारा तंत्र काफी बड़ा है। योजनाएं बनाना सरल है, लेकिन योजनाओं को पात्र लोगों तक पहुंचाने का कार्य विभिन्न कठिनाइयों से भरा है। इससे कुछ लोगों द्वारा कोताही के कारण और लाभ उठाने की भावना से अनेक योजनाएं जमीन पर नहीं उतर पातीं। शासकीय तंत्र के अलावा युवा ऊर्जा का उपयोग कर योजनाओं के क्रियान्वयन को आसान बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके मन में यह विचार आया है कि युवाओं के सहयोग से योजनाओं की जानकारी प्राप्त की जाये। युवा इस व्यवस्था के शासन के आंख और कान बन रहे हैं। युवाओं द्वारा दी गई जानकारियों के आधार पर जिलों की प्रातःकालीन बैठकें हुई हैं। सही व्यक्ति तक बिना कठिनाई के और बिना विलंब के योजनाओं का लाभ मिल जाये, यही सुशासन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के लिये भी अनेक योजनाएं बनायी गई हैं। व्यवहारिक जीवन में जनता के कष्ट देखकर अनेक योजनाएं बनायी गई। लाड़ली लक्ष्मी योजना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने लाड़ली लक्ष्मी योजना प्रारंभ होने की प्रेरणा से लेकर उसके क्रियान्वयन और नये स्वरूप के बारे में बताया। मुख्यमंत्री ने युवा उद्यमी योजना और अन्य योजनाओं का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं के विचारों को शामिल करते हुये नयी युवा नीति को अंतिम रूप दिया जायेगा। आगामी 13 जनवरी को यह नीति सामने आयेगी। इसके पूर्व विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं में संगोष्ठी से युवा नीति पर विचार-विमर्श की प्रक्रिया पूरी की जायेगी। मुख्यमंत्री ने आग्रह किया कि इस नीति के निर्माण में अधिकाधिक युवा हिस्सा लें। युवाओं से संबंधित प्रावधानों को युवा नीति में शामिल कर क्रियान्वित किया जाये। मुख्यमंत्री ने युवाओं से संवाद करते हुये कहा कि उन्हें बचपन से ग्राम में नैसर्गिक रूप से प्रकृति प्रेम की शिक्षा मिली। खेलों के प्रकार भी प्रकृति से जुड़े थे। नर्मदा जी के किनारे विभिन्न खेल गतिविधियां होती थीं। ग्रामीण श्रमिकों के मानदेय में वृद्धि के लिये उन्होंने पहला संघर्ष किया था। इसके बाद निरंतर सार्वजनिक जीवन में जनता के कल्याण को केंद्र में रखा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में पेसा एक्ट लागू किया गया। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान 17 सितम्बर प्रधानमंत्री जी के जन्म दिवस से प्रारंभ हुआ, जो 31 अक्टूबर तक चला। डेढ़ माह में 83 लाख पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के लिये चिन्हित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनकल्याण के कार्य निरंतर होते रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत को जी-20 समिट की मेजबानी मिली है, जो गर्व का विषय है। साथ ही प्रधानमंत्री इसलिये विशेष धन्यवाद के पात्र हैं कि उन्होंने प्रत्येक राज्य में जी-20 की गतिविधियों का निर्णय लिया। मध्यप्रदेश में जी-20 से संबंधित 7 बैठकें होंगी। इंदौर, उज्जैन सहित विश्व धरोहर खजुराहो का अवलोकन भी विभिन्न देशों के प्रतिनिधि करेंगे। इससे मध्यप्रदेश की मार्केटिंग सारी दुनिया में हो जायेगी।

प्रदूषित हवा दिमाग के लिये नुकसानदेह

प्रदूषित हवा दिमाग के लिये नुकसानदेह साबित हो रही है। दुनियाभर में जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित होती हवा का असर सेहत पर पड़ रहा है। प्रदूषण जहां सांस संबंधी बीमारियों, दिल का दौरा और कैंसर जैसी बीमारियों का कारण माने जाते हैं, वहीं ये आपके दिमाग को भी प्रभावित कर रहा है। हाल ही में हुये एक शोध में ये जानकारी सामने आई है, जिसमें कहा गया कि प्रदूषित कण दिमाग संबंधी बीमारियों का कारण बन रहे हैं। दिमाग को शरीर का कम्प्यूटर माना जाता है, जैसे कम्प्यूटर में वायरस आ जाने से उसकी कार्यक्षमता ठप हो जाती है, वैसे ही दिमाग को कई चीजें प्रभावित करती हैं इनमें सबसे बड़ा कारण है प्रदूषण। प्रदूषित हवा जब फेफड़ों में जाती है, तो रक्त प्रवाह के साथ जहरीले कण पूरे शरीर में घूमते हैं और दिमाग संबंधी रोग और इम्यून सिस्टम पर घातक असर डाल सकते हैं। बर्मिंघम विश्वविद्यालय और चीन के अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञों द्वारा किये गये शोध में ऐसे सीधे रास्ते की खोज की गई, जिससे सांस के जरिये खींचें गये महीन प्रदूषित कण सीधे शरीर के अंगों से होते हुये दिमाग तक पहुंचते हैं। वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि दिमाग संबंधी बीमारियों से जूझ रहे मरीजों के दिमाग में ऐसे कई तरह के महीन कण पाये गये हैं, जो दिमाग की कार्यक्षमता को ठप कर सकते हैं। बर्मिंघम विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ता का कहना है कि दिमाग में पाये जाने वाले प्रदूषण के कण अलग-अलग तरीकों से पहुंचते हैं। सबसे प्रमुख तरीका यात्रा के दौरान रक्त प्रवाह के माध्यम से फेफड़ों से होते हुये दिमाग तक पहुंचता है। वायु प्रदूषण में जहरीले घटकों का ये काकटेल हानिकारक स्वास्थ्य प्रभाव पैदा करता है। वैज्ञानिकों ने पाया कि प्रदूषित कण सांस के माध्यम से पहले रक्त प्रवाह में प्रवेश करते हैं और उसके बाद रक्त अवरोधों को पार कर मस्तिष्क के रोग अवरोध और उसके आसपास के उतकों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

- देवेश तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर लिखते हैं)

भारतीय नौसेना दिवस 4 दिसंबर

समृद्ध है भारतीय नौसेना की ऐतिहासिक शौर्य विरासत

शं नो वरुण : इसका अर्थ है कि जल के देवता वरुण हमारे लिए मंगलकारी रहें। भारत का अपना एक समृद्ध समुद्री इतिहास रहा है और वैदिक साहित्य में नौकाओं, पोतों और समुद्री यात्राओं का उल्लेख कई बार किया गया है। ऋग्वेद के अनुसार वरुण समुद्र के देवता हैं और पोतों द्वारा प्रयोग किए जाने वाले महासागरीय मार्गों का उन्हें ज्ञान है। ऋग्वेद में इस बात का उल्लेख है कि व्यापार और धन की खोज में व्यापारी महासागर के रास्ते दूसरे देश में जाते थे। महाकाव्य रामायण और महाभारत में भी पोतों और समुद्री यात्राओं का वर्णन है। यहां तक कि पुराणों में भी समुद्र मंथन समेत कई समुद्री यात्राओं की कथाएं सम्मिलित हैं। जिससे इस बात का पता चलता है कि मानव को समुद्र और महासागर रूपी संपदा से काफी फायदा हुआ है। यूनान और रोम के साहित्यिक अभिलेखों से नंद और मौर्य साम्राज्यों के दौरान समुद्री व्यापार होने के पर्याप्त प्रमाण मिलते हैं। यूनान के मानव विज्ञानी और चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में दूत रहे मेगस्थनीज ने उस दौरान पाटलिपुत्र में सशस्त्र सेनाओं के प्रशासन का वर्णन किया है। एक विशेष समूह के होने की बात कही है, जो समुद्री-युद्ध के विभिन्न पहलुओं को देखा करता था यही कारण है कि मगध साम्राज्य की जल सेना को साक्ष्य के आधार पर विश्व की प्रथम जल सेना होने की संज्ञा दी जाती है। चाणक्य ने अर्थशास्त्र की रचना में 'युद्ध कार्यालय' के रूप में स्थापित एडमिरल्टी डिवीजन का भी उल्लेख किया है, जिसे महासागरों, झीलों और समुद्रों में नौचालन की जिम्मेदारी सौंपी थी। भारतीय साहित्यकला, मूर्तिकला, चित्रकला और पुरातत्व-विज्ञान से प्राप्त कई साक्ष्यों से भारत की समुद्री परंपराओं का अस्तित्व प्रमाणित है।

प्राचीन इतिहास में सम्मिलित है समुद्र की गाथाएं

हमारे देश के समुद्री इतिहास का अध्ययन करने से इस बात का पता चलता है कि प्राचीन काल से लेकर 13वीं शताब्दी तक हिंद महासागर पर भारतीय उप महाद्वीप का वर्चस्व कायम रहा। राजनीतिक कारणों से अधिक व्यापार के लिए भारतीय समुद्री रास्तों का प्रयोग करते थे। इस प्रकार 16वीं शताब्दी तक का काल देशों के मध्य समुद्र के रास्ते होने वाले व्यापार, संस्कृति और परंपरागत लेन-देन का गवाह रहा है। हिंद महासागर को हमेशा एक विशेष महत्व का क्षेत्र माना जाता रहा है और भारत का इस महासागर में केंद्रीय महत्व है। यूं तो भारतीय नौसेना का इतिहास आठ हजार साल से भी पुराना है। प्राचीन भारतीय इतिहास की यदि हम बात करें तो विश्व की सबसे प्राचीन नगरीय सभ्यता के प्रमुख नगर लोथल जो प्रमुख शहरों में से एक था दुनिया की पहली ज्वार गोदी का निर्माण हड़प्पा सभ्यता के दौरान 2300 ई.पू. के आसपास लोथल में माना जाता है, जो इस समय गुजरात के तट पर मौजूद मंगरोल बंदरगाह के निकट है। यह सबसे पुराने मानव निर्मित गोदी या डॉकयार्ड की खोज होने के लिए यह जाना जाता है। लोथल में एक समुद्री धरोहर परिसर नेशनल मैरीटाइम हेरिटेज कॉम्प्लेक्स को विकसित किया जा रहा है। यह इस शहर की ऐतिहासिक विरासत और धरोहर के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। इसमें कई नवीन और अनूठी विशेषताएं होंगी जैसे कि हड़प्पा वास्तुकला और जीवन शैली को फिर से जीवंत करने के लिए लोथल मिनी रिक्रिएशन, चार थीम पार्क - मेमोरियल थीम पार्क, समुद्री और नौसेना थीम पार्क, जलवायु थीम पार्क और साहसिक और मनोरंजन थीम पार्क, दुनिया का सबसे ऊंचा लाइटहाउस संग्रहालय, हड़प्पा काल से लेकर अब तक भारत की समुद्री धरोहर पर प्रकाश डालने वाली चौदह दीर्घाएं, तटीय राज्यों

का मंडप जो राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विविध समुद्री धरोहर को प्रदर्शित करेगा। यह इस शहर की समृद्ध समुद्री विरासत के इतिहास को जीवंत करेगा।

मराठा काल से लेकर आधुनिक नौसेना का निर्माण

भारतीय तटों पर नियंत्रण करने अंग्रेजों के प्रयासों का मराठों ने डटकर सामना किया। मुगलों के लगातार आक्रमण का सामना कर रहे मराठों के पास आरंभ में कोई नौसेना नहीं थी। शिवाजी वे प्रथम योद्धा थे, जिन्हें एक मजबूत नौसेना की आवश्यकता महसूस हुई। सिद्दियों (जिनके बेस मुरुद जंजीरा में थे) से लड़ने के क्रम में और कोंकण तट पर पुर्तगालियों की नौसैन्य शक्ति को देखकर शिवाजी को कुशल पत्तन प्रणाली और मजबूत नौसेना के महत्व का पता चला। शिवाजी का दुर्गों में विश्वास था और उन्होंने विजयदुर्ग, सिन्धुदुर्ग और अन्य स्थानों की तरह कोंकण तट पर कई तटीय दुर्गों का निर्माण करवाया। उन्होंने तटों की अपेक्षा छोटी पहाड़ियों पर किलों का निर्माण करवाया, ताकि किलों की ठोस सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ईस्ट इंडिया कंपनी ने 1612 में नौसेना का गठन किया। 1686 में इसका नाम ईस्ट इंडिया मरीन से बदलकर बॉम्बे मरीन कर दिया गया। 1830 में बॉम्बे मरीन का नाम बदलकर ब्रिटिश महारानी की भारतीय नौसेना किया गया। 1863 से 1877 तक फिर इसका नाम बॉम्बे मरीन रहा। बाद में 1892 में इसे रॉयल इंडियन नेवी का नाम दिया गया। 2 अक्टूबर 1934 को नेवल सर्विस को रॉयल इंडियन नेवी का नाम दिया गया। देश का विभाजन होने के बाद जब भारत और पाकिस्तान की अलग-अलग सेनाएं बनीं तो नौसेना रॉयल इंडियन नेवी और रॉयल पाकिस्तान नेवी के रूप में बंट गई। इसके बाद 26 जनवरी, 1950 को इंडियन नेवी में से रॉयल शब्द को हटा लिया गया और उसे भारतीय नौसेना नाम दिया गया।

भारतीय नौसेना की दो ऑपरेशनल कमान और एक प्रशिक्षण कमान हैं

सभी तीनों कमानों के प्रमुख वाइस एडमिरल रैंक के अफसर होते हैं जिन्हें 'फ्लैग अफसर कमांडर-इन-चीफ' कहा जाता है। भारतीय नौसेना के बड़े बेस मुंबई, गोवा, कारवार, कोच्चि, चेन्नई, विशाखापट्टनम, कोलकाता और पोर्ट ब्लेयर में स्थित हैं। भारतीय नौसेना के सबसे बड़े पोत इसके दो बेड़ों का अंग हैं। पोतों के ऐसे समूह को बेड़ा कहा जाता है जो किसी एक प्राधिकारी के अधीन अपडेट करते हैं। भारतीय नौसेना का पश्चिमी बेड़ा मुंबई में और पूर्वी बेड़ा विशाखापट्टनम में स्थित है। इसके अतिरिक्त, पोतों के फ्लोटिला, पनडुब्बियों के स्कवॉड्रन और विभिन्न एयरक्राफ्ट हैं, जिनका ऑपरेशन नौसेना द्वारा कई नेवल एयर स्टेशनों से किया जाता है।

जीत से जुड़ा है 4 दिसंबर को नौसेना दिवस मनाने का इतिहास

भारत में नौसेना दिवस या इंडियन नेवी डे शुरुआत से ही 4 दिसम्बर को नहीं मनाया जाता रहा है। इससे पहले रॉयल नेवी के ट्राफैल्गर डे के साथ यह दिन मनाया जाता था। 21 अक्टूबर 1944 को रॉयल इंडियन नेवी ने पहली बार नौसेना दिवस मनाया था। इसे मनाने का उद्देश्य आम लोगों में नेवी के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। 1945 से द्वितीय विश्व युद्ध के बाद नौसेना दिवस 1 दिसम्बर को मनाया जाने लगा था। इसके बाद 1972 तक नौसेना दिवस 15 दिसम्बर को मनाया जाता रहा और 1972 से इसे 4 दिसम्बर को ही मनाया जा रहा है। नौसेना दिवस हर साल चार दिसम्बर को मनाने के पीछे नौसेना की खास उपलब्धि है। 1971 को जब बांग्लादेश की मुक्ति के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच जंग छिड़ी थी। उस युद्ध के घटनाक्रम में 4 दिसम्बर की तारीख को भारतीय नौसेना ने पाकिस्तान के कराची नौसैनिक अड्डे पर हमला कर उसे तबाह कर दिया था। इसकी सफलता की याद में इस दिन को मनाया जाता है। भारतीय नौसेना के इस ऑपरेशन ट्राइडेंट को इतनी सूझ-बूझ के संग अंजाम दिया कि पाकिस्तान को संभलने का मौका नहीं मिला। इतना ही नहीं भारतीय नौसेना की रणनीति का ही नतीजा था कि पश्चिमी पाकिस्तान पूर्वी पाकिस्तान तक कोई भी मदद अपनी नौसेना के माध्यम से नहीं भेज सका। मिसाइल आक्रमण तथा युद्ध में मारे गए सभी शहीदों की याद में 1972 से नौसेना दिवस प्रतिवर्ष 4 दिसम्बर को मनाया जाता रहा है। इस दौरान आगन्तुक और स्कूल के बच्चे भारतीय नौसेना के पोतों, एयरक्राफ्टों और स्थापनाओं के दर्शन कर सकते हैं।

इस वर्ष मिला नौसेना को नया ध्वज

आईएसी विक्रांत को नौसेना के बेड़े में शामिल करने के साथ प्रधानमंत्री ने इस वर्ष नौसेना के नए ध्वज का अनावरण किया। नौसेना का नया निशान (ध्वज) औपनिवेशिक अतीत को पीछे छोड़ते हुए समृद्ध भारतीय समुद्री विरासत के अनुरूप है। आजादी के पहले तक नौसेना के ध्वज में ऊपरी कोने में लगा ब्रिटिश झंडा हटाकर उसकी जगह तिरंगे को जगह दी गई। भारतीय नौसेना के नए ध्वज में सेंट जॉर्ज क्रॉस को हटा दिया गया है। भारतीय नौसेना के नए झंडे में भारत के राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को एक कोने में लगाया गया है। वहीं, बाकी आधे भाग में नेवी का क्रिस्ट लगाया गया है। नीले रंग का यह क्रिस्ट अष्टकोण की आकृति (Shape of Octagon) का है, जो इस बात का प्रतीक है कि हमारी इंडियन नेवी की पहुंच आठों दिशाओं में है। इसके अलावा अष्टकोणीय प्रतीक के नीचे देवनागरी लिपि में भारतीय नौसेना के सूत्रवाक्य "शं नो वरुणः" को अंकित किया है।

वर्तमान नौसेना अध्यक्ष एडमिरल हरि कुमार बनना चाहते थे इंजीनियर

12 अप्रैल, 1962 को जन्मे वाइस एडमिरल आर हरि कुमार भारत के 25वें नौसेना प्रमुख हैं। उन्होंने एडमिरल कर्मवीर सिंह की जगह ली है। वर्तमान नौसेना प्रमुख हरि कुमार को 1 जनवरी, 1983 को नौसेना की कार्यकारी शाखा में कमीशन दिया था। लगभग 39 वर्षों की अपनी लंबी और विशिष्ट सेवा के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। वाइस एडमिरल आर. हरि कुमार ने यूएस में नेवल वॉर कॉलेज, मध्यप्रदेश में आर्मी वॉर कॉलेज और यूके में रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज से कोर्स किया है। उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल, अति विशिष्ट सेवा मेडल और विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जा चुका है। अपने एक साक्षात्कार में उन्होंने बताया था कि, बचपन में वह कभी आईआईटीयन या किसी स्थानीय इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ना चाहते थे, लेकिन जीवन ने उनके लिए कुछ और ही तय कर रखा था। अपने परिवार के सैन्य सेवा में मौजूद सदस्यों से प्रेरित होकर उन्होंने एनडीए यानी नेशनल डिफेंस सर्विस की परीक्षा पास की जिसने आगे का रास्ता तय किया।

सर्जना चतुर्वेदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

HIGH COURT OF MADHYA PRADESH
JABALPUR

ADVERTISEMENT
M.P. HIGHER JUDICIAL SERVICE (DISTRICT JUDGE - ENTRY LEVEL) DIRECT RECRUITMENT FROM BAR, EXAM-2022

Advertisement No. 129/Exam/DR_HJS/2022		**Date : 15.12.2022**
Starting Date for submission of Online Application Form	**–**	**16.12.2022 (12:00 PM)**
Last Date for submission of Online Application Form	**–**	**31.12.2022 (11:55 PM)**
Period of Correction in Online Application Form	**–**	**05.01.2023 (12:00 PM) To 07.01.2023 (11:55 PM)**
Date of Online Preliminary Examination	**–**	**To be notified later**
Date of Main Written Examination	**–**	**To be notified later**

Only Online applications are being invited for **12 posts** in Madhya Pradesh District Judge (Entry Level) in the pay scale of Rs. 51550-1230-58930-1380-63070 (Pre revised) in the cadre of Higher Judicial Service by Direct Recruitment from amongst the eligible Advocates under Rule 5(1)(c) and as per direction of Hon'ble Supreme Court passed in SLP (C) No. 14156/2015 *(Dheeraj Mor Vs. Hon'ble High Court of Delhi)*. Recruitment to these posts and conditions of service will be governed by the M.P. Higher Judicial Service (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 2017 & other relevant laws, Rules, Notification, Regulation & Implementation, as amended up to date of the Advertisement.

Important-Note

1. Candidates interested and are eligible to apply for the post, should submit their applications as per the Online Application-format available on **www.mphc.gov.in** by filling all details in respect of certificates/testimonials relating to their date of birth, caste, category, qualifications, domicile, experience, standing at the Bar etc.
2. The entries in application forms shall be same as is shown in the documents relating to eligibility.
3. The right to change the number of vacancies (i.e. increase or decrease) at any time, if required, is vested with High Court of M.P.
4. It is made clear that all candidates who are not bonafide domicile of State of Madhya Pradesh shall be treated to be of "Unreserved category", irrespective of their categories in their own States and they are required to fill up their category as Unreserved (UR) in the application forms and wherever required, during Process of Examination and Selection process, the candidate shall also have to pay Examination fee, accordingly.
5. Permission to appear in the exam shall be provisional and if at any stage, it is found that the candidate does not fulfill the conditions of Advertisement or Certificates are found false then his/her candidature shall be rejected without assigning any reason.
6. Only those forms shall be treated as successfully submitted, where the examination fees is credited in the account of High Court within prescribed time. It shall be the duty of candidate to fill all the details correctly in Online Application Form. Any representation received for correction or otherwise after prescribed time, shall be summarily rejected.
7. It is cautioned that the candidates are required to write their Roll No. only in place provided for that purpose at the first cover-page of the answer book of Main Written Examination. Writing his/her own name or roll no. or any mark of identification in form of any number or name or mark or any other form, shall be deemed to be made in order to distinguish/ identify the answer-book of the candidate from others and the same is strictly prohibited. Any Violation of it shall, in addition to other grounds, entail cancellation of candidature and withholding of result, and any correspondence, in this regard, shall not be entertained.
8. Candidate shall use **blue or black ink only** for writing in Answer book of Main Written Examination and shall not use ink of any other colour or Pencil for the same.
9. **It is compulsory for the candidate to appear in all Question Papers. If any candidate does not appear in any Paper then he/she shall not be permitted to appear in the examination of remaining Paper(s). The Answer books of such candidate shall not be evaluated and his/her candidature shall be deemed cancelled.**
10. Any representation/application for changing dates of examination/selection process, for relaxation of conditions mentioned in the Advertisement or Examination related directions or guidelines or minimum marks or qualifications/requirements etc. or for revaluation, shall not be entertained and shall be summarily rejected without assigning any reason.
11. All the directions/instructions/guidelines/format issued regarding Examination shall be treated as part of the Advertisement.
12. The High Court shall have all the right reserved to make any change at any time of Selection process which may be notified by porting on the website of High Court (**www.mphc.gov.in**).
13. **Selection process is subject to decision of Hon'ble the Apex Court/High Court that may affect selection under under Rule 5(1)(c) of M.P. Higher Judicial Service (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 2017.**

1. Details of posts -

As per Rule 6 sub-rule (1) & (2) of the M.P. Higher Judicial Service (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 2017, reservation for S.C., S.T. and O.B.C. Candidates is 15%, 18% and 14% of posts respectively. Apart from that 2% Horizontal reservation is for persons suffering from locomotor disabilities, for the posts of Direct Recruitment (from Bar), under Rule 5(1)(c) of the Rules-2017.

As per the Rules-2017, the reservation for available 12 vacant posts may be determined as under :-

S.No.	Category	Percentage	
1.	Scheduled Castes	15% of 12 posts = 1.80 i.e.	2 posts
2.	Scheduled Tribes	18% of 12 posts = 2.16 i.e.	2 posts
3.	OBC	14% of 12 posts = 1.68 i.e.	2 posts
4.	Unreserved		6 posts
	Total	**12 posts**	

Note :-

1. As the total no. of Posts is 12 & its 2% is 0.24, therefore no seat is reserved for P.H. category.
2. The right to change the number of vacancies (i.e. increase or decrease) at any time, during recruitment process is vested with High Court of M.P.
3. Total reserved post cannot exceed 50% of total vacancy.
4. Number of seats may vary & such variation will be notified through porting of notification on the official website of High Court of Madhya Pradesh.

2. Eligibility of candidates -

No person shall be eligible for appointment by direct recruitment unless, he or she -

(a) is a citizen of India;

(b) has attained the age of 35 (thirty five) years and has not attained the age of 45 (forty five) years on the first day of January in the year in which applications for recruitment are invited;

(c)(i) has for atleast 7 (seven) years been an advocate on the first day of January of the recruitment year in which applications for recruitment are invited (certificate of competent authority is required);

Hon'ble the Supreme Court vide judgment dated 19.02.2020 passed in SLP (C) No. 14156/2015 (*Dheeraj Mor Vs. Hon'ble High Court of Delhi*) has held that –

"47 *(iv) For the purpose of Article 233(2), an Advocate has to be continuing in practice for not less than 7 years as on the cut-off date and at the time of appointment as District Judge. Members of judicial service having 7 years' experience of practice before they have joined the service or having combined experience of 7 years as lawyer and member of judiciary, are not eligible to apply for direct recruitment as a District Judge."*

(c)(ii) has been Prosecution Officers/Addl./Assistant Prosecution Officer, having Seven or more years of experience, (will be treated to be an Advocate and eligible as per judgment of Hon'ble Supreme Court in Civil Appeal No. 561/2013 Deepak Aggarwal Vs. Keshav Kaushik & others);

(d) has good character and is of sound mind and body and free from any physical and mental disability which renders him/her unfit for such appointment;

Selection process is subject to decision of Hon'ble the Apex Court / High Court that may affect selection under Rule 5(1)(c) of M.P. Higher Judicial Service (Recruitment and Conditions of Service) Rules, 2017.

The aforesaid fact of practice may be *prima facie* seen by the following modes :-

(1) *By* calling Income-tax return of candidate (at least three previous years) in which his/her income should be shown from the profession of Advocate (Detail has to be furnished by the candidate);

(2) The candidate shall also give list of at least 10 Finally decided/Disposed off cases along with details i.e. Certified Copy of Final Order/Judgment in which his/her name is shown;

(3) Certificate of Continuous Practice, issued by the Principal District Judge or in Case of High Court, by the Registrar (Judicial).

3. Disqualification of Candidates -

A person shall be disqualified for appointment by direct recruitment, if he or she –

(a) has more than one spouse living;

(b) has been dismissed or removed from service by any High Court, Central or State Government, Statutory Body or Local Authority ;

(c) has been convicted of an offence involving moral turpitude or has been permanently debarred or disqualified by any High Court or Union Public Service Commission or any State Public Service Commission or any Service Selection Board or Staff Selection Commission constituted under statutory provisions by the Government ;

(d) has been involved in such other criminal case which in the opinion of the Appointing Authority is not suitable to discharge the functions as Judicial Officer ;

(e) has been found guilty of professional misconduct under the provisions of the Advocates Act, 1961 or any other law for the time being in force ;

(f) has more than two living children one of whom is born on or after 26-01-2001 in terms of sub-rule (6) of Rule 6 of The Madhya Pradesh Civil Services (General Conditions of Services) Rules, 1961 ;

Explanation :- For the purpose of this Sub Rule, child born within 280 days from the date of 26/01/2001 shall not constitute disqualification;

(g) if he has accepted or accepts dowry at the time of his marriage ;

Explanation :- In this clause, the word "dowry" shall have the same meaning as assigned to it in Dowry Prohibition Act, 1961 (Act. No. 28 of 1961).

(h) If he or she does not fulfill the provisions of M.P. Higher Judicial Service (Recruitment & Conditions of Service) Rules, 2017, M.P. Civil Services (conduct) Rules, 1965 and M.P. Civil Services (General Conditions of Service) Rules 1961 and any other Rules/Regulation/ Notification/Instructions, as issued by the State Government as may be adopted by the High Court of M.P.

(i) Uses Unfair Means or gives false information as to whether he/she has been **prohibited or debarred, temporarily or permanently to appear in any Examination conducted by High Court of M.P. or any Board or Statutory authority.**

Unfair Means :-

In any of the following cases, Applicants/Candidates may be liable for prosecution and/or cancellation of their candidature for and/or he/she may be prohibited or debarred, temporarily or permanently, to appear in any Examination conducted by High Court of M.P., if he or she :-

(i) Takes or attempts to take any favour in any form at any stage of Examination, or,

(ii) Impersonates himself or gets other to impersonate as him in the exam process, or,

(iii) Makes or submits any forged document in support of his or her candidature, or,

(iv) Conceals any material information or provides any false information, at any stage of selection process or appointment, or,

(v) Uses or attempts to use, improper or illegal means, either for purpose of being permitted to appear in examination or at any stage of Examination in Examination Room/Hall, or,

(vi) During Examination or Interview, harasses or threatens or causes physical injury to or misbehaves with, any Officer or employee or person engaged there for, or,

(vii) Disobeys any directions relating to Examination including oral directions by the Invigilator or Observer or any other Officer or Employee engaged in conducting the Examination.

(viii) Uses or attempts to use any material to cheat or brings any prohibited item in Examination room/hall of Online Preliminary Exam or Main Written Exam or Interview, or causes any harm to the computer or any wire, peripherals attached thereto or to any furniture, buildings or any other thing of any Examination Centre, or talks with any candidate or other person or peeps on the computer-screen, table or answer-sheets of other candidates, during Examination.

(ix) Commits any violation of instructions as to not bringing Mobile Phones, pagers or any electronic & communication devices/ calculators inside the main gate of premises where the Examination, either Online Preliminary or Main Written Exam, shall be conducted.

Note :-

(i) In all or any of aforesaid case, in addition to the cancellation of candidature/selection/ appointment, the candidate may be prosecuted for an offence punishable under M.P. Recognized Examination Act, 1937 for which the punishment is up to 3 years of imprisonment or/and under other relevant Law.

(ii) Candidates are advised not to bring any banned items and any valuable/costly items to the examination centre, as there may not be any arrangement for their safe-keeping. High Court or Service Provider or Examination Center will not be responsible for any loss in this regard.

(iii) Canvassing in any form, at any stage of process, will also be a disqualification. Similarly, any attempt on the part of a candidate to enlist support for his candidature/selection/ appointment through persons of influence or officers of Government will also disqualify him for candidature/selection/appointment.

4. Procedure and Direction for submitting Online Application Form :-

Candidates are required to log on website of **www.mphc.gov.in** and to click on "Recruitment"

tab, then click on Online Application for M.P. H.J.S. (Direct Recruitment from Bar) Exam-2022. Now the candidate will find Four links –

(1) Advertisement
(2) Registration
(3) Application
(4) Edit Application.

The candidate will have to Click on Advertisement and read carefully the instructions given in Advertisement. Thereafter, click on "Registration" link and after filling the required information candidate will get the User ID and Password on the Registered Mobile No. and E-mail ID to fill up the Application Form.

The Online Registration and Application form are being so designed that the Candidate will be prompted through alert pop up messages regarding entries and same shall be cross verified through alert window. Entries shall also seek confirmation from the Candidate before final submission of the Application Form by him.

Once the Candidate has registered himself and starts to fill the form, no correction/alteration shall be allowed in entries made during registration. However, if a Candidate wants to correct/ change any entry of registration form he may, before pressing the submit button to deposit the fees, re-register and fill application form afresh.

After filling the application form the candidate will be required to upload signature and recent Colour Photo in the last "Document Upload" tab and after preview the form details click on "Submit" button and pay the Application Fee.

5. Mode of Payment -

After completing form details and uploading photo and signature candidate can preview the form by clicking on Preview button then click on Submit button to make the payment opting from any of the mode provided through Payment Gateway. After making payment successfully, the candidates are required to take a print out of Application Form by clicking on "Print" tab and keep safely with them for further reference.

Once fee is submitted after filling the form, no changes in the Application Form are allowed as to entries made during registration. The "Edit Application" Period is provided for correction of entries in "Application Form" only.

Notes :- Before Calling for any help read Advertisement carefully –

(i) For any help regarding Online Application, the candidate may call on **Helpline No. 022-61306271.**

(ii) For any help regarding Advertisement, the candidate may call on **Helpline No. 0761-2622395.**

6. Examination Fees -

Looking to the circumstances posed by Covid-19 pandemic, for the safety and security of candidates, previous Online Examination was conducted by SD-100 with isolation Model. Therefore, it will be appropriate that this examination shall also be conducted by adopting SD-100 with isolations Model. The fees structure of SD-100 with isolation Model is as given below :-

Online Preliminary Exam		
1.	For **Unreserved (UR)** and candidates from the state other then Madhya Pradesh	**Rs.977.02/-** [Examination Fee Rs. 400/- + Portal Charge Rs. 577.02/- (335/- + 154 Covid-19 Arrangement Fee+ 18% GST for Service Provider)
2.	For Candidates of **Reserved categories** (O.B.C., S.C. & S.T candidates who are domicile of M.P. only and Specially Abled candidates)	**Rs. 577.02/-** [Examination Fee- Nil Portal Charge Rs. 577.02/- (335/- + 154 Covid-19 Arrangement Fee + 18% GST for Service Provider)]

Note :-

1. Above mentioned fees may vary and in case of increase, the candidate will have to pay the deficit amount fees. Any objection as to variation in fees shall not be entertained.
2. Any candidate, except person with disability, who is not resident (domicile) of State of Madhya Pradesh, shall be treated as Unreserved (UR) in all respects for the purpose of selection process and he/she shall also have to apply & pay Examination fee, accordingly.

There is no provision for the refund or adjustment of examination fees. Only those forms shall be treated as successfully submitted, where the examination fees is credited in the account of High Court within prescribed time.

Candidate(s) whose payment against above prescribed fees is not shown credited within prescribed time in account of Exam Section of High Court, for any reason, then neither he/she shall be permitted to appear in exam nor their Admit Card be issued. Any representation in this regard shall be rejected without assigning any reason.

Candidate of any category, except person with disability belonging to the State other than Madhya Pradesh shall be treated as candidate of Unreserved category for all purposes including examination fees.

7. Travelling Expenses -

No Travelling Expenses or allowances will be payable at any stages of recruitment process to any candidate, i.e. Preliminary Examination, Main Written Examination and Interview.

8. Admit Cards -

Admit Cards/Hall Tickets at each stage of Selection Process (Online Preliminary Exam, Main Written Exam & Interview) Containing necessary instructions shall be generated by Service Provider around 7 days prior to the Exam on the official website of High Court of Madhya Pradesh and the candidate may download and take its print-out. Breach of any necessary instruction by candidate shall disentitle him/her to further participate in examination.

Note:- Permission to appear in examination to candidates is provisional, mere issuance of Admit Card shall not be construed as endorsement on eligibility of candidate, if at any stage during process of examination, it is found that the candidate(s) does not fulfill the conditions of Advertisement or Certificates are found false then his/her candidature shall be rejected without assigning any reason.

9. Special provision as to person with disability -

Candidates with disability may be allowed to avail the Facility of scribe in suitable cases and as per prevailing guidelines and norms. Compensatory time may also be granted to candidate with disability.

10. Selection/Recruitment Process :-

The Selection /Recruitment process shall be completed in Three Stages-

A. Preliminary/Screening Exam,
B. Main Written Exam and
C. Interview

A. Preliminary/Screening Examination

(1) Date, time, Shifts and Centres -

Online Preliminary Examination, for the purpose of screening, may be held on **such date as may be notified later.**

Centres -

The **Online Preliminary Examination** may be held in the District Jabalpur, Bhopal & Ujjain (at all or one or more places) in different Institutions/Colleges as may be identified by the Service Provider.

Though the candidates may opt District for Online Preliminary Examination but the District allotted to the candidates by the Service Provider shall be final and the candidates shall not have any right to make any objection in this regard. Objections made in this regard shall be deemed to be filed/rejected.

The **Main Written Examination** shall be held at Jabalpur in one or more different Institutions/ Colleges, in two or more consecutive days/Date(s). The date, time and venue(s) of Main Written Exam will be notified through porting of Notice on official website of High Court of M.P.

(2) Change in Venue and Date of Examination -

The date, time and place of Online Preliminary or Main Written Exam may change in case of any exigency(s) or circumstances beyond control. Online Preliminary or Main Written Exam scheduled for any date may cancel in case of technical snag, calamity, disaster etc, at all or any one or more Centre(s). In case of such cancellation, the Online Preliminary or Main Written Exam of all candidates scheduled for that date at the concerned centre(s), may be re-scheduled for some other suitable date, time and place(s)/centre (s). In such case, the Set of Question Paper shall be different from previous date and the duration of Exam of each shift shall be the same. No candidate/applicant of Online Preliminary or Main Written Exam shall have any right to raise any objection, in this regard.

Examination centers would be equipped with CCTV cameras facing the candidates with Video Recording facility.

(3) Practice/Mock Test -

A Mock Test/exam link is being hosted by Service Provider on High Court website i.e. (**www.mphc.gov.in**) for the candidates before sufficient reasonable period from Online Preliminary Examination in order to make them familiar with the exam pattern and procedure to be adopted by them during examination.

(4) Pattern and Syllabus of Online Preliminary Exam -

The Online Preliminary (Screening) Examination shall be conducted online, through the portal, website and system of Service Provider and there shall be objective Multiple Choice Questions (M.C.Q.) wherein the candidates shall have four options to select the most appropriate/ correct answer.

Question paper for Online Preliminary Examination shall contain **150 multiple choice objective type questions** to be **solved within a period of Two hours (120 Minutes).**

Syllabus with proportionate marks for Preliminary Examination of District Judge (Entry Level) Direct from Bar, Exam-2022, as given hereinafter :-

S.No.	Subject	No. of Ques.	Marks
1.	Indian Penal Code, 1860, Criminal Procedure Code, 1973 & Indian Evidence Act, 1872	27	27
2.	Code of Civil Procedure, 1908, Transfer of Property Act, 1882 & Indian Contract Act, 1872	20	20
3.	The Constitution of India	9	9
4.	Specific Relief Act, 1963	5	5
5.	Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985	4	4
6.	Limitation Act, 1963	3	3
7.	Negotiable Instrument Act, 1881	3	3
8.	M.P. Land Revenue Code, 1959	5	5
9.	M.P. Accommodation Control Act, 1961	5	5
10.	Hindu Marriage Act, 1955, Hindu Succession Act, 1956 & Hindu Adoption & Maintenance Act, 1956	7	7
11.	Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989	3	3
12.	Motor Vehicle Act, 1988	3	3
13.	Court Fees Act, 1870, Indian Registration Act, 1908 & Indian Stamp Act, 1899	7	7
14.	Protection of Children from Sexual offences Act, 2012	3	3
15.	Juvenile Justice (Care & Protection of Children) Act, 2015	3	3
16.	Information Technology Act, 2000	3	3
17.	General Knowledge	10	10
18.	Computer Knowledge	10	10
19.	General English	10	10
20.	Law Lexicon & Maxims	5	5
21.	Medical Jurisprudence	5	5
	Total	**150**	**150**

Note:- Out of the above, there may also be some questions based on leading/latest Supreme Court Decisions and Full Bench Decisions of High Court of M.P.

***** All above Acts, as stand amended up to the date of publication of Advertisement.

The Questions of Online Preliminary Exam shall be accessible to a candidate on the screen of Machine/Computer of the candidate after login by using Unique I.D. & Password provided to each candidate only on the date and time provided for Online Preliminary Examination. The duration of Online Preliminary Exam shall be two hours (120 Minutes).

Once the candidate gives the answer of one question and seal/save the option by applying "Save & Next" button, the next question with options, will appear on the computer screen and so on, till the last question of the question paper and unless the opted answer of any question is marked for "review". After answer opted and Save and Next button is applied, the next question with its options will appear on the screen and thereafter, no change in options of the question so answered, may be made. After completing online examination, the candidates shall be required to submit the answered Question Paper, thereafter no addition or amendment of answer/option can be made.

(5) (i) Objections & Finalization of Model Answers -

After completion of Online Preliminary Examination, the proposed Model Answers Keys intended to be used for generating result and valuation of online answer-sheet of online Preliminary Exam shall be ported on the website of the High Court of M.P. along-with notice, to invite objections (with supportive documents) from the candidates regarding any Model Answer Key. Such objection may be submitted by the candidate in writing & signed by him in person/via e-mail/registered post

to the Principal Registrar/Registrar (Exam) High Court of M.P., Jabalpur, within 07 days during working hours from the date of porting of the proposed Model Answer Keys. The candidate(s) who raised objection must mention his/her name & application number along-with self attested photo-copies of source document(s)/proof on the basis of which he/she has submitted objection.

Objections received within aforesaid time and in aforesaid manner, shall be taken into consideration. However, any objection received without any authentic proof/source or without signature or received after aforesaid stipulated period/time shall not be entertained/considered on any ground whatsoever and may be rejected without assigning any reason.

The Model Answer shall be finalized after due consideration of objection(s) received. The Model Answer so finalized shall be used as Model Answer Keys for generating of result/valuation of the answer-sheets of the candidates of Online Preliminary Exam. After declaration of result of Online Preliminary Exam, no representation in respect of objection to any finalized Answer Keys, shall be entertained on any ground, whatsoever.

(ii) Valuation, Minimum marks & Result of Online Preliminary Exam by Service Provider-

After completion of Online Preliminary Examination, the valuation shall be made and Result will be uploaded on the website of the High Court of M.P.

(6) Minimum Marks -

The candidates of UR (Unreserved) and OBC Categories, who secure 60% Marks (90 Marks out of 150 Marks) and the candidates belonging to S.C. & S.T. Categories, who secure 55% marks (82.5 Marks, round off 82 marks, out of 150 Marks), subject to the maximum number of candidates in the ratio of 1:10 shall be eligible to apply for the Main Written Examination. However, candidates securing equal minimum cut-off Marks shall also be eligible to apply for the Main Written Examination, irrespective of the fact that by inclusion of such candidates, ratio of 1:10 exceeds.

Being the screening test, no reservation shall be given / applicable to the candidates.

A Notice to the effect that the result has been declared and is available on the website of High Court of M.P. may be displayed on the Notice board of Examination Cell.

B. Main Written Examination (400 Marks)

(1) Applications and Documents for Main Written Examination -

After declaration of Result of Online Preliminary Examination, the eligible/successful candidates shall have to submit Application Form for appearing in Main Written Exam, along-with Self-Attested copies of relevant documents, in prescribed proforma made available on the website of High Court of M.P.

The duly filled Applications, with documents, must reach the Examination Cell of the High Court within the prescribed time. Duly and correctly filled Application Form shall be treated as valid, while incomplete Application Form or Application Form with incorrect particulars & without or deficit fees will not be considered valid. No correspondence shall be entertained in this regard and the same shall be filed without assigning any reason.

Non-receipt of completed Application Form of candidate, within prescribed time for whatsoever reason, including postal delay will not be accepted as an excuse for late submission of Application Form and application received after last date shall be summarily rejected without assigning any reason.

(2) List of Documents/Certificates to be submitted with the Application for Main Written Examination -

Candidates qualifying for Main Written Examination shall have to submit with his/her Application Form along-with documents mentioned below :-

(1) All details and Self-attested Copies of the Certificates/testimonial relating to their date of birth, caste, qualifications, domicile, experience, standing at the Bar, antecedents, etc.
(2) Income-tax return of candidate (at least three previous years) in which his/her income should be shown from the profession of Advocate.
(3) Certified Copies of 10 Finally decided/ Disposed off cases in which his/her name is shown/ mentioned which may be verified by the High Court.
(4) Certificate of Continuous Practice issued by the Principal District Judge or in case of High Court, by the Registrar (Judicial)/ Similar Competent Authority.
(5) Self-attested Copies of all other Educational Certificates and other testimonials mentioned in application.
(6) Such other document/certificate as may be required by Examination Section

(3) Venue, Date & time of Main Written Examination -

The Main Written Examination shall be held only at Jabalpur, on the two consecutive days in two shifts. The Date & Time of Main Written Examination shall be notified later.

(4) Syllabus/Pattern of Main Written Examination -

There shall be four descriptive question papers. Each paper shall be of three hours duration and shall carry 100 Marks. On first day, Examination of 1st and 2nd Question Paper and on Second day, Examination of 3rd and 4th Question Paper will be conducted.

Syllabus for Main Written Examination shall include the following subjects and topics for which the marks are prescribed as under :-

1st Paper – Constitution, Civil Law & Procedure (100 Marks)

1.	The Constitution of India	10 Marks
2.	Civil Procedure Code, 1908	20 Marks
3.	Transfer of Property Act, 1882	15 Marks
4.	Indian Contract Act, 1872	15 Marks
5.	Hindu Marriage Act, 1955 & Hindu Succession Act, 1956	15 Marks
6.	Specific Relief Act, 1963	10 Marks
7.	Limitation Act, 1963	10 Marks
8.	M.P. Accommodation Control Act, 1961	05 Marks

2nd Paper – Article & Summary Writing (100 Marks)

1.	Article on Social Topic	10 Marks
2.	Article on Legal Topic	10 Marks
3.	Summary Writing (Legal)	20 Marks
4.	Translation of Hindi into English	30 Marks
5.	Translation of English into Hindi	30 Marks

3rd Paper – Local Laws, Criminal Law & Procedure (100 Marks)

1.	Indian Penal Code, 1860	15 Marks
2.	Criminal Procedure Code, 1973	20 Marks
3.	Indian Evidence Act, 1872	15 Marks
4.	Scheduled Castes and the Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989	15 Marks
5.	Protection of Children from Sexual offences Act, 2012	15 Marks
6.	Narcotic Drugs and Psychotropic Substances Act, 1985	15 Marks
7.	Negotiable Instrument Act, 1881	05 Marks

4th Paper – Judgment Writing (100 Marks)

1.	Settlement of Issues	10 Marks
2.	Framing of Charges	10 Marks
3.	Judgment writing (Civil)	40 Marks
4.	Judgment writing (Criminal)	40 Marks

Note-1. For Summary Writing, the candidate(s) shall be asked to summarize it into 1/3rd words of the matter given.
Note-2. All provisions of the mentioned laws, in force as on date of Advertisement.
Note-3. It is compulsory for a candidate to appear in all the four (04) exams/Question Papers. If any candidate does not appear in any Question Paper then he/she shall not be permitted to appear in the examination of remaining Question Paper(s), the answer sheets of such candidate shall not be evaluated and his/her candidature shall be deemed to be cancelled.
Note-4. Article on Legal Topic may include some topics of gender sensitivity.
Note-5. Questions may be asked pertaining to the sexual offences and also based on various directions issued by the Supreme Court of India or the High Court of Madhya Pradesh.
Note-6. Question involving sexual offences inclusive of framing of charges or Judgment Writing (Criminal).

It is cautioned that the candidates are required to write their Roll Ro. only in place provided for that purpose at the first cover-page. Writing of his/her own name or roll no. or any mark of identification in any form or any Number or name or mark, by which the Answer-book of a candidate may be distinguished/ identified from others, in any place of the Answer-Book not provided for, is strictly prohibited and shall, in addition to other grounds, entail cancellation of his/her candidature and withholding of his/her result. Any correspondence, in this regard, shall not be entertained. Candidate shall use **only blue or black ink** and shall not use red, green etc. ink or Pencil for writing in Answer books.

(5) Result & Minimum marks of Main Written Examination -

The Unreserved & O.B.C. candidates will have to secure at least 50% marks aggregate and the S.C. & S.T. candidates will have to secure at least 45% marks aggregate in four papers to be declared successful for Interview/Viva Voce. Result shall be prepared Merit-wise, in the ratio of 1:3, subject to the availability of qualified candidates, i.e. who have secured minimum qualifying marks. However, all candidates securing marks equal to the cut-off marks, shall be eligible for Interview/Viva Voce.

The Roll No. Wise List of candidates successful for Interview/ Viva Voce shall be made available on Website of High Court of M.P. However, the Marks obtained by candidates in Main Written Exam shall not be disclosed at this stage but may be disclosed after the declaration of Final Result.

C. Interview/Viva Voce

The Interview/ Viva Voce shall be of 50 marks and a candidate has to secure minimum 40% marks in Interview to be finally selected. If any candidate has been awarded less than 20 marks or more than 40 marks, Interview Board may record reason(s) for the same. Interview will be held only at Jabalpur.

After result of Main Written Examination, the candidates who qualified for Interview shall submit Bio-Data Form and Attestation forms to be made available to them on the official website of High Court of M.P. Admit card will be generated by the Service Provider. Interview plan, showing Roll No., Name of the candidates, place, date & time of Interview and also list of original documents/ testimonials to be produced for checking and comparing with the photocopies submitted with the Application Form for Main Written Exam, shall be ported on the website of the High Court of M.P.

Before Interview, the original documents of the candidates shall be checked by the Staff of the Examination Cell and in case candidate fails to produce original document, he/she may be debarred from appearing in Interview. The Candidature of candidate who remained absent on the given time and Place for Interview/Viva Voce shall be deemed rejected.

11. Final Result/Select List -

After completion of process of interview / Viva Voce (1) Provisional Select List. (2) Roll No.-Wise Marks List of all candidates who have qualified for Interview and (3) Roll No.-Wise Marks List of all candidates who appeared in Main Written Examination shall be prepared. Final result shall be prepared, on the basis of aggregate marks obtained by candidate in Main Written Examination and Viva-Voce. In final result, if two or more candidates obtained equal Marks in the aggregate, then the candidate who has secured higher Marks in Interview shall be given preference over the other and if Marks of Interview are also same then candidate older in age will be given preference in their respective category.

The Provisional Select list/result, subject to approval of Full Court of High Court of M.P., shall be declared and published in order of merit on the Website of High Court of M.P. (**www.mphc.gov.in**).

12. Marks of candidates -

The marks obtained by the candidates in Online Preliminary Exam and its response sheet may be disclosed after declaration of result of Online Preliminary Exam and marks obtained by the candidates in Main Written Exam shall be disclosed to concern candidate under RTI only after declaration of Final Result.

13. Rechecking/Revaluation -

There is no provision for Rechecking of Marks or Revaluation of Answer-books at any stage of Examination. Any representation/application received in this regard shall not be entertained and will automatically stand rejected without assigning any reason.

14. Corrigendum -

At any time after the recruitment process has started, if any Clarification, Modification etc. is required to be made on the part of High Court then it may be done by porting a Corrigendum on the official website of High Court of M.P.

Porting of Corrigendum on official website shall be deemed as sufficient notice to all candidates/aspirants and no objection shall be entertained on the ground that candidate was having no information of such Corrigendum.

15. RTI -

The relevant information shall be made available, only to the concerned candidate subject to payment of prescribed fees only after declaration of Final result.

16. Elimination/disposal of Used Examination Materials -

After lapse of one year from the date of declaration of Final result/select list of the selection process, all used Answer-books of Main Written Examination & Interview, Application Forms (except Application forms for Main Written Exam of finally selected candidates) and other Examination Material, shall be eliminated / disposed off unless otherwise directed by Competent Authority or Hon'ble Court or case is pending before Hon'ble Court. However, regarding Online Preliminary Examination, data of online answer-sheets etc. shall be eliminated after lapse of three months from the date of declaration of result of Online Preliminary Examination.

Sd/-
(RAMKUMAR CHOUBEY)
REGISTRAR GENERAL

JABALPUR
Date - 15.12.2022
G-20518/R-47902/2022

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

दूरभाष नं. :- 0734-2524462, ई-मेल :- cepwdujjain@mp.nic.in

निविदा सूचना क्र. 16/सामान्य/मु.अ./2022-23/ उज्जैन, दिनांक : 06.12.2022

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु प्रतिशत दर के आधार पर निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **www.mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र.	जिला	टेण्डर आई.डी. क्रमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रु. लाख में)	कार्य की समयावधि
1.	नीमच	2022_PWDRB_236465_pack1	मनासा कजार्डा रोड से कजार्डा रोड बायपास मार्ग लम्बाई 4.40 कि.मी. मय पोल शिफ्टिंग सहित।	775.10	14 माह वर्षाकाल सहित
2.	नीमच	2022_PWDRB_236467_pack1	नीमच हवाई पट्टी के चारो ओर बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण कार्य लम्बाई 7.70 कि.मी.।	621.45	12 माह वर्षाकाल सहित

उपरोक्त वेबसाइट ऑनलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय एवं ऑनलाइन बिड सबमिशन की **अंतिम दिनांक 23.12.2022 सायं 5.30 बजे** निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मुख्य अभियंता
जी-20315/47892/2022 लोक निर्माण विभाग, उज्जैन परिक्षेत्र उज्जैन

कार्यालय आयुक्त, जनजातीय कार्य मध्यप्रदेश

क्र./शि.स्था.4/841/2022/24369 भोपाल, दिनांक : 6.12.2022

प्राथमिक शिक्षक नियोजन - वर्ष 2023-2024 हेतु विज्ञापन

प्रोफेशनल एग्जामिनेशन बोर्ड, मध्यप्रदेश भोपाल के द्वारा आयोजित प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2020 में अर्ह पाये गये अभ्यर्थियों से जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में लोक सेवकों के सेवानिवृत्त होने से उद्भूत होने वाले रिक्त पदों की पूर्ति की जानी है। इस हेतु अकादमिक सत्र वर्ष 2023-24 के लिए विभाग द्वारा लगभग 807 पदों पर प्राथमिक शिक्षकों की भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। इस हेतु पदपूर्ति की प्रक्रिया संयुक्त काउंसलिंग के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा मार्च 2023 से आरंभ की जाएगी। पदों की संख्या में कमी अथवा वृद्धि की जा सकेगी।

"मध्यप्रदेश जनजातीय एवं अनुसूचित जाति शिक्षण संवर्ग (सेवा एवं भर्ती) नियम-2018" और इन नियमों में समय-समय पर किए गए संशोधनों के अनुसरण में इस विज्ञापन की दिनांक को प्रचलित नियमों के अधीन प्राथमिक शिक्षकों के रिक्त पदों की पूर्ति की प्रक्रिया प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा 2020 की मेरिट के आधार पर प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए विस्तृत विवरण, नियम, निर्देश, प्रक्रिया, आरक्षण अर्हता आदि समस्त विवरण एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल **https://trc.mponline.gov.in** पर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विज्ञापन दिनांक 26.11.22 में दी गई तिथि से उपलब्ध रहेगा। विज्ञापन 2023-24 सत्र के लिए होने से आयु की गणना 1.1.2023 की स्थिति में की जाएगी। अतः उक्त दिनांक 1.1.2023 को संबंधित अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष होना आवश्यक है तथा अधिकतम आयु के संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग के प्रचलित निर्देश लागू होंगे।

इस नियोजन से संबंधित अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे स्कूल शिक्षा विभाग के एजुकेशन पोर्टल, विमर्श पोर्टल, एम.पी. ऑनलाइन के TRC पोर्टल तथा दैनिक समाचार-पत्रों को नियमित रूप से देखें ताकि वे सभी संबंधित जानकारी से अवगत होते रहें।

जी-20314/47891/2022 आयुक्त, जनजातीय कार्य मध्यप्रदेश

संचालनालय आयुष, म.प्र.

(भू-तल "डी" विंग, सतपुड़ा भवन, भोपाल-462004)

www.ayush.mp.gov.in, E-mail : jdayush@mp.gov.in
Office - (0755) 2552931, Fax - (0755) 2760225

दिनांक 08.12.2022

विज्ञप्ति
स्नातक प्रथम/द्वितीय चरण काउंसिलिंग कार्यक्रम (ऑल इण्डिया कोटा)
बी.ए.एम.एस./बी.एच.एम.एस./बी.यू.एम.एस.

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार/भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग द्वारा जारी निर्देशों के अनुक्रम में भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग से प्रवेशानुमति प्राप्त निजी आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी महाविद्यालयों की 15 प्रतिशत ऑल इण्डिया कोटे की सीटों पर प्रवेश की कार्यवाही एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से संपन्न कराई जायेगी।

1. प्रवेश काउंसिलिंग के अंतर्गत प्रथम चरण का कार्यक्रम निम्नानुसार है :-

क्रमांक	विवरण	दिनांक एवं समय
1.	पंजीयन	दिनांक 19.12.2022 से **21.12.2022** रात्रि 11.59 बजे तक
2.	मैरिट सूची का प्रकाशन	दिनांक 22.12.2022
3.	रिक्त सीटों की स्थिति	दिनांक 22.12.2022
4.	अभ्यर्थी द्वारा महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाईस फीलिंग, लॉकिंग तथा ऐडिट)	दिनांक 23.12.2022 से 25.12.21022 रात्रि 11.59 बजे तक
5.	सीट आवंटन	दिनांक 27.12.2022
6.	पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल में रिपोर्टिंग कर अभिलेख सत्यापन उपरान्त औपचारिकताएं पूर्ण कर अस्थाई प्रवेश प्राप्त करने की तिथि	दिनांक 28.12.2022 से 30.12.2022 सायं 05 बजे तक
7.	प्रवेश निरस्तीकरण	दिनांक 28.12.2022 से 30.12.2022 रात्रि 07.30 बजे तक

2. प्रवेश काउंसिलिंग के अंतर्गत द्वितीय चरण का कार्यक्रम निम्नानुसार है :-

क्रमांक	विवरण	दिनांक एवं समय
1.	पंजीयन	दिनांक 31.12.2022 से 03.01.2023 रात्रि 11.59 बजे तक
2.	मैरिट सूची का प्रकाशन	दिनांक 05.01.2023
3.	रिक्त सीटों की स्थिति	दिनांक 05.01.2023
4.	अभ्यर्थी द्वारा महाविद्यालयों की प्राथमिकता क्रम का निर्धारण (च्वाईस फीलिंग, लॉकिंग तथा ऐडिट)	दिनांक 06.01.2023 से 08.01.2023 रात्रि 11.59 बजे तक
5.	सीट आवंटन	दिनांक 10.01.2023
6.	पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल में रिपोर्टिंग कर अभिलेख सत्यापन उपरान्त औपचारिकताएं पूर्ण कर अस्थाई प्रवेश प्राप्त करने की तिथि	दिनांक 11.01.2023 से 13.01.2023 सायं 05 बजे तक
7.	प्रवेश निरस्तीकरण	दिनांक 11.01.2023 से 13.01.2023 रात्रि 07.30 बजे तक

नोट :- 1. प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी उक्त प्रकाशित ऑनलाइन काउंसिलिंग कार्यक्रम अनुसार ऑनलाइन प्रवेश का अवसर प्राप्त कर सकते हैं। 2. उपरोक्त काउंसिलिंग प्रक्रिया अंतर्गत भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग/राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग, नई दिल्ली से प्रवेशानुमति प्राप्त निजी क्षेत्र के आयुर्वेद/होम्योपैथी/यूनानी महाविद्यालयों को सम्मिलित किया जायेगा। 3. उपरोक्त काउंसिलिंग से आवंटित अभ्यर्थी के रिपोर्टिंग हेतु पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय स्वशासी आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल को रिपोर्टिंग केन्द्र बनाया गया है। अभ्यर्थी रिपोर्टिंग केन्द्र में मूल दस्तावेज एवं आवंटित महाविद्यालय की निर्धारित फीस के साथ उपस्थित होगा। रिपोर्टिंग केन्द्र पर आवंटित अभ्यर्थी के अभिलेखों का सत्यापन किया जायेगा। तदुपरान्त रिपोर्टिंग केन्द्र पर उपस्थित निजी आयुष महाविद्यालय का प्रतिनिधि आवंटित अभ्यर्थी को, निर्धारित प्रक्रिया अनुसार फीस जमा कराते हुए ऑनलाइन प्रवेश की कार्यवाही पूर्ण करेगा। 4. नियम/निर्देशों हेतु विभागीय वेबसाइट **www.ayush.mp.gov.in** एवं एम.पी. ऑनलाइन पोर्टल - **www.mponline.gov.in** पर सतत अवलोकन करते रहें।

प्रमुख सचिव द्वारा अनुमोदित औषधालय अधीक्षक
जी-20338/47895/2022 संचालनालय आयुष म.प्र.

कार्यालय मुख्य अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

ई-मेल - sepheprocgwl@gmail.com, दूरभाष क्रमांक - 0751-2365438, 4031502
(पानी की टंकी के नीचे, मुरार, ग्वालियर)

क्रमांक 4802 नि.प्र./मु.अ./लो.स्वा.यां./22-23 ग्वालियर, दिनांक : 06.12.2022

निम्न कार्यों हेतु निविदा ऑनलाइन वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र दिनांक 12.12.2022 से **दिनांक 23.12.2022 सायं 5.30 बजे तक** क्रय तथा दिनांक 12.12.2022 से दिनांक 23.12.2022 सायं 5.30 बजे तक ऑनलाइन प्रस्तुत किये जा सकते हैं। बिड खोलने का दिनांक 26.12.2022 है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाइट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

स.क्र. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण :- 01. विकास खण्ड खुरई जिला सागर के ग्राम खिमलासा की रेट्रोफिटिंग नल जल प्रदाय योजना अंतर्गत 625 कि.ली. 12 मी. स्टेजिंग आर.सी.सी. उच्चस्तरीय टंकी, 150 कि.ली. आर.सी.सी. सम्पवैल कम पंप हाउस एवं 1.20 एमएलडी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट, आर.सी.सी. एनीकट, इंटेक वैल कम पंप हाउस, पाइप लाइन, घरेलू नल कनेक्शन सहित अन्य विभिन्न सहायक कार्य।

नि.आ.सू. क्र./दि.	टेण्डर आई.डी.	जिला	अनु. लागत (PAC) (रु. लाख में)	धरोहर राशि (EMD) (रु. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु. में)	आमंत्रण की संख्या	कार्य पूर्ण करने की अवधि
46/06.12.22	2022_PHED_236539_1	खुरई जिला सागर	701.49 लाख	रु. 7,01,490/-	रु. 20,000/-	तृतीय	12 माह वर्षाकाल सहित

स.क्र. एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण :- 02. जल जीवन मिशन अंतर्गत क्रियान्वयन सहायता संस्थाओं की नियुक्ति। जिला - सागर, कुल 60 ग्राम, 1 नग क्लस्टर (प्रत्येक में 60 ग्राम)

47/06.12.22	2022_PHED_236540_1	सागर	25.71 लाख	रु. 50,000/-	रु. 5,000/-	तृतीय	15 माह वर्षाकाल छोड़कर

अधीक्षण यंत्री (प्रोक्योरमेंट), कार्यालय मुख्य अभियंता
जी-20318/47893/2022 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ग्वालियर परिक्षेत्र, ग्वालियर

मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण
गृह विभाग, मध्यप्रदेश शासन

क्रमांक 1233/ए-12/एमपीएसडीएमए/21-22/प्रशा भोपाल, दिनांक 01.12.2022

प्रतिनियुक्ति से भर्ती हेतु विज्ञापन

आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत मध्यप्रदेश शासन द्वारा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का गठन किया गया है। मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम, 2020 के अंतर्गत प्राधिकरण में नीचे दर्शाये गये पदों को प्रतिनियुक्ति के आधार पर भरे जाने हेतु केन्द्र सरकार, राज्य शासन एवं अर्धशासकीय संगठनों में कार्यरत नियमित अधिकारियों/कर्मचारियों के आवेदन उनके पैतृक विभाग के माध्यम से आमंत्रित किये जाते हैं :-

अनु-क्रमांक	पद का नाम	प्रतिनियुक्ति द्वारा भरे जाने वाले पदों की संख्या
1.	**उप संचालक** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 15600-39100 पे-बैंड-3 (ग्रेड वेतन-6600) पुनरीक्षितः एल-13-67300-206900	01
2.	**सहायक संचालक** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 15600-39100 पे-बैंड-3 (ग्रेड वेतन-5400) पुनरीक्षितः एल-12-56100-177500	02
3.	**सहायक लेखा अधिकारी** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 9300-34800 पे-बैंड-2 (ग्रेड वेतन-3600) पुनरीक्षितः एल-9-36200-114800	01
4.	**स्टेनोग्राफर** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 9300-34800 पे-बैंड-2 (ग्रेड वेतन-3600) पुनरीक्षितः एल-9-36200-114800	01
5.	**लेखापाल** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 5200-20200 पे-बैंड-1 (ग्रेड वेतन-3600) पुनरीक्षितः एल-7-28700-91300	01
6.	**कार्यालय सहायक सह-कम्प्यूटर ऑपरेटर** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 5200-20200 पे-बैंड-1 (ग्रेड वेतन-1900) पुनरीक्षितः एल-4-19500-62000	06
7.	**भृत्य** वेतनमान : पुनरीक्षण-पूर्व 4440-7440 पे-बैंड-एस-1 (ग्रेड वेतन-1300) पुनरीक्षितः एल-1-15500-49000	01
	कुल	**13**

उपरोक्त प्रतिनियुक्ति पदों पर भर्ती के लिए नियम, शर्तें, शैक्षणिक अर्हताएं, अनुभव, आवेदन पत्र तथा अन्य जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन, प्राधिकरण की वेबसाइट **www.mpsdma.mp.gov.in** से प्राप्त किया जा सकता है। केन्द्र सरकार, राज्य शासन एवं अर्धशासकीय संगठनों में कार्यरत इच्छुक लोक सेवक अपने आवेदन को परिशिष्ट (चेकलिस्ट) में उल्लेखित दस्तावेजों के साथ केवल पैतृक (मूल) विभाग के माध्यम से स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक द्वारा विज्ञापन प्रकाशित किए जाने के **60 दिवस** के भीतर, समन्वयक, म.प्र. राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पर्यावरण परिसर, ई-5 अरेरा कॉलोनी, भोपाल-462016 को प्रेषित करें। लिफाफे पर आवेदित पद का नाम भी अंकित किया जाए। केवल शासकीय विभागों/अर्धशासकीय संगठनों से (उचित माध्यम से) प्राप्त आवेदन ही प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत किए जाएंगे। यह भर्ती, अशासकीय कार्यालयों के कर्मचारी एवं केन्द्र सरकार, राज्य शासन एवं अर्धशासकीय संगठनों में संविदा/आउटसोर्स आधार पर कार्यरत कर्मचारियों के लिए नहीं है। अतः इच्छुक उम्मीदवार केवल अपने पैतृक विभाग के माध्यम से ही आवेदन प्रस्तुत करें, अन्य किसी माध्यम से नहीं।

जी-20337/47894/2022 मध्यप्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, गृह विभाग, म.प्र.

कार्यालय प्राचार्य, परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, सिरोंजा, सागर
अनुसूचित जाति बालक छात्रावास के सामने सागर संभाग सागर

E-mail : principalpetcsgr@gmail.com

विज्ञप्ति
प्रतियोगी परीक्षाओं का निःशुल्क प्रशिक्षण

अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिये विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं बैंकिंग, रेल्वे, एस.एस.सी./व्यापम शासन के समस्त विभागों [पुलिस शिक्षा स्वास्थ्य, राजस्व पटवारी] द्वारा आयोजित आगामी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निःशुल्क एकीकृत प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों से निम्न शर्तों के अधीन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

आवेदन जमा करने अंतिम तिथि :- 26.12.2022

प्रशिक्षण प्रारंभ करने संभावित तिथि :- 10.01.2023

1. आवेदक म.प्र. का मूल निवासी होकर वह अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग का सदस्य हो।
2. आवेदक के परिवार की समस्त स्रोतों से वार्षिक आय रु. 6.00 लाख से अधिक ना हों।
3. आवेदक की शैक्षणिक योग्यता स्नातक में 55% या उससे अधिक अंकों के साथ उत्तीर्ण की हो।
4. आवेदक की आयु 21 से 35 वर्ष निर्धारित है।
5. आवेदक को चयन परीक्षा में आवेदन करना आवश्यक है।
6. प्रशिक्षण की अवधि 06 माह निर्धारित है।
7. प्रशिक्षण पूर्णकालिक है। अतः प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षणार्थी अन्य किसी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं ले सकेगा।
8. आवेदक निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र के साथ स्वयं सत्यापित प्रमाण-पत्रों की छायाप्रतियां जैसे शैक्षणिक योग्यता प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आय प्रमाण-पत्र, मूल निवासी प्रमाण-पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक पासबुक छायाप्रति तथा आई-डी प्रमाणीकरण हेतु आधार कार्ड/ड्राईविंग लाईसेंस/पेनकार्ड की छायाप्रति संलग्न करें।
9. प्रशिक्षण अवधि में शासन/विभाग द्वारा निर्धारित दर पर पात्रता अनुसार शिष्यवृत्ति देय होगी।
10. किसी भी प्रकार की गलत सूचना देने एवं अनुशासनहीनता करने पर प्रवेश किसी भी समय निरस्त किया जा सकेगा। ऐसी स्थिति में किसी भी क्षति के लिये प्रशिक्षण केन्द्र उत्तरदायी नहीं होगा।
11. प्रवेश के समय कॉशन मनी 500 रुपये जमा करना अनिवार्य है, जो प्रशिक्षण समाप्त होने पर वापिस कर दी जावेगी।
12. अपूर्ण एवं नियत तिथि के पश्चात आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
13. आवेदन पत्र कार्यालयीन समय में परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, अनुसूचित जाति बालक छात्रावास के सामने सिंरोजा सागर में जमा कर सकते हैं।
14. संपर्क हेतु मो.नं. 9407541795, 9981948782

प्राचार्य
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, सिरोंजा सागर

आवेदन पत्र का प्रारूप
केवल अनुसूचित जाति/जनजाति अभ्यर्थियों के लिये

प्रति,
प्राचार्य
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र सिरोंजा सागर (म.प्र.)

विषय :- परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र के अंतर्गत प्रवेश हेतु आवेदन पत्र

परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण हेतु केन्द्र में प्रवेश के लिये अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत करता/करती हूं। आवश्यक विवरण निम्नानुसार है :-

1. नाम हिन्दी में :- .....
2. नाम अंग्रेजी में :- .....
3. पिता/पति/अभिभावक का नाम :- .....
4. स्थाई पता :- .....
   (मूल निवासी प्रमाण पत्र संलग्न) जिला.....पिन कोड.....
5. पत्र व्यवहार का पता :- .....
   जिला.....पिन कोड.....मोबाइल नं. .....
6. जन्मतिथि अंकों में शब्दों में :- .....
   परीक्षा में बैठने के समय आयु :- .....वर्ष .....माह .....दिन.....
7. अनुसूचित जाति/जनजाति :- .....
   (सक्षम अधिकारी का जाति प्रमाण पत्र संलग्न)
8. कुल वार्षिक आय रु. :- .....
   (आय प्रमाण पत्र संलग्न करें)
9. **शैक्षणिक योग्यता - (अंकसूची संलग्न)**

क्र.	परीक्षा का नाम	श्रेणी	प्रतिशत	विषय
1.	हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी			
2.	स्नातक			
3.	स्नातकोत्तर			
4.	अन्य			

10. क्या आप पूर्व में म.प्र. लोक सेवा आयोग की परीक्षा/एम.एस.सी./बैंकिंग/रेल्वे/व्यावसायिक परीक्षा मण्डल परीक्षा में बैठे हैं यदि हां तो विवरण दें :-
    (अ) वर्ष .....(ब) परीक्षा परिणाम.....
11. क्या आपने पूर्व में इस केन्द्र में या अन्य किसी केन्द्र में म.प्र लोक सेवा आयोग या संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में/एस.एस.सी./बैंकिंग/रेल्वे सेवा परीक्षा मंडल/व्यावसायिक परीक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा के लिये प्रशिक्षण प्राप्त किया है, यदि हां तो विवरण दें।
    (अ) संस्था का नाम ..... (आ) प्रशिक्षण का वर्ष .....
    (इ) अवधि ..... (ई) प्रशिक्षण का परिणाम .....
12. स्वयं के खाते का विवरण - राष्ट्रीयकृत बैंक का नाम .....खाता क्र. .....
    आईएफसी कोड .....(ब्रांच कोड)
13. आई.डी. प्रूफ प्रमाणीकरण विवरण - आधार कार्ड/पेन कार्ड/ड्राईविंग लाईसेन्स क्रमांक .....

आवेदक का घोषणा पत्र

मैं शपथ पूर्वक घोषणा करता हूं कि :-
1. मैं म.प्र. का निवासी हूं।
2. मैं अनुसूचित जाति/जनजाति का सदस्य हूं।
3. मेरे माता-पिता/अभिभावक तथा स्वयं की समस्त स्रोतों से कुल वार्षिक आय .....रु. है।
4. मैंने चाहे गये समस्त प्रमाण-पत्रों की फोटोप्रतियां आवेदन-पत्र के साथ संलग्न कर दी है।
5. मेरे विरुद्ध किसी भी न्यायालय में किसी भी प्रकार का अपराधिक प्रकरण नहीं चल रहा है।
6. मैं केन्द्र के नियमों और निर्देशों का निष्ठापूर्वक पालन करूंगा।
7. मेरे द्वारा कोविड-19 टीकाकरण प्रमाण पत्र संलग्न किया गया है।

दिनांक..... **हस्ता. आवेदक :- .....**

माता-पिता/अभिभावक का घोषणा-पत्र

आवेदक श्री.....मेरा पुत्र/पुत्री पाल्य है। आवेदक पत्र में उसने जो भी जानकारी भरी है, सत्य है। मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि वह प्रशिक्षण अवधि में सारे नियमों का पालन करेगा तथा अनुशासन में रहेगा। मैं प्रशिक्षण अवधि के सारे दायित्वों को स्वीकार करूंगा।

अभिभावक हस्ताक्षर.....
पिता/अभिभावक.....
नाम.....
पता.....

जी-20299/47889/2022

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर
विज्ञापन की संक्षिप्त सूचना

क्रमांक : 1307/परीक्षा/2022 **जबलपुर, दिनांक : 02.12.2022**

म.प्र. उच्च न्यायालय में जूनियर जुडीशियल असिस्टेंट
के पदों की भर्ती-2022

ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ होने की तिथि	:	03.12.2022 (12.00 PM)
आवेदन करने की अंतिम तिथि	:	**23.12.2022 (11.55 PM)**
आवेदन में त्रुटि सुधार प्रारंभ होने की तिथि	:	28.12.2022 (11.55 PM)
आवेदन में त्रुटि सुधार होने की अंतिम तिथि	:	30.12.2022 (11.55 PM)
ऑनलाइन परीक्षा की दिनांक	:	बाद में अधिसूचित की जावेगी।

म.प्र. उच्च न्यायालय के निम्नलिखित पदों पर नियुक्ति हेतु योग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन-पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।

Name of post	Category				Total Post
	UR	OBC	SC	ST	
Junior Judicial Assistant	21 (PH-2)	4	7	8	40 (PH-2)

उक्त पद की भर्ती का विस्तृत विज्ञापन म.प्र. उच्च न्यायालय की वेबसाइट **www.mphc.gov.in** पर उपलब्ध हैं, योग्य उम्मीदवार विज्ञापन का अवलोकन कर उपरोक्त लिखित तिथियों में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

Sd/-

जी-20303/47890/2022 **रजिस्ट्रार जनरल**

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग नर्मदापुरम

Office Email ID - eereshbd@gmail.com & eereshoshangabad@mp.gov.in

क्र./3127/निविदा/ग्रायांसे/2022 **नर्मदापुरम, दिनांक 07.12.2022**

संक्षिप्त निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 10/2022-23

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदायें आमंत्रित की गई हैं। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर देखा जा सकता है।

क्र. एवं कार्य का नाम :- 1. ग्राम कोटगांव में वेलिया नाले पर स्टॉप डेम निर्माण कार्य विकासखंड माखननगर।

सिस्टम टेण्डर नं.	संभाग का नाम	निविदा की अनु.लागत	अमानत राशि (रुपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य अवधि वर्षाकाल सहित	निविदा क्रम
2022_RES_236717	नर्मदापुरम	1624000/-	32500/-	2000/-	6 माह	द्वितीय
क्र. एवं कार्य का नाम :- 2. ग्राम होरिया पीपर में सामुदायिक भवन निर्माण कार्य विकासखंड नर्मदापुरम।						
2022_RES_236718	नर्मदापुरम	1272322/-	25500/-	2000/-	6 माह	द्वितीय
क्र. एवं कार्य का नाम :- 3. सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य ग्राम राईखेड़ी, विकासखंड पिपरिया (विद्युतीकरण सहित)।						
2022_RES_236719	नर्मदापुरम	532456/-	10650/-	2000/-	6 माह	प्रथम
क्र. एवं कार्य का नाम :- 4. सार्वजनिक शौचालय निर्माण कार्य ग्राम हथवास विकासखंड पिपरिया।						
2022_RES_236720	नर्मदापुरम	532100/-	10642/-	2000/-	6 माह	द्वितीय
क्र. एवं कार्य का नाम :- 5. ग्रे वाटर ट्रीटमेंट कार्य ग्राम चांदौन विकासखंड बनखेड़ी।						
2022_RES_236722	नर्मदापुरम	1719000/-	34380/-	2000/-	6 माह	द्वितीय
	कुल योग	**5679878/-**	**छप्पन लाख उन्यासी हजार आठ सौ अठहत्तर मात्र**			

निविदा में निम्नानुसार तिथियां निर्धारित की जाती हैं :-

क्र.	विवरण	तिथि	समय
1.	निविदा ऑनलाइन प्रकाशित होने की तिथि	12.12.2022	17.30
2.	निविदा प्रपत्र ऑनलाइन क्रय करने की प्रारंभ की तिथि	16.12.2022	10.30
3.	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की प्रारंभिक तिथि	21.12.2022	15.00
4.	ऑनलाइन बिड प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	**27.12.2022**	**17.30**
5.	ऑनलाइन निविदा खुलने की तिथि	29.12.2022	10.30

निविदा प्रपत्र (Tender Document) वेबसाइट **http://mptenders.gov.in** पर ऑनलाइन प्रकाशित किये जायेंगे। तथा किसी भी प्रकार के संशोधन/जानकारी ऑनलाइन ही सबमिट की जाएगी। समाचार-पत्रों में पृथक से प्रकाशन नहीं किया जाएगा। निविदा शर्तें/प्रपत्र आदि की जानकारी के लिए पोर्टल पर देखें।

कार्यपालन यंत्री

जी-20417/47897/2022 **ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग नर्मदापुरम**

आयुर्वेद के विस्तार के लिये
महाविद्यालयों का हो रहा संचालन

भोपाल, मध्यप्रदेश में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के विकास के लिये आयुष विभाग द्वारा 7 सरकारी आयुर्वेद महाविद्यालय और 23 निजी महाविद्यालय संचालित किये जा रहे हैं। प्रदेश के समस्त जिलों में जिला अस्पताल में एलोपैथी के साथ आयुष चिकित्सा सुविधा एक ही परिसर में उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से 31 आयुष विंग संचालित की जा रही हैं। साथ ही 22 आयुष विंग को शीघ्र ही शुरू किया जा रहा है।

मार्ग डामरीकरण एवं मजबूतीकरण
में गुणवत्ता सुनिश्चित करें

भोपाल, लोक निर्माण विभाग ने प्रदेश के सभी अभियंताओं को निर्देश जारी किये हैं कि मार्गों के डामरीकरण और मजबूतीकरण के कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित की जाये। वर्तमान में विभाग द्वारा युद्ध स्तर पर मार्गों के नवीनीकरण का कार्य किया जा रहा है।

प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री सुखबीर सिंह ने निर्देश जारी किये हैं कि सभी नवीनीकरण और मजबूतीकरण कार्यों के गुणवत्ता नियंत्रण के लिये संबंधित अधीक्षण यंत्री जिम्मेदार होंगे। निरंतर दौरा कर सड़क कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करें। समय-समय पर हॉट मिक्स प्लांट का केलिब्रेशन करें। बिटुमिन मेटल एवं मिक्स सामग्री की गुणवत्ता का परीक्षण पहले प्लांट पर ही कर लिया जाये। डामरीकरण में लगने वाली सामग्री बिटुमिन, गिट्टी और इमलशन का उपयोग परीक्षण उपरांत ही किया जाये।

प्रमुख सचिव ने कहा कि डामरीकरण का निर्धारित मापदण्ड 2.5 प्रतिशत केम्बर प्लेट से चेक करें। कार्य में इस्तेमाल होने वाली गिट्टी में धूल, सॉफ्ट मेटल और ऑर्गेनिक मटेरियल नहीं होना चाहिये। निर्माण कार्य में सभी प्रकार के जोड़ वर्टिकल और पूरी मोटाई में काटे जाने चाहिये। प्राइम कोट और टेक कोट का कार्य निर्धारित मापदण्ड अनुसार हो। कार्यों का परीक्षण कम से कम 10 प्रतिशत केन्द्रीय अथवा क्षेत्रीय प्रयोगशाला में और 10 प्रतिशत एनएबीएल द्वारा अधिमान्य कार्यशाला में करवाया जाये। वर्षा के पानी की निकासी के लिये शोल्डर में कैरिजवे के कैम्बर से एक प्रतिशत अधिक का स्लोप दिया जाये।

देश की पहचान स्थापित करने का अवसर है जी-20 शिखर सम्मेलन

भोपाल, देश की पहचान स्थापित करने का प्रदेश में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन दुर्लभ अवसर है। हमें इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। सम्मेलन में भाग लेने आने वाले डेलीगेट्स का स्वागत अच्छा हो और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। सम्मेलन को व्यवस्थित बनाने की तैयारी अभी से शुरू कर दी जाए। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और विदेश से आने वाले डेलीगेट्स को दिखाने के लिए प्रदेश के महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थल जैसे खजुराहो, पन्ना टाइगर रिजर्व, मांडव, महाकाल मंदिर आदि स्थल बहुत कुछ हैं। खजुराहो, पन्ना, इंदौर, मांडव और उज्जैन में पर्यटन की दृष्टि से तैयारी रखी जाए। पन्ना के मंदिर बहुत सुंदर हैं, पन्ना को सजाकर तैयार करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रभारी मंत्रियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। श्री चौहान ने अधिकारियों से केन-घड़ियाल केंद्र का भ्रमण कराने के संबंध में भी निर्देश दिए। इन स्थानों पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली जाएं। श्री चौहान ने कहा कि यातायात और ठहरने की व्यवस्था अच्छी हो। प्रदेश की छवि अच्छी बनाए रखने के लिए भरपूर कोशिश करें। हथकरघा की प्रदर्शनी भी लगाई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आयोजन की ब्रांडिंग अंतर्राष्ट्रीय स्तर की हो। प्रचार-प्रसार के लिए जी-20 के सचिवालय के सम्पर्क में रहें। कोई ऐसी थीम तैयार करें जिसकी जी-20 देशों में ब्रांडिंग हो। कार्यक्रम के पश्चात डेलीगेट्स को मधुर स्मृतियां भी भेंट करने की तैयारी करें।

श्री चौहान ने कहा कि परिस्थितियों को देखकर योजना बने, कोई बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि जी-20 के आयोजन के लिए प्रदेश स्तरीय कमेटी का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि खजुराहो के आस-पास हाई स्पीड इंटरनेट की सुविधा हो। इस आयोजन के माध्यम से खजुराहो को बदलकर रख दें। यूपीआई पेमेन्ट की पर्याप्त व्यवस्था हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में अधिकारियों की टीम गठित की जाएगी। एक टीम मंत्रियों की भी रहेगी, जो आयोजन की व्यवस्थाओं की देख-भाल करेगी। अधिकारियों की एक टीम उदयपुर भेजी जाएगी, जहां के अनुभव का लाभ प्रदेश को मिलेगा।

गरीबों की जिंदगी बदलने का अभियान है मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान सीधी जिले में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान कार्यक्रम में हितलाभ वितरित करते हुये।

सीधी, मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान का यह कार्यक्रम गरीबों की जिंदगी बदलने का अभियान है। अभियान में केंद्र और राज्य सरकार की 38 अलग-अलग योजनाओं में पात्र व्यक्तियों को चिन्हित करने के लिये जनसेवा शिविर लगा कर 83 लाख नये हितग्राही जोड़े गये हैं। इन सभी को योजनाओं का लाभ मिलना अब शुरू हो जायेगा। लोकतंत्र जनता का, जनता के लिए और जनता का राज है। मेरा प्रयास है कि जनता को अपने काम के लिए दफ्तरों के चक्कर न लगाना पड़ें। उनकी जायज आवश्यकताओं की पूर्ति और उनकी समस्याओं का निराकरण के लिये ही प्रदेश में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान चलाया गया। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने सीधी जिले में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान में हितग्राहियों को स्वीकृति-पत्र वितरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज मुझे यह बताते हुए खुशी है कि रीवा संभाग में जनसेवा अभियान में प्राप्त 7 लाख 59 हजार 778 आवेदन में से 7 लाख 2 हजार 845 आवेदन स्वीकृत कर अलग-अलग योजनाओं में हितग्राहियों के नाम जोड़ दिए गए हैं। सीधी जिले में भी 1 लाख 37 हजार भाई-बहनों के नाम योजनाओं में जोड़े गये। इन सभी हितग्राहियों को आज पूरे रीवा संभाग में स्वीकृति-पत्र वितरित किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि और कलेक्टर-कमिश्नर यह सुनिश्चित करें कि स्वीकृति-पत्र के लिए किसी हितग्राही को परेशान न होना पड़े।

श्री चौहान ने कहा कि मुझे लोग आजकल कह रहे हैं कि आपका मूड कुछ बदला हुआ है। जब काम अच्छा होता है तो मैं प्रशंसा करता हूं और कहीं गड़बड़ होती है या कोई पैसा खा रहा है, कोई रिश्वत ले रहा है, कोई भ्रष्टाचार कर रहा है तो ऐसे लोगों के खिलाफ मैं सख्त कार्यवाही भी करता हूं। अगर कुर्सी पर बैठे हो तो जनता के लिए ढंग से काम करो। मैं व्यवस्थाओं को सुधारने की कोशिश कर रहा हूं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में जनजातीय भाइयों के लिए 89 विकासखण्डों में पेसा एक्ट लागू कर ग्राम सभाओं को अनेक अधिकार दिये गये हैं। इन अधिकारों का उपयोग कर हमारे जनजातीय भाई-बहन आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अपने नव निर्वाचित सरपंचों के अधिकार बढ़ाये हैं। इन अधिकारों का उपयोग कर ग्राम स्वराज की नई परिकल्पना को मूर्त रूप दिया जाये। सरकार की जनहितकारी योजनाएं निचले स्तर तक पहुंचें और सभी पात्र लोगों को उसका लाभ मिले, यह हमारी प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2018 में तत्कालीन सरकार ने किसान भाइयों का कर्ज 10 दिन में माफ करने की घोषणा की थी। सवा साल हो गए कर्ज माफ तो किया नहीं उस कर्जे पर ब्याज जरूर चढ़ गया। इस ब्याज को उतारने के लिये मैं इसी बजट में राशि का प्रावधान कर रहा हूं। ब्याज के कारण जो डिफाल्टर हो गए, उनका पैसा अब किसान नहीं हम भरेंगे, हमारी सरकार भरेगी, ताकि किसानों से डिफाल्टर का टैग हट जाए।

श्री चौहान ने कहा कि किसान भाई जरा गंभीरता से सोच कर देखें कि विना सिंचाई के उनका कल्याण हो सकता है। हमने एक नहीं अनेक सिंचाई योजनाएं पूरी कीं और जीरो प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराने जैसे किसान हितैषी कदम उठाए हैं। बिजली की व्यवस्था बेहतर करने की कोशिशें लगातार जारी हैं। किसानों को पर्याप्त बिजली दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीबों के लिए रोटी, कपड़ा, मकान, पढ़ाई-दवाई और रोज़गार का इंतजाम भी किया जा रहा है। फ्री राशन की योजना आज तक किसी ने नहीं दी। प्रधानमंत्री 5 किलो राशन भेजते हैं, मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना में भी 5 किलो राशन दिया जाता है। गरीब के राशन में यदि कोई गड़बड़ी करेगा उसे किसी कीमत पर छोड़ा नहीं जायेगा।

क्षेत्र अनुसार निर्धारित हो व्यावसायिक पाठ्यक्रम का विषय

विद्यार्थियों को स्थानीय स्तर पर मिले रोज़गार के अवसर

भोपाल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति में उन्हीं व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में शिक्षा दी जाए, जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित हों और विद्यार्थी इस सर्टिफिकेट कोर्स से स्थानीय स्तर पर ही स्व-रोज़गार या रोज़गार प्राप्त कर सकें। आयुक्त उच्च शिक्षा श्री कर्मवीर शर्मा ने यह बात बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में भोपाल संभाग की समीक्षा बैठक में कही।

आयुक्त श्री शर्मा ने कहा कि जब विद्यार्थी अपने क्षेत्र में उपलब्ध उत्पाद या उद्योग के संबंध में व्यावसायिक प्रशिक्षण और प्रमाण-पत्र प्राप्त करेंगे, तो निश्चित रूप से हमारी शिक्षा पद्धति रोज़गारमूलक मानी जाएगी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के साथ बैठक कर उनकी रुचि के व्यावसायिक कोर्स के विषय पर चर्चा की जाए।

बैठक में भोपाल संभाग के शासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एस.के. जैन, क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक डॉ. मथुरा प्रसाद सहित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीण महाविद्यालयों में लगेंगे सोलर पैनल

श्री शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के महाविद्यालयों में बिजली की समस्या जल्द ही दूर हो जाएगी। इसके लिए इन महाविद्यालयों में सोलर पैनल लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सभी महाविद्यालयों को ऊर्जा-संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। श्री शर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में सीएम हेल्पलाइन में विद्यार्थियों द्वारा की जा रही शिकायतों को गंभीरता से लें और इनका तत्काल समाधान करने का प्रयास करें। इन शिकायतों के निवारण के लिए विद्यार्थियों पर दबाव नहीं बनाया जाए। आयुक्त ने कहा विभागीय शिकायतों एवं जांचों का निवारण एक सप्ताह में किया जाए।

सभ्य समाज की परिकल्पना में हर व्यक्ति को मिले अधिकार

भोपाल, कर्तव्य और अधिकार एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यदि एक व्यक्ति अपने कर्तव्य का सही ढंग से निर्वहन करे तो दूसरे व्यक्ति को उनका अधिकार अवश्य मिलेगा। सभ्य समाज की परिकल्पना में हर व्यक्ति को अधिकार मिले और उनका संरक्षण हो यह सभी के लिए महत्वपूर्ण है। यह विचार चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग द्वारा 'दिव्यांगजनों के मानव अधिकार' विषय पर आधारित कार्यक्रम में संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

श्री सारंग ने कहा कि मानव अधिकार दिवस पर प्रत्येक नागरिक को यह संकल्प लेना चाहिये कि मानव अधिकारों के संरक्षण के लिये हम अपने कर्तव्यों का पूर्ण निष्ठा के साथ पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी के साथ और संयुक्त प्रयास से ही भारत एक वैभवशाली राष्ट्र के रूप में स्थापित होगा। श्री सारंग ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए मानव अधिकार संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

श्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दिव्यांगजनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ते हुए उनके अधिकारों के संरक्षण के लिये सराहनीय कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के आह्वान पर अब 'दिव्यांग' शब्द का उपयोग किया जाता है।

श्री सारंग ने पैरा ओलिंपिक एवं अन्य खेलों में विश्व पटल पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले दिव्यांग खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने 'दिव्यांगजनों के मानव अधिकार' पुस्तिका का विमोचन भी किया।

आयुक्त निःशक्तजन कल्याण श्री संदीप रजक ने दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम के प्रदेश में प्रभावी क्रियान्वयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही दिव्यांगजन न्यायालय द्वारा समस्याओं के त्वरित निराकरण के मॉडल पर भी प्रकाश डाला।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग भोपाल में दिव्यांगजनों के मानव अधिकार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

युवाओं की क्षमताओं को अनलॉक करेगी नई युवा नीति - उच्च शिक्षा मंत्री

भोपाल, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन द्वारा प्रस्तावित युवा नीति के लिये उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कई महत्वपूर्ण विषयों को शामिल करने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि नई युवा नीति से युवाओं की क्षमताओं को अनलॉक करने का प्रयास होगा। इसमें युवाओं के विकास भविष्य के 10 साल के दृष्टिकोण की कल्पना की गई है। डॉ. यादव ने कहा कि युवा नीति का मुख्य उद्देश्य युवाओं के सभी वर्गों के बीच नागरिकता के गुणों का विकास करना और उनमें समुदाय सेवा के प्रति समर्पण का भाव पैदा करना। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि युवाओं के कौशल को विकसित कर एक सफल कार्य बल का गठन कर सकेंगे, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को विकसित करने की दिशा में स्थायी योगदान दे सकें।

डॉ. यादव ने बताया कि शासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में युवाओं के लिये नई युवा नीति तैयार करने के लिये युवा नीति के कम्पोनेंट पर सुझाव एवं विचार-विमर्श करने युवाओं से संवाद स्थापित किया जायेगा। इसी क्रम में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों से सुझाव प्राप्त किये जायेंगे कि वे प्रस्तावित युवा नीति में किन-किन विषयों का समावेश करवाना चाहते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, रोज़गार, उद्यमशीलता एवं सामाजिक सम्प्रेषण में अपनाये गये नवाचार एवं युवा नीति पर कक्षाओं में चर्चा कर सुझाव प्राप्त किये जायेंगे।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भविष्य में हमें एक ऐसी सशक्त और स्वस्थ पीढ़ी तैयार करना है जो भावी चुनौतियों का सामना करने तैयार हो। युवाओं में सामाजिक मूल्यों की भावना को जाग्रत करना और उनमें सामाजिक सेवा को प्रोत्साहित करना है।

प्रदेश के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में राज्य युवा नीति के संदर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को दृष्टिगत रखते हुए सुझाव प्राप्त किए जाएं। युवा नीति का उद्देश्य, उसकी प्राथमिकता और आवश्यकता के क्षेत्र को विशेष रूप से केंद्र में रखा जाएगा। नीति में व्यावसायिक विषय और रोज़गारोन्मुखी शिक्षा, विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों में कुटीर उद्योग की स्थापना इंक्यूबेशन केंद्रों से स्टार्टअप्स और विद्यार्थियों को स्व-रोज़गार के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

प्राइड ऑफ मध्यप्रदेश-2022

श्रेय मिले न मिले, अपना श्रेष्ठतम देना बंद न करें - मुख्यमंत्री

भोपाल, श्रेय मिले न मिले अपना श्रेष्ठम देना बंद न करें। व्यक्ति अपने निरंतर प्रयास से सब कुछ प्राप्त कर सकता है। श्रीमद् भगवतगीता और स्वामी विवेकानन्द मेरे लिए प्रेरणा के मुख्य स्रोत रहे हैं। स्वामी विवेकानन्द के विचार 'व्यक्ति ईश्वर का अंश और अमर शक्तियों का भण्डार है' हमें उमंग और उत्साह से भरते हैं। श्रीमद् भगवतगीता का निष्काम कर्म का संदेश हमें निराशा से बचाता है। इसमें सात्विक कार्यकर्ता के गुणों का उल्लेख भी है। इसके अनुसार हम राग-द्वेष से मुक्त, अहंकार शून्य, धैर्यशील और उत्साह से परिपूर्ण रहते हुए निरंतर कर्मशील रहने से स्वयं, समाज और देश के लिए उपलब्धियां अर्जित कर सकते हैं। समाज और देश के लिए बेहतर करने वालों का सम्मान आवश्यक है। इससे उन्हें प्रोत्साहन और सामाजिक स्वीकृति प्राप्त होती है। साथ ही अन्य लोग भी प्रेरित होते हैं। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में एक मीडिया समूह के 'प्राइड ऑफ मध्यप्रदेश-2022' कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में समाज-सेवा, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोज़गार, लघु उद्योग, अधोसंरचना विकास आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रदेश के 41 प्रतिभागियों को सम्मानित किया। श्री चौहान ने सम्मानित प्रतिभागियों से कहा कि आपका योगदान प्रदेशवासियों और राज्य की प्रगति एवं विकास में सहायक है। आपके द्वारा अर्जित उपलब्धियां प्रदेश के लिए गर्व और गौरव का विषय है। गांव, कस्बों और छोटे शहरों से संबंध रखने वाले आप जैसे लोगों के आगे बढ़ने से ही प्रदेश आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने सम्मानित व्यक्तियों को और अधिक प्रगति एवं सफलता के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि अब तक की उपलब्धियों को हम एक पड़ाव मनाते हुए आगे की योजना बनाएं, लक्ष्य तय करें और अपने कर्म के प्रति समर्पित रहें।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान भोपाल में आयोजित प्राइड ऑफ मध्यप्रदेश कार्यक्रम में पुरस्कार वितरित करते हुये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विश्व में अपनी विशेष छवि बनाई है। दुनिया की कोई ताकत भारत को अनदेखा नहीं कर सकती। भारत को जी-20 की अध्यक्षता करने का अवसर मिला है। इस सम्मेलन की कुछ बैठकें मध्यप्रदेश में भी होंगी। प्रदेश में प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भी जनवरी -2023 में होने जा रहा है। प्रदेश के लिए वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ने और भविष्य का पथ निर्धारित करने का यह महत्वपूर्ण अवसर है।

मध्यप्रदेश में निवेश करेगा वॉल्वो तथा आयशर मोटर्स का संयुक्त उपक्रम

भोपाल, मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में उद्योगपतियों के साथ मुलाकात के दौरान कहा है कि जनवरी 2023 में इंदौर में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी। ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, फार्मा सहित अन्य उद्योगों के लिए मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री से मुख्यमंत्री कार्यालय समत्व भवन में फोर्स मोटर्स लिमिटेड के चेयरमैन श्री अभय फिरोदिया और डीजीएम श्री अभय सिंघी, व्ही.ई. कमर्शियल लिमिटेड के प्रबंध संचालक, सी.ई.ओ. श्री विनोद अग्रवाल और वाइस प्रेसीडेंट श्री नितिन नागड़ा, सागर ग्रुप के चेयरमैन श्री सुधीर अग्रवाल, यशोदा लिनेन यार्न लिमिटेड के सी.एम.डी. श्री अवंति कुमार कांकरिया और कार्यकारी संचालक श्री आशीष कांकरिया, अवादा वेंचर्स प्रायवेट लिमिटेड के चेयरमैन श्री विनीत मित्तल और जी.एम. श्री मुकेश सिंघानिया ने भेंट की। प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन श्री मनीष सिंह तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। श्री चौहान को वॉल्वो ग्रुप तथा आयशर मोटर्स के संयुक्त उपक्रम व्ही.ई. कमर्शियल व्हीकल्स के श्री विनोद अग्रवाल ने बताया कि उपक्रम भोपाल, धार और देवास जिलों में वाहन निर्माण से संबंधित इकाइयों में 1600 करोड़ रुपये निवेश करेगा। यशोदा लिनेन यार्न लिमिटेड के श्री कांकरिया ने प्रदेश में लिनेन की इकाई स्थापित करने में रुचि दिखाई।

उन्होंने कहा कि स्टिचिंग और वीविंग इकाई की स्थापना पर लगभग 450 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिससे 4 हजार लोगों के लिए रोज़गार के अवसर सृजित होंगे।

सर्वाधिक आभा आईडी बनाने में मध्यप्रदेश पुरस्कृत

वाराणसी, मध्यप्रदेश को आयुष्मान भारत में सर्वाधिक आभा आईडी बनाने के लिये द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। वाराणसी उत्तरप्रदेश में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज दिवस पर राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल, केंद्रीय लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री मनसुख मंडाविया और मध्यप्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी की उपस्थिति में ये पुरस्कार दिये गये।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश की कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर सुश्री श्रद्धा गौर को सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिये पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल टीमों, सीएचओ, आशा और एएनएम को सम्मानित किया गया तथा लक्ष्य के विरुद्ध एचडब्ल्यूसीएस संचालन की उपलब्धि जैसे विभिन्न विषयों पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों को भी सम्मानित किया गया।

मंत्रिपरिषद के निर्णय

मध्यप्रदेश विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति का अनुसमर्थन

भोपाल, **मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में भोपाल स्थित मंत्रालय में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में मंत्रिपरिषद द्वारा प्रदेश में विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार से संबंधित प्रथम नीति का अनुमोदन प्रदान किया गया। वर्तमान युग में नई प्रौद्योगिकी और तकनीकी का उपयोग जीवन से जुड़े प्रत्येक क्षेत्र में हो रहा है। ऐसी अनेक नई प्रौद्योगिकी उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग विभिन्न क्षेत्रों यथा भू-प्रबंधन, कृषि, उद्योग, ऊर्जा, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, खनिज, हितग्राहीमूलक योजनाओं, अधोसंरचना, इत्यादि में किया जाकर सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। नवीन प्रौद्योगिकियों को विभिन्न विभागों में अंगीकृत करने से उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है तथा शासकीय सेवाओं को भी नागरिकों को सरलता और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जा सकता है। मंत्रिपरिषद द्वारा लिये गये अन्य निर्णय इस प्रकार हैं-**

- इस नीति के प्रमुख उद्देश्यों में मध्यप्रदेश को देश में शीर्ष विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार (STI) गंतव्य के रूप में स्थान दिलाना। मानव संसाधन, निवेश, और ज्ञान आधारित श्रम शक्ति जैसे कारकों को सुदृढ़ करके वर्ष 2030 तक 'इंडिया इनोवेशन इंडेक्स' (अपने मौजूदा 13वें रैंक से) में मध्यप्रदेश को शीर्ष 5 राज्यों में स्थान दिलाना। एक प्रभावी एसटीआई पारिस्थितिकी तंत्र विकसित कर मध्यप्रदेश को अनुसंधान प्रकाशन, नवउद्यम, स्टार्टअप, औद्योगिक डिजाइन संबंधी नवाचार और पेटेंट जैसे संकेतकों को सुदृढ़ कर प्रदेश में ज्ञान आधारित उत्पादन को बढ़ाने में मदद करना।
- मध्यप्रदेश के शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देना और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी पुरस्कार (जैसे कि 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (SSB))' प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना। एसटीईएम (STEM) प्रयोगों और प्रतियोगिताओं के साथ पाठ्यक्रम को समृद्ध करके प्राथमिक स्तर से ही, विशेष रूप से छात्राओं के बीच एसटीईएम (STEM) शिक्षा को बढ़ावा देकर स्नातक, परास्नातक और पीएचडी स्तर पर एसटीईएम पाठ्यक्रमों में नामांकन अनुपात को बढ़ाना है।
- नवीन एवं उन्नत प्रौद्योगिकियों के अधिग्रहण, हस्तांतरण, अनुकूलन और उपयोग को सुगम बनाने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को बढ़ावा देना। प्रासंगिक नवाचार और विज्ञान शिक्षा का बढ़ावा देने के लिए शीर्ष संस्थानों (जैस आईआईटी, आईआईएम, एआईआईएमएस, एनआईटी, आईआईआईटी, एनआईडी, एनआईएफटी, एनएलएस) संस्थानों को मध्यप्रदेश के एक जिले को गोद लेकर उस जिले में स्थानीय रूप से विज्ञान एवं नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा।
- मंत्रिपरिषद ने औद्योगिक क्षेत्र मोहासा बावई की भूमि विभिन्न उद्योगों के आवंटन के संदर्भ में निम्नानुसार निर्णय लिया गया है। मोहासा-बावई में 227.54 एकड़ क्षेत्रफल को भारत सरकार की योजनांतर्गत ऊर्जा एवं नवकरणीय ऊर्जा के उपकरणों के विनिर्माण हेतु आरक्षित किए जाने की अनुमति प्रदान की गई है।
- रीवा हवाई पट्टी को विमानतल के रूप में विकसित करने हेतु वर्तमान में उपलब्ध 64 एकड़ भूमि भारतीय विमानपत्तन को आवंटित की जा चुकी है। इसके अतिरिक्त आवश्यक 99.615 हेक्टेयर भूमि को राज्य शासन द्वारा अर्जित कर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को दिये जाने का अनुमोदन मंत्रिपरिषद द्वारा दिया गया।
- मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय (स्थापना एवं संचालन) द्वितीय संशोधन विधेयक, 2022 का मंत्रिपरिषद ने अनुमोदन किया। स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय, भोपाल, अभ्युदय विश्वविद्यालय, खरगोन एवं अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल विश्वविद्यालयों की स्थापना विधेयक के माध्यम से किये जाने के संबंध में प्रस्तुत द्वितीय संशोधन विधेयक को मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदित किया गया।
- मध्यप्रदेश भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 को लागू हुए, अधिक समय व्यतीत हो गया है। इन वर्षों में वैश्विक परिदृश्य में हुए परिवर्तनों एवं नवीन चुनौतियां, भारत सरकार द्वारा सामान्य वित्तीय नियमावली 2017 में सामग्री उपार्जन के संबंध में जारी नियमों को संशोधित किया गया है।
- सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम 2006 की धारा 11 में सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के विकास एवं उन्हें सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से वस्तुओं/सेवाओं के उपार्जन में वरीयता संबंधी प्रावधान, वैश्विक एवं स्थानीय आर्थिक परिदृश्य में स्टार्टअप का प्रादुर्भाव एवं महत्ता के आधार पर प्रचलित नियमों में संशोधन, विलोपन एवं नवीन प्रावधानों को समाहित करने की आवश्यकता के दृष्टिगत राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) जारी करने का निर्णय मंत्रिपरिषद द्वारा लिया गया।
- मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2022 का अनुमोदन किया तथा विधेयक को विधानसभा में पुरःस्थापित कर पारित कराने की समस्त आवश्यक कार्यवाही करने के लिये राजस्व विभाग को अधिकृत किया। सीमांकन के मामलों के निराकरण के लिए सक्षम अधिकारी तहसीलदार हैं।
- मंत्रिपरिषद् द्वारा प्रदेश के विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु समुदाय के व्यक्तियों के आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन के लिए मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु स्वरोज़गार योजना वर्ष 2022-23 की स्वीकृति प्रदान की गई है। विभाग के द्वारा संचालित योजना में योजना 2 भागों में संचालित होगी। विभाग एवं अभिकरण के माध्यम से व्यक्तिगत प्रकरण में 1 लाख रुपये तक का ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा।
- स्व-सहायता समूह होने पर 10 लाख रुपये तक का ऋण बैंकों के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। प्रथम बार लिए गए ऋण 25 प्रतिशत या अधिकतम 20 हजार रुपये (व्यक्तिगत प्रकरण) एवं 2 लाख रुपये (स्व-सहायता समूह) अनुदान। ब्याज दर पर 6 प्रतिशत अनुदान। अभिकरण द्वारा संचालित योजना में आई.टी.आई. द्वारा प्रशिक्षित नवयुवकों को रोज़गार हेतु बैंकों के माध्यम ऋण एवं अभिकरण के माध्यम से अनुदान सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। अधिकतम 2 लाख रुपये के व्यक्तिगत श्रेणी में प्रकरण स्वीकृत किए जाएंगे। प्रथम बार लिए गए ऋण पर परियोजना लागत का 25 प्रतिशत एवं द्वितीय ऋण पर 20 प्रतिशत अनुदान। प्रथम एवं द्वितीय ऋण पर ब्याज पद पर 6 प्रतिशत अनुदान।
- नगरीय निकायों में आवारा पशुओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिये मध्यप्रदेश नगर पालिक विधि (चतुर्थ संशोधन) विधेयक 2022 लाया जा रहा है। उक्त विधेयक में किसी व्यक्ति द्वारा जानबूझकर अथवा उपेक्षापूर्वक किसी मवेशी अथवा अन्य पशु को सार्वजनिक सड़क अथवा स्थान पर खुला छोड़ा अथवा बांधा जाता है, जिसके कारण किसी व्यक्ति को क्षति होती है या संपत्ति को नुकसान होता है या लोक यातायात को बाधा पहुंचती है या संकटापन्न होता है या लोक न्यूसेंस कारित होता है, तो वह राज्य सरकार द्वारा विहित जुर्माने से, जो एक हजार रुपये से अधिक का नहीं होगा, दंडनीय होगा।
- मंत्रिपरिषद द्वारा मध्यप्रदेश में राज्य सरकार अनावश्यक एवं अनुपयोगी और प्रभावहीन विधियों के निरसन के लिए प्रतिबद्ध है। अधिनियमित हो जाने पर यह अनुपयोगी एवं प्रभावहीन विधियों को कम करेगा। मध्यप्रदेश निरसन विधेयक, 2022 की अनुसूची में उल्लेखित 05 अधिनियमों का निरसन किया गया है। इसके माध्यम से निम्न 5 अधिनियमों को निरसित किया जाना है, जो पूरी तरह से अप्रचलित, अनावश्यक हो चुके है।
- मंत्रिपरिषद ने मध्यप्रदेश राज्य में सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद (विज्ञापन का प्रतिषेध और व्यापार तथा वाणिज्य, उत्पादन प्रदाय और वितरण का विनियमन) अधिनियम, 2003 का राज्य संशोधन विधेयक 2022 का अनुमोदन किया गया तथा विधानसभा में पुनः स्थापित करने से पूर्व माननीय राष्ट्रपति महोदया की पूर्व मंज़ूरी हेतु गृह मंत्रालय, भारत सरकार को प्रेषित करने की अनुमति प्रदान की गई।
- मंत्रिपरिषद द्वारा मध्यप्रदेश सिनेमा (विनियमन) अधिनियम, 1952 की धारा 2. में मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1956 की धारा 5 के खण्ड (34-क) में तथा मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 3 के खण्ड (18-क) में समानुदेशित किया गया है। धारा 4 में संशोधन कर नगर पालिक निगम की सीमाओं के भीतर आयुक्त नगर पालिक निगम, तथा नगर पालिका परिषद, नगर परिषद की सीमाओं के भीतर आने वाले क्षेत्रों के लिए जिला मजिस्ट्रेट या जिला मजिस्ट्रेट द्वारा प्राधिकृत कोई कार्यपालिक मजिस्ट्रेट को अनुज्ञप्ति प्रदान करने एवं धारा 7 में प्रावधानित 1,000/- रुपये तक के अर्थदण्ड के स्थान पर 50,000/- रुपये तथा प्रत्येक दिन के लिए जिसमें अपराध जारी रहता है 100/- रुपये के स्थान पर 5000/- रुपये के दण्ड का प्रावधान किया गया है।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

जनजातीय समुदाय को भा रही है मुख्यमंत्री की पाठशाला

भोपाल, पिछले लगभग डेढ़ माह में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एक नयी भूमिका में सामने आये हैं। यह भूमिका है एक शिक्षक की, विषय के जानकार की। अपनी इस नयी और अनूठी भूमिका में श्री चौहान पेसा एक्ट के बारे में विस्तार से एक शिक्षक की तरह जनजातीय भाई-बहनों को जानकारी दे रहे हैं। मुख्यमंत्री की ऐसी सभी पाठशालाओं में उपस्थित लोगों से वे कह भी रहे हैं कि मैं भाषण देने नहीं आपको पेसा एक्ट पढ़ाने आया हूं। मुख्यमंत्री ऐसा पहली बार नहीं कर रहे हैं। इसके पहले भी वे 'आओ बनाये मध्यप्रदेश' यात्रा के दौरान स्कूली बच्चों को पढ़ाने भोपाल के मॉडल स्कूल में विद्यार्थियों से एक कुशल मोटिवेशनल स्पीकर की तरह संवाद कर चुके हैं। इतना ही नहीं वे अनेक दफा स्कूली विद्यार्थियों के समक्ष दक्ष योग गुरू की भूमिका भी निभा चुके हैं।

दरअसल मुख्यमंत्री ने प्रदेश में जनजातीय समाज को मुख्यधारा में जोड़ने और उन्हें अधिकार सम्पन्न बनाने के लिये जो प्रयास प्रारंभ किये, उसमें सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है पेसा एक्ट। यह एक्ट, जनजातीय समुदाय को जल, जंगल और जमीन का अधिकार दिलाता है। गत 15 नवंबर का दिन मध्यप्रदेश के लिये ऐतिहासिक बना, जब राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की गरिमामय उपस्थिति में मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 89 जनजातीय बहुल विकासखण्ड में इसे लागू करवाया। इसी दिन के बाद मुख्यमंत्री श्री चौहान ने एक्ट के प्रावधानों की जनजातीय भाई-बहनों को विस्तार से जानकारी देकर उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से सबल बनाने की मुहिम शुरू कर दी।

मुख्यमंत्री तब से अब तक जनजातीय विकासखंडों में पेसा एक्ट जागरूकता कार्यक्रम कर एक शिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। पेसा एक्ट के प्रावधानों का स्वयं बारीकी से अध्ययन कर उसे शिक्षक की भांति जनजातीय समुदाय को समझाने का उनका तरीका भी बड़ा अनोखा है। ऐसे में मुख्यमंत्री की यह पाठशाला सभी को बहुत भा रही है।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद प्रदेश निर्माण परिषद भी है - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के समन्वयकों से संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुये।

भोपाल, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जन-जन को अवगत और लाभान्वित करने निरंतर कार्य करें। परिषद ने कोरोना काल में जनहित में महत्वपूर्ण कार्य किया। अंकुर अभियान, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व योजना और अन्य योजनाओं से आम जन को जोड़कर अधिक अच्छे परिणाम प्राप्त करने पर फोकस करें। राज्य सरकार आम लोगों की जिंदगी बदलने का कार्य कर रही है। परिषद सिर्फ एक संस्था नहीं, बल्कि प्रदेश निर्माण परिषद है, जो समृद्ध और वैभवशाली भारत के निर्माण में राज्य के योगदान को महत्वपूर्ण बना रही है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के संभाग, जिला और विकासखण्ड स्तरीय समन्वयकों से संवाद करते हुये कहीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि परिषद के पदाधिकारी और सदस्य हमसे पृथक नहीं हैं। हम-तुम एक प्राण हैं। कोविड के कठिन दो साल निकल गए। परिषद ने इस अवधि में तेजी से कार्य किया। अब हमें मिलकर विकास के लिए जुटना है। पेसा एक्ट लोगों की जिंदगी बदलने का अभियान है। जनजातीय बहुल क्षेत्रों में जनजातीय वर्ग सहित अन्य निवास करने वाले वर्गों के हित में यह एक्ट लागू किया गया है। प्रदेश के 89 जनजातीय बहुल विकासखण्डों में पंचायतों को सशक्त बनाकर स्थानीय निवासियों को लाभान्वित करने की पहल की गई है। अधिकारों का विकेंद्रीकरण किया गया है। इस दिशा में तेंदूपत्ता तोड़ना, गिट्टी क्रेशर चलाना, जनजातीय वर्ग का शैक्षणिक सशक्तिकरण बहुत महत्वपूर्ण है। इसमें सभी का सहयोग आवश्यक है।

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान का संचालन कर 83 लाख हितग्राही चिन्हित किये गये। श्री चौहान ने कहा कि आगामी माह में होने जा रही अंतर्राष्ट्रीय महत्व की गतिविधियों से मध्यप्रदेश की छवि विश्व-स्तर पर निखरेगी। जहां ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और प्रवासी भारतीय सम्मेलन इंदौर में हो रहा है, वहीं प्रदेश के सात स्थानों में जी 20 शिखर सम्मेलन की बैठकें भी होंगी।

परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जामदार ने प्रारंभ में विचार व्यक्त किए। परिषद के महानिदेशक श्री बी.आर. नायडू ने दो वर्ष के कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि परिषद ने समन्वयकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने, कोरोना काल में 'मैं कोरोना वालेंटियर' अभियान के माध्यम से 1.25 लाख पंजीयन, महामारी के नियंत्रण में निरंतर कार्य करने, वैक्सिनेशन में सहयोग के साथ ही पर्यावरण विकास में कार्य किया।

मध्यप्रदेश राज्य रूपंकर कला पुरस्कार प्रदर्शनी-2023

कलाकृतियां जमा करने की अंतिम तिथि अब 13 जनवरी तक हुई

भोपाल, उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य रूपंकर कला पुरस्कार प्रदर्शनी-2023 और रूपंकर एवं ललित कलाओं के 10 पुरस्कारों के लिए कलाकृतियां 13 जनवरी, 2023 की शाम 5 बजे तक जमा होंगी। कलाकृतियां उस्ताद अलाउद्दीन खां संगीत एवं कला अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, बाणगंगा चौराहा, भोपाल एवं ललित कला अकादमी, जबलपुर/ग्वालियर/इंदौर में जमा की जा सकेंगी। अकादमी के फेसबुक पेज https://www.facebook.com/kalamitrabpl/ और अन्य माध्यम से डाउनलोड आवेदन विवरणिका की फोटो प्रतियां (ए4 साइज) भी प्रवेश-पत्र के रूप में स्वीकार की जायेगी।

प्रदेश के ख्यातिलब्ध कलाकारों के नाम से स्थापित रूपंकर एवं ललित कलाओं के 10 पुरस्कारों के लिए कलाकृतियां आमंत्रित की गई हैं। प्रत्येक पुरस्कार की राशि 51 हजार रुपये होगी। प्रदर्शनी में ज्यादा-से-ज्यादा तीन कलाकृतियां मान्य की जायेंगी तथा 25 से 55 वर्ष तक की आयु वर्ग के कलाकार भाग ले सकेंगे। कलाकारों की मौलिक कलाकृतियां जो जनवरी 2021 के बाद सृजित हों मान्य की जायेंगी।

मिशन अंकुर

तीसरी कक्षा तक के बच्चे पढ़ने लिखने और गिनने में बनेंगे निपुण

स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री श्री इंदर सिंह परमार भोपाल में मिशन अंकुर अभियान का शुभारंभ करते हुये।

भोपाल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिपालन में 'निपुण भारत' के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए मध्यप्रदेश में 'मिशन अंकुर' अभियान नींव का पत्थर साबित होगा। इस अभियान से कक्षा पहली से 3 तक के बच्चों के बुनियादी एवं संख्या ज्ञान को विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश की जनजातीय एवं क्षेत्रीय बोलियों एवं भाषाओं में इस अभियान के लक्ष्यों के साहित्य और पाठ्य सामग्री तैयार की गई है, जिससे बच्चे अपनी बोल-चाल की भाषा में ही सुगमता और सहजता से बुनियादी शिक्षा ग्रहण कर सकें। शिक्षक के सहयोग के बिना 'मिशन अंकुर' के लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं हो सकती। ये बातें स्कूल शिक्षा राज्यमंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भोपाल में 'मिशन अंकुर' अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहीं।

श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुपालन के साथ मध्यप्रदेश में कक्षा पहली से तीसरी तक के बच्चों की बुनियादी शिक्षा में वर्ष 2027 तक परिपक्वता एवं आवश्यक सुधार लाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए प्रदेश की जनजातीय एवं क्षेत्रीय कुल 8 भाषाओं में 'मिशन अंकुर' के लक्ष्यों की पाठ्य सामग्री तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि आवश्यकता अनुरूप आने वाले समय में 'मिशन अंकुर' को सफल बनाने के लिए क्षेत्रीय भाषाओं के शिक्षकों को उन्हीं के क्षेत्र में पदस्थापना में प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे बच्चे अपनी बोलचाल की भाषा में ही बुनियादी शिक्षा सहजता से प्राप्त कर सकें।

श्री परमार ने प्रदेश के समस्त प्राथमिक विद्यालयों के लिए 'मिशन अंकुर' के लक्ष्य पोस्टर, वीडियो एवं बेसलाइन रिपोर्ट का विमोचन किया। ये 'लक्ष्य पोस्टर' मध्यप्रदेश की जनजातीय एवं क्षेत्रीय बोलियों एवं भाषाओं में तैयार किया गया है। गोंडी, भीली, कोरकू सहित कुल 8 भाषाओं में लक्ष्य पोस्टर जारी किए गए हैं।

श्री परमार ने प्रदेश के सभी जिलों का प्रारंभिक शिक्षा में प्रगति पत्रक भी जारी किया। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जिलों में संपादित किए जा रहे कार्यों के आधार पर सत्र 2022-23 के द्वितीय त्रैमास (माह सितंबर, अक्टूबर एवं नवंबर) की जिलों की रैंकिंग तय की गई है। इस रैंकिंग में खंडवा, छतरपुर, छिंदवाड़ा, शहडोल एवं बालाघाट क्रमशः शीर्ष पांच जिले हैं।

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

एजेंसी देना है

मध्यप्रदेश का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला साप्ताहिक समाचार पत्र

रोज़गार और निर्माण

प्रदेश में
खरगोन, बालाघाट, नरसिंहपुर,
छिन्दवाड़ा, बीना, धार
एवं अशोकनगर जिलों में
एजेंसी नियुक्त करना है।

एजेंसी संबंधित कार्य के लिए कार्यालीन समय में संपर्क करें

0755-2760006,
9424442725, 9424444174

प्रमुख आकर्षण

- कॅरियर की खबरें
- सम-सामयिक विषयों पर विशेषज्ञों की टिप्पणियां
- खेल जगत की उल्लेखनीय खबरें
- सप्ताह की प्रमुख घटनाएं
- मध्यप्रदेश सरकार के निर्णयों और योजनाओं की जानकारियां
- विज्ञान की बातें

मध्यप्रदेश माध्यम
40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) 462011
फोन नंबर : 0755-2551330, 0755-2760006
www.mpmadhyam.in
madhyam.rojgar@gmail.com

आज ही खरीदें
प्रमुख बुक-स्टॉलों पर उपलब्ध

चर्चा

राष्ट्रपति जेलेंस्की

टाइम पत्रिका ने चुना 'पर्सन ऑफ द ईयर'

टाइम पत्रिका ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को टाइम पर्सन ऑफ द ईयर 2022 घोषित किया है। जेलेंस्की पिछले 9-10 महीनों से यूक्रेन की उस जंग का नेतृत्व कर रहे हैं जहां उनके सामने प्रतिद्वंद्वी ताकत और तेवर में उनसे कई गुणा बड़ा है। लेकिन जेलेंस्की ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने देश की सेना का मनोबल गिरने नहीं दिया है। उन्हें ताजा अंक के कवर पेज पर स्थान दिया गया है। लगभग दस महीनों में उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपना पक्ष रख यूक्रेन की आवाज को बुलंद किया है।

फ्रांस

दुर्लभ गिटार 69 लाख रुपये में नीलाम होगा

फ्रांस की अंतिम महारानी मैरी एंटोनेट का ट्रायनान गिटार नीलामी में 84,000 डॉलर (लगभग 69.2 लाख) रुपये में बेचा जाएगा। फ्रांसीसी नीलामी संस्था एगुट्स ने इसे दुर्लभ प्रकार के उपकरण के रूप में सूचीबद्ध किया है। इस गिटार को 1775 में जैक्स फिलिप मिर्शेलाट ने बनाया था। गिटार को महारानी ने उनके मंडली सदस्यों में से एक मार्क्विस डेला रोशेलम्बर्ट को उपहार देने के लिए बनवाया था।

संयुक्त राष्ट्र ने

चार राजनयिकों को दीवाली पावर ऑफ वन अवॉर्ड दिया

शांतिपूर्ण और सुरक्षित विश्व के लक्ष्य को लेकर काम करने और इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए चार अनुभवी राजनयिकों और अमेरिका के एक सांसद को इस साल का वार्षिक 'दीवाली-पावर ऑफ वन' अवॉर्ड दिया गया। संयुक्त राष्ट्र में जॉर्जिया के पूर्व स्थाई प्रतिनिधि और कनाडा के वर्तमान राजदूत काहा इमनाजे, संयुक्त राष्ट्र में ग्रेनेडा की पूर्व स्थाई प्रतिनिधि केशा मैगुइरे को यह अवॉर्ड दिया गया। इसके अलावा बुल्गारिया के अमेरिका में वर्तमान राजदूत जॉर्जी वेलीकोव पनायोतोव को अवॉर्ड दिया गया है।

अमेरिका में

दृष्टिहीन घोड़े ने बनाए 3 विश्व रिकॉर्ड

ओरेगॉन में 22 वर्षीय दृष्टिहीन घोड़े एंडो ने 3 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। एंडो ने यह रिकॉर्ड एक दृष्टिहीन घोड़े द्वारा सबसे ऊंची छलांग लगाकर, सबसे ज्यादा फ्लाइंग छलांग लगाकर और एक दृष्टिहीन घोड़े द्वारा सबसे तेज 5 खंभों के चक्कर लगाकर अपने नाम किए हैं। एंडो की मालकिन मार्गन वैगनर ने कहा कि 13 साल की उम्र में उन्होंने एक फार्म से एंडो को चुना था। एंडो को आठ साल की उम्र में आंखों की समस्या होने लगी थी। जिसके कारण उसकी दोनों आंखें निकलवानी पड़ी थीं।

ओम मदन गर्ग

एवरेस्ट के बेसकैंप तक पहुंचा

सिंगापुर में रहने वाला 6 साल का भारतवंशी ओम मदन गर्ग एवरेस्ट के बेसकैंप (5,364 मीटर) तक पहुंचा है। ओम के साथ पिता मयूर गर्ग और मां गायत्री भी बेसकैंप पहुंचे। 65 किलोमीटर का ट्रैक पूरा करने में परिवार को 10 दिन लगे। ओम बेसकैंप तक पहुंचने वाला सिंगापुर का सबसे कम उम्र का पर्वतारोही बन गया है।

जिया टोंग

बायोनिक आई मास्टर बनीं

चीन की जिया टोंग ने 2013 में कार दुर्घटना में अपनी एक आंख खो दी थी। उस समय उनकी उम्र सिर्फ 18 वर्ष थी। उन्होंने निराश होने की बजाय खुद को अलग-अलग रंगों में चमकने वाली कृत्रिम आंख बनाने के लिए समर्पित कर दिया। टोंग ने प्रोस्थेटिक आई टेक्नीशियन (ओकुलरिस्ट) बनने के लिए पढ़ाई की। इसके बाद जिया टोंग ने अपने लिए अलग-अलग तरह की पढ़ाई की। इसके बाद जिया टोंग ने अपने लिए अलग-अलग तरह के प्रोस्थेटिक्स बनाना शुरू कर दिया।

कजाकिस्तान

कासिम-जोमार्ट बने राष्ट्रपति

कजाकिस्तान में हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने वाले कासिम-जोमार्ट तोकायव ने राष्ट्रपति पद ग्रहण कर लिया है। शपथ ग्रहण के बाद हुए समारोह में उन्होंने देश की सेवा करने, कजाकिस्तान के संविधान और कानूनों का सख्ती से पालन करने, नागरिकों के अधिकारों और स्वतंत्रता की गारंटी देने का वायदा जनता से किया।

तालिबान ने

वॉयस ऑफ अमेरिका का प्रसारण रोका

अमेरिका सरकार की आधिकारिक प्रसारण सेवा 'वॉयस ऑफ अमेरिका' (वीओए) ने बताया कि तालिबान के अधिकारियों ने अफगानिस्तान में उसके तथा रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी के एफएम रेडियो प्रसारण पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि तालिबान ने अगस्त 2021 को अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा जमा लिया था। वीओए ने कहा कि तालिबानी प्राधिकारियों ने बिना कोई खास वजह बताए कार्यक्रम की सामग्री को लेकर मिली शिकायतों का हवाला दिया। वीएओ तथा आरएफई अमेरिकी सरकार द्वारा वित्त पोषित है।

इक्वेटोरियल गिनी

राष्ट्रपति माबासोगो ने फिर से चुनाव जीता

दुनिया में सबसे लंबे समय तक राष्ट्रपति के तौर पर सत्ता पर काबिज रहने वाले अफ्रीकी देश इक्वेटोरियल गिनी के राष्ट्रपति तियोदोरो ओबियांगन्गुमा माबासोगो ने एक बार फिर राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव को जीत लिया है। उन्हें 95 फीसदी वोट मिले। 43 साल से अधिक समय तक शासन करने वाले ओबियांग ने लगातार 6वीं बार चुनाव जीता है। अफ्रीकी देश इक्वेटोरियल गिनी को 1968 में स्पेन से स्वतंत्रता मिली थी। उसके बाद इस देश में केवल दो ही राष्ट्रपति रहे। ओबियांग ने जब भी चुनाव जीता उन्हें 93 फीसदी से कम वोट नहीं मिले।

एसकेए

दुनिया की सबसे बड़ी दूरबीन का निर्माण कार्य शुरू

इक्कीसवीं सदी की बड़ी वैज्ञानिक परियोजनाओं में से एक स्क्वॉयर किलोमीटर एरे (एसकेए) का निर्माण चरण शुरू हो गया। 2028 में पूरा होने पर यह दुनिया का सबसे बड़ा रेडियो टेलीस्कोप माना जाएगा। ब्रिटेन में मुख्यालय के साथ दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया तक में फैली यह सुविधा खगोल भौतिकी में सबसे बड़े प्रश्नों का हल खोजने में मदद करेगी। यह आइंस्टीन के सिद्धांतों का सबसे सटीक परीक्षण करेगा और यहां तक कि अतिरिक्त-स्थलीय जीवों की खोज भी करेगी।

गॉब्लिन मोड

इस साल के लिए ऑक्सफोर्ड का शब्द चुना गया

ऑक्सफोर्ड डिक्शनरीज ने बताया कि एक ऑनलाइन मतदान में 93 प्रतिशत लोगों ने 'गॉब्लिन मोड' को इस वर्ष का शब्द चुना है। गॉब्लिन मोड की शब्दकोष की परिभाषा यह है कि यह एक प्रकार का व्यवहार है जिसमें व्यक्ति बिना किसी अफसोस के आत्म-अनुग्रहशील, आलसी, मैला-कुचला या लालची होता है और आमतौर पर एक तरह से सामाजिक मानदंडों या अपेक्षाओं को अस्वीकार करता है। इसे ऑक्सफोर्ड भाषा के शब्दकोष लेखकों के चुने तीन अंतिम शब्दों में से जनता के वोट के माध्यम से छांटा गया है।

भारतीय स्टार्टअप

अर्थशॉट पुरस्कार विजेताओं में शामिल

एक भारतीय स्टार्टअप फर्म ने छोटे किसानों के लिए 'ग्रीनहाउस-इन ए बॉक्स' डिजाइन तैयार कर प्रिंस विलियम का 'अर्थशॉट' पुरस्कार जीत लिया है। प्रकृति को सुरक्षित रखने और उसकी पुनर्स्थापना के लक्ष्य के साथ काम करने वालों को यह पुरस्कार दिया जाता है। इसके तहत प्रत्येक फंड दिए जाते हैं। भारतीय स्टार्टअप की डिजाइन ने कम पानी और कीटनाशक इस्तेमाल करते हुए छोटी जमीन पर बहुत अधिक पैदावार लेने का नवाचार शुरू किया है।

एसएस राजामौली को

बेस्ट डायरेक्टर का पुरस्कार मिला

फिल्मकार एसएस राजामौली को न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्कल से सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला है। उनकी फिल्म आरआरआर पश्चिमी देशों में दर्शकों को आकर्षित कर रही है। न्यूयॉर्क फिल्म क्रिटिक्स सर्कल (एनवाईएफसीसी) ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की है।

नागपुर मेट्रो रेल

सबसे लंबे डबल-डेकर-वायाडक्ट के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल

महाराष्ट्र के नागपुर मेट्रो रेल का नाम दुनिया के सबसे लंबे डबल-डेकर-वायाडक्ट के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है। नागपुर मेट्रो रेल और एनएचआई ने नागपुर में वर्धा रोड पर 3.14 किलोमीटर के लंबे डबल-डेकर-वायाडक्ट का निर्माण किया है। इस प्रोजेक्ट में 3 स्तरीय संरचना है। सबसे ऊपर मेट्रो रेल, बीच में हाइवे फ्लाई ओवर और जमीनी स्तर पर सड़क है। डबल-डेकर-वायाडक्ट हवाई फ्लाई ओवर और मेट्रो रेल के लिए सिंगल कॉलम पिलर्स पर बना है।

आदित्य मित्तल

77वें ग्रैंडमास्टर बने

भारत के 16 वर्षीय आदित्य मित्तल स्पेन में चल रहे एक टूर्नामेंट के दौरान भारत के 77वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बने। मुंबई के ग्रैंडमास्टर बनने के लिए जरूरी 3 मानदंड पहले ही हासिल कर लिए थे। साथ ही स्पेन में चल रहे एलोब्रेगेट ओपन टूर्नामेंट के छठे दौर में उन्होंने 2,500 ईएलओ अंक का आंकड़ा पार कर दिया।

रचना सिंह

भारतवंशी कनाडा में पहली दक्षिण एशियाई मंत्री बनीं

भारतीय मूल की रचना सिंह ने कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया राज्य में पहली दक्षिण एशियाई मंत्री के तौर पर शपथ लेकर इतिहास रचा है। पंजाब यूनिवर्सिटी से पोस्ट ग्रेजुएट रचना को शिक्षा और शिशु कल्याण मंत्री बनाया गया है। वह मो सिहोटा के बाद पोर्टफोलियो संभालने वाली दूसरी पंजाबी हैं। रचना घरेलू दुर्व्यवहार के पीड़ितों की मदद करने के लिए रेफरल एजेंट के रूप में सूचना सेवा वैंकूवर में शामिल हुई थीं। वे 2017 में सरे ग्रीनटिम्बर्स से विधायक चुनी गई थीं।

डीना बोलुआर्टे

पेरु की पहली महिला राष्ट्रपति बनीं

पेरु की पहली राष्ट्रपति के तौर पर डीना बोलुआर्टे ने पद की शपथ ग्रहण की। सुश्री बोलुआर्टे ने 26 जुलाई 2026 तक देश के राष्ट्रपति के रूप में ईश्वर, गृहराज्य और सभी पेरुवियाई नागरिकों को साक्षी मान कर देश के संविधान के अनुसार राष्ट्रपति बने रहने की शपथ ली। ज्ञात रहे कि पेरु में राष्ट्रपति पेड्रो कैस्टिलो को महाभियोग चलाकर हटा दिया गया।

स्मृति शेष

ऑस्कर अवॉर्ड से सम्मानित डॉक्यूमेंट्री निर्माता जूलिया का निधन

वयोवृद्ध डॉक्यूमेंट्री निर्माता जूलिया रिचर्ट का 76 साल की उम्र में निधन हो गया। साल 2020 में अमेरिकन फैक्टरी के निर्माण के लिए उन्हें ऑस्कर पुरस्कार दिया गया था। अमेरिका की एक न्यूज एजेंसी के अनुसार अपने 50 साल के कॅरियर में उन्होंने चार अकादमी अवॉर्ड के नॉमिनेशन में जगह बनाई और पुरस्कार जीता। उनके द्वारा निर्मित पहली डॉक्यूमेंट्री-ग्रोइंग अप फीमेल 1971 में रिलीज हुई थी।

अर्थशास्त्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री वाईके अलघ का निधन

अर्थशास्त्री और पूर्व केंद्रीय मंत्री वाइके अलघ का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थे। अलघ अहमदाबाद के सरदार पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक एंड सोशल रिसर्च में एमेरिट्स प्रोफेसर थे। उन्होंने पेंसिलवेनिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में मानद डिग्री ली थी। 1996-98 तक वे केंद्रीय योजना राज्य मंत्री थे।

मशहूर फ्रेंच लेखक डोमनिक लेपियर का निधन

मशहूर फ्रेंच लेखक डोमनिक लेपियर का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने कई ऐतिहासिक घटनाओं पर पुस्तकें तैयार की हैं। उन्होंने भारत की आजादी और विभाजन पर आधारित फ्रीडम एट मिडनाइट बुक लिखी थी। उनकी लिखी पुस्तक सिटी ऑफ जॉय भी ख्याति प्राप्त रही।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर

No./IPRO/DFA/1166 Date : 15-12-2022

ऑनलाईन ऑफ कैम्पस संयुक्त काउंसलिंग कार्यक्रम – 2022-23

B.Sc. (Hons.) Agriculture, B.Sc. (Hons.) Horticulture, B.Sc. (Hons.) Forestry and B.Tech. (Agricultural Engineering)

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा पी.ए.टी. 2022 के घोषित परिणामों के आधार पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर में प्रवेश के इच्छुक समस्त उम्मीदवार अर्हताकारी परीक्षा में मेरिट के आधार पर तालिका क्रमांक 1.1 में दिये गये श्रेणीवार प्राप्तांक या उससे अधिक प्राप्तांक प्राप्त समस्त अभ्यर्थी तालिका क्र. 1.2 में दर्शाये कार्यक्रमानुसार ऑनलाईन ऑफ केम्पस काउंसिलिंग में इन्टरनेट के माध्यम से अपने घर/शहर/गाँव से वेबसाईट **www.jnkvv.nic.in, www.rvskvv.net** या **www.crisponlineservices.com** के माध्यम से सम्मिलित हो सकते हैं।

तालिका क्र. 1.1

क्र.	श्रेणी	पी.ए.टी.–2022 में प्राप्त प्राप्तांक	
		B.Sc. (Hons.) (Ag./Horti./Forestry)	B.Tech. (Ag. Engg)
1.	स्वतंत्रता संग्राम सेनानी/सैनिक/दिव्यांग अभ्यर्थी समस्त श्रेणी UR/SC/ST/OBC/ EWS (FF/S/PwD)	समस्त पात्र अभ्यर्थी	समस्त पात्र अभ्यर्थी
2.	अनु. जाति श्रेणी की समस्त महिला अभ्यर्थी SC (F)	समस्त पात्र अभ्यर्थी	समस्त पात्र अभ्यर्थी
3.	अनु. जाति SC (X) श्रेणी के समस्त अभ्यर्थी तथा समस्त SC (K) कृषक अभ्यर्थी	समस्त पात्र अभ्यर्थी	समस्त पात्र अभ्यर्थी
4.	अनु. जनजाति श्रेणी की समस्त महिला अभ्यर्थी ST (F)	समस्त पात्र अभ्यर्थी	समस्त पात्र अभ्यर्थी
5.	अनु. जनजाति ST (X) श्रेणी के समस्त अभ्यर्थी तथा समस्त ST (K) कृषक अभ्यर्थी	समस्त पात्र अभ्यर्थी	समस्त पात्र अभ्यर्थी
6.	अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी की समस्त महिला अभ्यर्थी OBC (F)	समस्त पात्र अभ्यर्थी	53 या अधिक
7.	अन्य पिछड़ा वर्ग OBC (X) श्रेणी के समस्त अभ्यर्थी तथा समस्त OBC (K) कृषक अभ्यर्थी	71 या अधिक	62 या अधिक
8.	अनारक्षित श्रेणी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की समस्त महिला अभ्यर्थी UR/EWS (F)	समस्त पात्र अभ्यर्थी	समस्त पात्र अभ्यर्थी
9.	अनारक्षित वर्ग UR (X) के समस्त अभ्यर्थी तथा समस्त UR (K) कृषक अभ्यर्थी	71 या अधिक	62 या अधिक
10.	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) (X/K) के समस्त अभ्यर्थी	समस्त पात्र अभ्यर्थी	समस्त पात्र अभ्यर्थी

तालिका क्र. 1.2

पाठ्यक्रम	ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन एवं इच्छित महाविद्यालयों के प्राथमिकता क्रम का ऑनलाईन चयन एवं शुल्क का भुगतान कर लॉक करना	निर्धारित केन्द्रों पर दस्तावेजों का सत्यापन	आवंटन पत्रों की ऑनलाईन उपलब्धता	काउंसिलिंग शुल्क (आंशिक शुल्क) का भुगतान	आवंटित महाविद्यालय में शेष शुल्क के साथ उपस्थिति एवं प्रवेश
B.Sc. (Hons.) Agriculture B.Sc. (Hons.) Horticulture B.Sc. (Hons) Forestry B.Tech (Agricultural Engineering)	27.12.2022 से 08.01.2023 (रात 12 बजे तक)	28.12.2022 से 09.01.2023 (11 बजे से शाम 5 बजे तक एवं शनिवार व रविवार छोड़कर)	11.01.2023 से 16.01.2023 (रात 12 बजे तक)	11.01.2023 से 16.01.2023 (रात 12 बजे तक)	17.01.2023 से 20.01.2023 तक (11 बजे से शाम 5 बजे तक एवं शनिवार व रविवार छोड़कर)

- प्रवेश नियम, काउंसलिंग प्रक्रिया एवं शुल्क की विस्तृत जानकारी **www.jnkvv.org, www.rvskvv.net** या **www.crisponlineservices.com** पर उपलब्ध है जिसका उम्मीदवार सूक्ष्मता से अध्ययन कर लेवें।
- प्रवेश हेतु मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल **पी.ए.टी. 2022** पुस्तिका में दिये गये प्रवेश नियमों का पालन किया जावेगा।
- सभी पाठ्यक्रमों के अभ्यर्थीयों के दस्तावेजों का सत्यापन निम्नलिखित केन्द्रों पर होगा– कृषि महाविद्यालय जबलपुर/रीवा/टीकमगढ़/गंजबसौदा/बारासिवनी (बालाघाट)/पवारखेड़ा (होशंगाबाद)/ग्वालियर/ इन्दौर/ सीहोर/खंडवा/उद्यानिकी महाविद्यालय, मंदसौर/कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, जबलपुर/आंचलिक अनुसंधान केन्द्र, चंदनगांव, छिंदवाड़ा/क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, सागर।
- पेमेन्ट सीट पर उन्हीं अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता होगी, जिन्होंने मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल **पी.ए.टी. 2022** में आवेदन करते समय पेमेन्ट सीट के ऑप्शन पर टिक किया होगा या **Yes** लिखा होगा एवं अभ्यर्थियों का नाम व्यापम पेमेंट सूची में अनिवार्य रूप से होना आवश्यक है।
- मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल, भोपाल पुस्तिका 2022 में दर्शाये गये प्रारूप अनुसार ही वांछित प्रमाण–पत्र लाना अनिवार्य होगा।
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ई.डब्ल्यू.एस.) के अभ्यर्थियों को सामान्य प्रशासन विभाग, भोपाल के **पत्र क्रमांक–एफ–07–11/2022/आ.प्र./एक भोपाल, दिनांक 02 जुलाई, 2022** का संलग्नक प्रारूप के आधार पर प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।
- आवश्यक प्रमाण पत्रों की रंगीन छायाप्रति महाविद्यालय में प्रवेश के समय जमा करना आवश्यक है।
- अपग्रेडेशन का विकल्प केवल प्रथम चक्र में ही उपलब्ध होगा।
- प्रथम चक्र की काउंसलिंग प्रक्रिया पूर्ण होने के पश्चात शेष रिक्त सीटों का महाविद्यालयवार एवं श्रेणी वार जानकारी **www.jnkvv.nic.in, www.rvskvv.net** एवं **www.crisponlineservices.com** पर प्रदर्शित किया जावेगा एवं रिक्त सीटों का आवंटन द्वितीय चक्र में जिन अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन पूर्व में हो चुका है उन्हीं अभ्यर्थियों में से मेरिट के आधार पर ऑनलाईन आवंटन किया जावेगा।

कुलसचिव

R-47901/2022

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग
रेसीडेंसी क्षेत्र - इंदौर

शुद्धि पत्र क्रमांक 09/03/2019 दिनांक 13.12.2022

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 के ऑनलाइन आवेदन स्थगन के संबंध में सूचना

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा विज्ञापन क्रमांक 03/2019, दिनांक 14.11.2019 के अनुक्रम में राज्य सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा 2019 का पुनरीक्षित परीक्षा परिणाम दिनांक 10.10.2022 को घोषित किया गया था। सफल अभ्यर्थियों को राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 के Form भरने के लिये दिनांक 14.12.2022 से Online Application की Link प्रारंभ करने की सूचना विज्ञप्ति दिनांक 05.12.2022 द्वारा दी गई थी।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2019 हेतु Online Application Form भरने की प्रक्रिया अपरिहार्य कारणों से आगामी आदेश तक स्थगित की जाती है।

जी-20516/47898/2022 **सचिव**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, BHOPAL (M.P.) - 462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)

No./17570/22/D-12/NIT-Maint./2022 Bhopal, Dated : 15.12.2022

NOTICE INVITING TENDER No. 197/MTN/2022

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

1. **Table No. 1 :- Name of Work -** Repair/ Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna (post 5 Year).

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	1	1504759.00
2	Balaghat	4	25775088.00
3	Bhopal	2	17835039.00
4	Chhindwara	2	17415289.00
5	Dewas	5	38717344.00
6	Dhar	1	21520087.00
7	Gwalior	1	3480551.00
8	Harda	1	3138964.00
9	Jabalpur	2	18248721.00
10	Katni	1	3660689.00
11	Khandwa	1	3263468.00
12	Neemuch	1	4124257.00
13	Narsinghpur	3	38901047.00
14	Raisen	2	5966677.00
15	Rajgarh	1	2815836.00
16	Ratlam	1	2175798.00
17	Rewa	1	2169700.00
18	Sagar	1	2986364.00
19	Shajapur	2	12420950.00
20	Shivpuri	1	3342229.00
21	Singrauli	1	3809467.00
22	Ujjain	2	5773411.00
23	Vidisha	2	10548898.00

2. **Table No. 2 :- Name of Work -** Repair/ Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna (Post 10 Year).

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	1	17852835.00
2	Balaghat	3	25411466.00
3	Chhindwara	1	3883619.00
4	Dewas	1	23021663.00
5	Harda	1	11918164.00
6	Indore	1	9478949.00
7	Khandwa	5	48695876.00
8	Raisen	1	1033918.00
9	Ratlam	3	16455789.00
10	Sidhi	1	2749314.00
11	Seoni	1	4001807.00
12	Shajapur	1	2962330.00
13	Ujjain	1	6589183.00
14	Vidisha	1	9047357.00

3. **Table No. 3 :- Name of Work -** Repair/ Maintenance of The Rural Roads For Five Years Constructed Under Pradhan Mantri Gram Sadak Yojna (Post 15 Year).

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Agar Malwa	1	5923882.00
2	Balaghat	1	3579959.00
3	Chhindwara	4	33797461.00
4	Dhar	1	6706557.00
5	Dewas	1	19363592.00
6	Harda	1	11663431.00
7	Jabalpur	1	8844560.00
8	Jhabua	1	2548225.00
9	Narmadapuram	2	6547334.00
10	Narsinghpur	1	15203901.00
11	Neemuch	1	22148642.00
12	Sagar	1	690155.00
13	Shajapur	1	4615690.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **19.12.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

M.P. Madhyam/107718/47912/2022 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

M.P. INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(Government of Madhya Pradesh Undertaking)
(Formerly M.P. Audyogik Kendra Vikas Nigam (I) Ltd.)
Regional Office : 101, First Floor, Atulya IT Park, Near Crystal IT Park
Khandwa Road, Indore – 452001 (M.P.) (CIN : U51102MP1977SGC001392)
Phone : (0) 0731-2970611, 2974363, 2971311, Fax No. : 0731-2972629
Website : invest.mp.gov.in, E-mail : ed.roind@mpidc.co.in

No. MPIDC/ROIND/TECH/22/9935 Date : 16.12.2022

NOTICE INVITING TENDER

Online tenders are invited on behalf of the Executive Director, MPIDC RO Indore, from registered contractors in any State/Central Government/any Government undertaking or reputed firms for the following work. The Tenders would be made available on the e-portal **https://www.mptenders.gov.in.**

Name of Work	Probable amount of contract (in Lakh)	EMD (in Rs.)	Cost of Tender form (in Rs.)	Last date of Submission of Tender
Selection of outsourcing agency for manpower at MPIDC RO Indore.	66.33	66330/-	11800/-	02.01.2023

Detailed NIT along with other details can be viewed on above mentioned portal.

M.P. Madhyam/107735/47915/2022 **EXECUTIVE ENGINEER**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.–462011

No./17557/FA/WB/CMGSY/2022 Bhopal, Dated 15.12.2022

IFB No. WB–49/1040

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Implementation of Engineering Improvements of Blackspots under Community Participatory Road Safety Program for selected stretches under Public Works Department (PWD) Indore in Indore as under :-

S. No.	Name of District	Number of Packages	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Indore	1	11050000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **16.12.2022 from 17.30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

Madhyam/107714/47911/2022 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति
अमरपाटन जिला सतना (म.प्र.)

क्र./मण्डी/निर्माण/2022-23/342 अमरपाटन, दिनांक : 01.12.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

प्रमुख अभियंता म.प्र. लोक निर्माण विभाग (एकीकृत पंजीयन प्रणाली) में पंजीकृत निविदाकारों से प्रतिशत दर आधार पर सिस्टम निविदा क्रमांक 2022_MPSAM_235713_1 दिनांक 03.12.2022 सुबह 11:30 से ऑनलाइन निविदाएं **दिनांक 26.12.2022 को सायं 5:30 बजे तक** निविदा प्रपत्र एवं अन्य जानकारी निविदाकारों को म.प्र. शासन के ई-निविदा पोर्टल **htts.//www.mptenders.gov.in** पर प्राप्त होगी एवं उक्त निविदा से संबंधित समस्त जानकारी मंडी बोर्ड के पोर्टल **www.mpmandiboard.gov.in** पर भी अवलोकनीय होगी।

नोटः- आवश्यक होने पर उपरोक्त निविदा सूचना से संबंधित किसी प्रकार की संशोधन सूचना अथवा अन्य जानकारी केवल उपरोक्तानुसार ऑनलाइन पोर्टल पर प्रदर्शित की जावेंगी।

म.प्र. माध्यम/107552/47903/2022 **सचिव**

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर
इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in, फोन : 0734-2527715
मोबा. : 9406808103

क्र. 1429/पय/मप्रपुहाइडेकालि/22/उज्जैन दिनांक : 09.12.2022

निविदा आमंत्रण सूचना क्र. 19/2022-23

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 19/2022-23 दिनांक 09.12.2022 के अंतर्गत जिला शाजापुर के विभिन्न स्कूलों में निर्माण कार्य की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2022_MPPHC_236237, 2022_MPPHC_236238, 2022_MPPHC_236239, 2022_MPPHC_236240, 2022_MPPHC_236456, 2022_MPPHC_236457, 2022_MPPHC_236458, 2022_MPPHC_236460 कुल 8 निविदाएं आमंत्रित की गई हैं।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 10.12.2022 17.00 बजे से** क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107650/47904/2022 **परियोजना यंत्री**

समूह-4 के अंतर्गत सहायक ग्रेड-3, स्टेनो टायपिस्ट, शीघ्रलेखक व अन्य पदों की सीधी भर्ती व सीधी भर्ती-बैकलॉग हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा-2023 के संबंध में

आवेदन पत्र भरने की तिथि 06.03.2023 से 20.03.2023 तक | **ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी** | **आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 06.03.2023 से 25.03.2023 तक**

परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	महत्वपूर्ण निर्देश पढ़ने का समय	उत्तर अंकित का समय
05.08.2023 से प्रारम्भ	प्रथम	प्रातः 07:00 से प्रातः 08:00 बजे तक	प्रातः 08:50 से प्रातः 09:00 बजे तक (10 मिनट)	प्रातः 09:00 से 11:00 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 01:00 से दोपहर 02:00 बजे तक	02:50 से प्रातः 03:00 बजे तक (10 मिनट)	दोपहर 03:00 से सायं 05:00 बजे तक (02 घंटे)

परीक्षा शहर :- भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, रतलाम, सागर, सतना, खण्डवा, सीधी एवं रीवा।

आवेदन पत्र भरने की प्रक्रिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा की विस्तृत नियमपुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.peb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.peb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **परीक्षा शुल्क :-**

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 500/-
अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए (केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासियों के लिए)	रु. 250/-
ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटिजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-
सीधी भर्ती- बैकलॉग	कोई शुल्क नहीं

विशेष निर्देश :

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पेन कार्ड, ड्रायविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट में से कोई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई-आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अतः जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक है, वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगी। इसके पश्चात् विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, घड़ी एवं नकल पर्चा आदि का उपयोग पूर्णतः वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अतः आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को काला बाल प्वाइंट पेन तथा परीक्षा हॉल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रक्रिया के दौरान संबंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अतः कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णतः प्राविधिक (Provisional) होगी।
11. उपरोक्त सभी पदों के लिये अभ्यर्थी का मध्यप्रदेश राज्य के रोजगार कार्यालय में जीवित पंजीयन होना अनिवार्य होगा।
12. मध्यप्रदेश के विशेष आदिम जनजाति समुदाय जैसे- बैगा, सहारिया/सहरिया एवं भारिया अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों का अकार्यपालिक पदों के लिये अपने आवेदन पत्र समस्त आवश्यक प्रमाण-पत्र संलग्न करते हुये हार्डकॉपी में (नियम पुस्तिका के प्रारूप-3 में) आवेदन पत्र भरने की अंतिम तिथि तक मंडल को न भेजते हुए सीधे संबंधित विभाग को पृथक-पृथक आवेदन प्रेषित करना होगा। मण्डल को प्रेषित आवेदन पत्र अमान्य माना जायेगा।
13. कार्यपालिक पद हेतु आदिम जनजाति, (बैगा, सहारिया/सहरिया एवं भारिया) के अभ्यर्थियों को परीक्षा से छूट का प्रावधान नहीं होगा, वे अभ्यर्थी अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन करें (ऐसी स्थिति में नियम पुस्तिका की बैगा, सहारिया एवं भारिया से संबंधित सभी कण्डिकाएं विलोपित मान्य होंगी)।

विशेष नोट : मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 35/2022

संचालक

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल

MADHYA PRADESH EMPLOYEES SELECTION BOARD (MPESB)

'चयन भवन' मेन रोड नं.- 1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल- 462011, Fax : +91-0755-2550498, Website : www.peb.mp.gov.in

R-47908/2022

मान ग्रुप ऑफ कॉलेज

सुल्तानिया रोड, स्टेट बैंक चौराहे के पास, भोपाल–462001
इन्द्र विहार कालोनी, एयरपोर्ट रोड़, भोपाल–462032
Tel. No. 9425010770, 9425605962

इंडियन नर्सिंग कांउसिल, नई दिल्ली, मध्य प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल, भोपाल, म.प्र. पैरामेडिकल काउंसिल, म.प्र. मेडिकल साइंस विश्वविद्यालय, जबलपुर एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग म.प्र. से मान्यता प्राप्त

प्रवेश जारी सत्र 2022-23

क्र.	पाठ्यक्रम	अवधि
1.	मास्टर ऑफ नर्सिंग **(एम.एस.सी नर्सिंग)**– योग्यता बी.एस.सी. नर्सिंग	2 वर्ष
2.	मास्टर ऑफ मेडिकल लेब टेक्निशियन **(एम.एम.एल.टी.)** योग्यता बी.एम.एल.टी.	2 वर्ष
3.	बैचलर इन फिजियोथेरेपी **(बी.पी.टी.)**– 6 माह इंटर्नशिप	4½ वर्ष
4.	बी एस, सी इन एक्स–रे **(बी.एक्स.आर.टी)**	3 वर्ष
5.	डिप्लोमा इन मेडिकल लेब टेक्निशियन **(डी.एम.एल.टी.)**	2 वर्ष
6.	सर्टिफिकेट इन **एक्स–रे रेडियोग्राफर टेक्निशियन**	1 वर्ष

क्रमांक 3 से क्रमांक 6 के लिए योग्यता 12वीं जीव विज्ञान विषय से। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के छात्रों के लिये शासन अनुसार छात्रवृत्ति की सुविधा। LAKSHYA

R-47921/2022

म.प्र. पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड, संभाग क्रमांक-03, भोपाल-462003
Mobile No. : 9425601545, ई-मेल : mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/916/पयं/भोपाल-03/तशा/2022
भोपाल, दिनांक : 15.12.2022

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत निविदा क्रमांक-13/2022-23(ऑनलाइन निविदा क्रमांक-237965) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र **दिनांक 21.12.2022 सायं 5:00 बजे तक** ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107710/47909/2022 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(An Agency of Panchayat & Rural Development Department, Govt. of M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryavas Bhawan, Bhopal M.P.-462 011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./17388/22/D-12/NIT-Maint. /2022 Bhopal, Dated : 13.12.2022

NOTICE INVITING TENDER No. 195/MTN/2022
(Flood Damage-SR)

Online Tenders for the following works are invited on the E-Procurement System portal **https://mptenders.gov.in** as detailed below.

- **Table-1 : Name of Work -** Special Repair of Roads/Culverts (Flood Damage)
- **SSR Applicable -** SSR issued by M.P. Rural Road Development Authority effective from 01.09.2017 and amendments upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1.	Dhar	1	445000.00
2.	Damoh	1	3315000.00
3.	Harda	2	1321000.00
4.	Jhabua	1	2446000.00
5.	Seoni	1	851000.00
6.	Umaria	1	3690000.00

- **Table-2 : Name of Work -** Special Repair of Bridges (Flood Damage)
- SOR issued by Engineer-in-Chief MPPWD Bhopal for Road and Bridge work effective from 29.08.2017 and amended upto issue date of NIT.

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (in Rs.)
1	Sheopur	1	3356000.00
2	Shivpuri	1	12237000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **15.12.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/107683/47906/2022 **(TENDER)**

म.प्र. पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड

कार्यालय परियोजना यंत्री, डी-5/2, एम.आय.जी., महाश्वेता नगर, इस्कॉन मंदिर के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
Email : mpphcl_ujjain@yahoo.in
फोन : 0734-2527715, मोबा. : 9406808103
क्र. 1453-1454/पयं/मप्रपुहाइडेकालि/22/ उज्जैन, दि. : 16.12.2022

निविदा आमंत्रण सूचना

मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड, संभाग उज्जैन के अंतर्गत निविदा क्रमांक 20/2022-23 दिनांक 16.12.2022 के अंतर्गत अजाक थाना भवन का निर्माण कार्य, आगर मालवा एवं निविदा क्रमांक-21/2022-23 दिनांक 16.12.2022 के अंतर्गत 8+12+418 आवास गृह, नीमच के बाह्य विद्युतीकरण कार्य की ऑनलाइन निविदा आईडी क्र. 2022_MPPHC_237856, 2022_MPPHC_238158 आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र ऑनलाइन **दिनांक 16.12.2022, 17.00 बजे से** क्रय किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal: https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107730/247914/022 **परियोजना यंत्री**

मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम

कार्यालय परियोजना यंत्री, भदभदा रोड संभाग क्रमांक-03 भोपाल-462003
Mobile No. : - 9425601545, ई-मेल :- mpphidcbpl3@gmail.com
क्र.-मप्रपुआअविनि/910/पयं/भोपाल-03/तशा/2022 भोपाल, दिनांक : 13.12.2022

प्रेस विज्ञप्ति

भोपाल संभाग-3 के अंतर्गत निविदा क्रमांक-12/2022-23 (ऑनलाइन निविदा क्रमांक-237532) आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 21.12.2022 सायं 5:00 बजे तक ऑनलाइन खरीदे एवं दस्तावेज अपलोड किये जा सकते हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं अन्य विवरण **Portal : https://www.mptenders.gov.in** पर देखे जा सकते हैं।

म.प्र. माध्यम/107675/47905/2022 **परियोजना यंत्री**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal (M.P.)–462011
(GST No. 23AAATM9054A3ZX)
No./17474/22/D-12/MPRRDA/2022 Bhopal, Dated : 13.12.2022

NOTICE INVITING TENDER No. 1038
UPG & DMF

Online Tenders for Construction of Rural Roads/CDs with 5 years maintenance are invited on the E-Procurement System portal **https://www.mptenders.gov.in** as detailed below :

- **Table-1: Name of work : Up-gradation (UPG)**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Balaghat	2	51159000.00
2.	Guna	1	38138000.00
3.	Satna	1	12846000.00
4.	Waidhan	1	32986822.00

- **Table-2: Name of work : DMF**

S. No.	Name of District	No. of Packages	Total PAC (In Rs.)
1.	Betul	1	9593542.00

1. Tender document can be purchased and submitted only online from the above website **from 15.12.2022 from 17:30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed N.I.T. and tender document for construction & maintenance of rural roads/Bridges Sept. 2017 on the above-mentioned portal and concerned PIU.

Madhyam/107688/47907/2022 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

सांची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय
Sanchi University of Buddhist-Indic Studies
(Established by Madhya Pradesh ACT No. 1 of 2013)
Gateway Retreat Campus (NPT), Sanchi, Distt. Raisen (M.P.)

निरस्तीकरण सूचना

सांची-बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न स्कूल, विभाग, केंद्रों में प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर सीधी भर्ती के माध्यम से नियुक्ति हेतु **विज्ञापित विज्ञापन क्रमांक 1841 दिनांक 08/08/2022 अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।**

M.P. Madhyam/107719/2022 कुलसचिव

R-47913/2022

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal M.P.–462011
No./17554/FA/WB/CMGSY/2022 Bhopal, Dated 15.12.2022

IFB No. WB–48/1039

Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Implementation of Engineering Improvements of Blackspots under Community Participatory Road Safety Program for selected stretches under Indore Municipal Corporation (IMC) in Indore as under :-

S. No.	Name of District	Number of Packages	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Indore	1	22430000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **16.12.2022 from 17.30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

Madhyam/107712/47910/2022 **CHIEF GENERAL MANAGER (TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal (M.P.)-462011

IFB No. WB –50/1041

No./17643/FA/WB/CMGSY/2022 Bhopal, Dated : 16.12.2022
Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Implementation of Engineering Improvements of Blackspots under Community Participatory Road Safety Program for selected stretches under Madhya Pradesh Road Development Corporation (MPRDC) Bhopal in Datia as under :-

S. No.	Name of District	Number of Packages	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Datia	1	11891000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **20.12.2022 from 17.30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/107741/47916/2022 **(TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal (M.P.)-462011

IFB No. WB –51/1042

No./17646/FA/WB/CMGSY/2022 Bhopal, Dated : 16.12.2022
Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Implementation of Engineering Improvements of Blackspots under Community Participatory Road Safety Program for selected stretches under Madhya Pradesh Road Development Corporation (MPRDC) Bhopal in Dhar as under :-

S. No.	Name of District	Number of Packages	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Dhar	1	973000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **20.12.2022 from 17.30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/107742/47917/2022 **(TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal (M.P.)-462011

IFB No. WB –52/1043

No./17649/FA/WB/CMGSY/2022 Bhopal, Dated : 16.12.2022
Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Implementation of Engineering Improvements of Blackspots under Community Participatory Road Safety Program for selected stretches under Madhya Pradesh Road Development Corporation (MPRDC) Bhopal in Dhar (Ujjain Division) as under :-

S. No.	Name of District	Number of Packages	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Ujjain	1	5005000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **20.12.2022 from 17.30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/107743/47918/2022 **(TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal (M.P.)-462011

IFB No. WB –53/1044

No./17652/FA/WB/CMGSY/2022 Bhopal, Dated : 16.12.2022
Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Implementation of Engineering Improvements of Blackspots under Community Participatory Road Safety Program for selected stretches under Public Works Department (PWD) Dhar in Dhar as under :-

S. No.	Name of District	Number of Packages	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Dhar	1	7263000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **20.12.2022 from 17.30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/107744/47919/2022 **(TENDER)**

MADHYA PRADESH RURAL ROAD DEVELOPMENT AUTHORITY

(AN AGENCY OF PANCHAYAT & RURAL DEVELOPMENT DEPARTMENT, GOVT. OF M.P.)
5th Floor, Block-II, Paryawas Bhawan, Bhopal (M.P.)-462011

IFB No. WB –54/1045

No./17655/FA/WB/CMGSY/2022 Bhopal, Dated : 16.12.2022
Online item rate bids are invited on e-procurement portal **https://www.mptenders.gov.in** for Implementation of Engineering Improvements of Blackspots under Community Participatory Road Safety Program for selected stretches under Madhya Pradesh Rural Road Development Authority,Dhar in Dhar as under :-

S. No.	Name of District	Number of Packages	Total Estimated Cost (In Rs.)
1.	Dhar	1	2572000.00

1. Tender document can be purchased only online from the above website from **20.12.2022 from 17.30 hrs.**
2. Other Critical dates and details can be viewed in the detailed IFB and tender document on the above-mentioned portal and concerned PIU.

CHIEF GENERAL MANAGER
M.P. Madhyam/107745/47920/2022 **(TENDER)**

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर

नवीन विधि महाविद्यालय के सामने दे.अ.वि.वि. परिसर खंडवा रोड, भंवर कुआं, इंदौर
दूरभाष नं. 0731-2920465
(E-mail : gpetcindore2014@gmail.com)

क्रमांक/पीईटीसी/2022/ इंदौर, दिनांक : 09.12.2022

विज्ञप्ति

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा भू-अभिलेख, राजस्व विभाग के अंतर्गत पटवारी (कार्यपालिक) पद हेतु अनुसूचित जाति एवं जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये संयुक्त भर्ती परीक्षा 2022 का प्रशिक्षण

शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इन्दौर द्वारा, भू-अभिलेख, राजस्व विभाग के अंतर्गत पटवारी पद हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा-2022 जो 15.03.2023 को होनी प्रस्तावित है, के लिये प्रदेश के अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के पात्र उम्मीदवारों द्वारा निर्धारित प्रपत्र में आवेदन पत्र (50 सीट्स के लिये) आमंत्रित किये जाते हैं।

उक्त प्रशिक्षण शा. परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में निःशुल्क दिया जायेगा। प्रशिक्षण 29 दिसंबर 2022 से प्रारंभ होंगे। **आवेदन कार्यालयीन समय में दि. 26 दिसंबर 2022 तक जमा किये जा सकेंगे।** चयन का आधार स्नातक में प्राप्त मेरिट होगा।

आवेदन जमा करने का पता : शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर, नवीन विधि महाविद्यालय के सामने दे.अ.वि.वि. तक्षशिला परिसर इंदौर, दूरभाष क्र. 0731-2920465

प्रशिक्षण हेतु प्रवेश की शर्तें :

1. अभ्यर्थी किसी मान्यता प्राप्त वि.वि. से न्यूनतम 55% अंकों से उत्तीर्ण हो।
2. आवेदक म.प्र. का मूल निवासी हो एवं अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग का हो।
3. आय प्रमाण-पत्र (आय सीमा 6.00 लाख तक) जाति प्रमाण-पत्र एवं मूल निवासी प्रमाण पत्र सक्षम अधिकारी द्वारा प्रदत्त ही मान्य होंगे।
4. प्रशिक्षण के समय कॉशनमनी 500/- रु. जमा करना अनिवार्य है जो प्रशिक्षण समाप्त होने पर वापस कर दी जावेगी।
5. अंतिम तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
6. आयु सीमा 18 से 45 वर्ष रहेगी।
7. आवेदन पत्र के साथ अभिप्रमाणित अंकसूचियां, आधार कार्ड, स्वयं के बैंक खाते की पासबुक की छायाप्रति एवं 02 पासपोर्ट साईज रंगीन फोटो अनिवार्य रूप से संलग्न करें। अधूरे आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा।
8. प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी होगा।
9. पात्रतानुसार 500 रु. प्रतिमाह शिष्यवृत्ति की पात्रता होगी।
10. प्रवेश पत्र प्राप्त होते ही तत्काल संस्था में अपना रोल नंबर नोट करवायें।
11. छात्रावास सुविधा उपलब्ध नहीं है।
12. आवास सहायता का लाभ नहीं दिया जायेगा।

पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र में आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन कार्यालयीन समय में कार्यालयीन पते पर जमा करना सुनिश्चित करें।

प्राचार्य,
परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर
अजा./अजजा.

कार्यालय शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, इंदौर

म.प्र. कर्मचारी चयन मण्डल भोपाल द्वारा भू-अभिलेख, राजस्व विभाग के अंतर्गत पटवारी (कार्यपालिक) पद हेतु संयुक्त भर्ती परीक्षा 2022 का प्रशिक्षण

1. पूरा नाम (1) हिन्दी में : ..... अंग्रेजी में .....
2. पिताजी का नाम : .....
3. माता का नाम : .....
4. जन्म दिनांक : .....
5. पत्र व्यवहार का पता पिन कोड सहित : ग्राम ..... तहसील .....
   जिला ..... पिन कोड .....
6. जाति : ..... उपजाति .....
7. परिवार के मुखिया का व्यवसाय : ..... मुखिया की वार्षिक आय .....
8. स्वयं का व्यवसाय/सर्विस यदि हो तो : .....
9. स्वयं का मोबाईल नंबर : ..... पिता का मो.नं. : .....
10. आवेदक का ई-मेल आय.डी. .....
11. पटवारी के अतिरिक्त जो भी परीक्षा यदि दे रहे हैं तो नाम व रोल नं. .....
12. **शैक्षणिक योग्यता :**

स्वयं द्वारा हस्ताक्षरित रंगीन फोटो

क्र.	शिक्षा (संकाय सहित)	विषय	मण्डल/वि.वि.	श्रेणी	प्रतिशत	रिमार्क
1.	हाईस्कूल ( )					
2.	हायर सेकेंडरी ( )					
3.	स्नातक					
4.	अन्य					

13. संलग्न : 1. जाति, मूल निवासी प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित छायाप्रतियां।
2. कुल वार्षिक आय 6.00 लाख तक का आय प्रमाण पत्र आवश्यक।
3. हाईस्कूल, हा. से. एवं स्नातक की अंकसूचियों की अभिप्रमाणित छायाप्रतियां।
4. आधार कार्ड एवं स्वयं के बैंक खाते की छायाप्रति।
5. एक अतिरिक्त रंगीन फोटो भी संलग्न करें।
6. कोविड टीकाकरण का प्रमाण-पत्र।
7. एडमिट कार्ड की छायाप्रति आने पर लगाना अनिवार्य होगी।

दिनांक : हस्ताक्षर आवेदक
नाम :
पता :
मो.नं. :

घोषणा पत्र

मैं ..... घोषणा करता हूं/करती हूं कि संस्थान में अनुशासन, मर्यादा, समय प्रबंधन का पालन करते हुये संस्था में नियमित उपस्थित रहकर सभी मूल्यांकन दूंगा/दूंगी।

पटवारी परीक्षा में अवश्य सम्मिलित होऊंगा/होऊंगी एवं रोल नं. प्राप्त होने पर तत्काल संस्था को अवगत कराऊंगा/कराऊंगी। उल्लंघन करने पर मेरा नाम तत्काल प्रभाव से खारिज किया जा सकता है।

स्थान : **हस्ताक्षर आवेदनकर्ता**
दिनांक : **नाम** .....

जी-20391/47896/2022

बैगा देवलोक

बैगा जनजाति भारत के सबसे प्राचीनतम जनजातीय समूहों में से एक आदिम जनजाति है। अन्य जनजातियों की अपेक्षाकृत बैगा जनजाति में सामाजिक रहन-सहन और धार्मिक मान्यताओं में परिवर्तन कम ही परिलक्षित होता है। बैगा समुदाय के लोग अपने आप को पृथ्वी पुत्र अर्थात धरती का सेवक मानते हैं। बैगा की उत्पत्ति के संबंध में किंवदंती है कि चारों ओर लहराते जल के बीच एक काली चट्टान थी, जिसमें से एक बांस का झुरमट निकला था। बांस के उस झुरमट में बांस के एक पोले हिस्से से बैगिन और दूसरे हिस्से से बैगा की उत्पत्ति मानी जाती है।

बैगिन को सपने में पातालवासिनी धरती के दर्शन हुए। उसके अगले दिन बैगा ने कारीमन कौए को पृथ्वी का पता लगाने के लिए भेजा। कौआ धरती का पता लगाकर उसको लेकर आ गया। धरती के आने पर बैगा ने उसके अर्थात धरती के बीज पर पानी छिड़का। इसी समय एक बैगा और बैगिन के यहां एक लड़के और लड़की जन्म ले चुके थे। बैगा-बैगिन के बांस से नीचे उतरने पर भी धरती डगमगा रही थी। काफी सोच-विचार के पश्चात उन्हें समझ में आया कि बगैर मोल अर्थात कीमत चुकाये धरती स्थिर नहीं हो सकेगी।

अपने बच्चों का बलिदान देने की मंशानुरूप वे उन्हें अर्थात अपने बच्चों को बांस की ढुटी में रखकर चल दिये। राह चलते-चलते उनकी मुलाकात सबसे पहले मुर्गा-मुर्गी से हुई। उसके बाद बकरा-बकरी तथा इसके बाद सुअर-सुअरनी से हुई। इस प्रकार राह चलते-चलते सभी जानवर उनके उद्देश्य को समझ गये। उनके उद्देश्य की महत्ता को समझकर सभी जानवरों ने अपने-अपने बच्चे धरती मां को चढ़ाने के लिए दिये, जिससे धरती पर मानव का बीज बचा रह सकें। बैगा और बैगिन ने अगरिया, तामासुर, कॉसासुर भाइयों से लोहे, तांबा, और कांसा की कीलें बनवाकर और उन्हें जगाकर धरती पर ठोककर पूजन की। इस प्रकार करने से धरती स्थिर हो गई। इस प्रकार मंडला, डिण्डौरी क्षेत्र में गोण्ड तथा अन्य जनजातियों के लिए फसल बुवाई के पहले प्रति वर्ष माटी पूजन तथा बीज बनाने का कार्य बैगा ही करते हैं।

बैगा जाति विशेष का सूचक होने के साथ गुनिया और ओझा का पर्याय भी माना जाता है। विझवार, नरोटिया या नाहर, भरोतिया, नाहर, राय भैना और कट भैना, कोंडवान या कुंडी गोण्ड भैना, बैगा जाति की उप जाति हैं। बैगा जनजाति छोटा नागपुर के भुइया जनजाति का एक वंश है। मंडला में बैगाओं का एक छोटा समूह भरिया बैगा कहलाता है। बैगा जनजाति का मुख्य व्यवसाय कृषि माना जाता है। इसके अलावा ये जड़ी-बूटी और वनोपज संग्रहण का कार्य भी करते हैं। वर्तमान में इन्होंने मेहनत, मजदूरी सहित अन्य कार्यों को भी करना प्रारम्भ कर दिया है। उक्त जिलों में निवासरत बैगा जनजाति के अध्ययन के दौरान प्रतीत होता है कि बैगा जनजाति में धर्म की उत्पत्ति उनकी आस्था अनुष्ठान के केन्द्र में होती है।

निवास क्षेत्र

मध्यप्रदेश के अतिरिक्त बैगा जनजाति छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र में भी पाई जाती है। मध्यप्रदेश के साथ ही बैगा छत्तीसगढ़ राज्य की भी विशेष पिछड़ी जनजाति मान्य की गई है। छत्तीसगढ़ में बैगा विशेष पिछड़ी जनजाति मुख्यत कवर्धा, बिलासपुर, गोरेला और पंडरिया जिले में विशेष रूप से पाई जाती है। मंडला, डिण्डौरी, बालाघाट, अनूपपुर, शहडोल और उमरिया जिलों के बैगाओं में पुरानी छत्तीसगढ़ी बोली का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिलता है। कहीं-कहीं पर हिन्दी मिश्रित छत्तीसगढ़ी बोली भी परिलक्षित होती है।

धार्मिक मान्यताएं एवं अनुष्ठान

बैगा जनजाति भी विशेषकर जंगल एवं वन तथा पहाड़ों में निवास करती है, जहां पर उनका पेड़ एवं वृक्ष से विशेष लगाव पाया जाता है। एक प्रकार से इन लोगों की आस्था एवं श्रद्धा विशेष वृक्षों से जुड़ी हुई होती है। मानव जीवन तथा वृक्षों की संरक्षणवादी प्रवृत्ति हमेशा एक-दूसरे की पूरक रही है। पर्यावरण को संतुलित बनाये रखने में वृक्षों की महती भूमिका के कारण इन परोपकारी वृक्षों को धरती पुत्र की संज्ञा दी जाती है। इन वृक्षों में पीपल, बरगद, तुलसी, आंवला, सरई, बांस, चंदन (साल्हे) आदि के साथ बैगा जनजाति की गाथाएं, व्रत, अनुष्ठान आदि भी जुड़ते चले गये, जिनका विवरण निम्न प्रकार है -

(01) चंदन का वृक्ष - बैगानी भाषा में चंदन वृक्ष को 'साल्हे' कहा जाता है। चंदन वृक्ष के साथ पवित्रता का बोध जुड़ा होने से बैगा जनजाति के लोग शादी-विवाह के मण्डप के समय, चंदन का खाम गाड़ते हैं, जो कि पवित्रता एवं शुद्धता का प्रतीक माना जाता है। इसके अतिरिक्त चंदन अर्थात साल्हे वृक्ष की छाल का उपयोग बैगा लोग 'शीत' की बीमारी को ठीक करने में करते हैं।

(02) बरगद का वृक्ष - बैगा जनजाति के लोग बरगद के वृक्ष को देवतुल्य मानते है। ये बरगद के पेड़ के चारों ओर चबूतरा बनाकर पेड़ के तने के पास अपने ईष्टदेव की स्थापना करते हैं। बैगा लोग मनौती मांगते समय बरगद के पेड़ के पास त्रिशूल चढ़ाते हैं। इस स्थान को बैगा लोग देव स्थान कहते हैं।

(03) आम का वृक्ष - जनजातीय समाज में आम का वृक्ष पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। बैगा समाज में आम की पत्तियों को शुभ और मंगल हेतु मंडप के बीचों बीच 'खाम' के ऊपरी हिस्से पर आम की पत्तियों को धागे द्वारा बांधा जाता है। इसके अतिरिक्त रसोई में कच्चे आम का प्रयोग चटनी के रूप में करते हैं। कच्चे आम को काटकर सुखाकर इसको संरक्षित करके रखते हैं।

(04) महुआ का वृक्ष - बैगा महुआ के वृक्ष को धरती का पुत्र मानते हैं। ये लोग महुआ वृक्ष के प्रत्येक अंग का उपयोग बड़ी चतुराई से करते हैं। महुए की पत्ती का उपयोग पत्तल-दोना बनाने में तथा महुए की लकड़ी का उपयोग कृषि उपकरण बनाने में, खप्पर एवं ईंट पकाने में करते हैं। बैगा लोगों का मानना है कि जिस प्रकार पुत्र घर की जिम्मेदारी संभालता है। उसी प्रकार महुए का वृक्ष बैगा लोगों को संभालता है। इस प्रकार महुए के वृक्ष को पुत्र का प्रतीक कहा जाता है।

(05) पीपल का वृक्ष - बैगा जनजाति के लोग पीपल के वृक्ष में ब्रह्मा भगवान एवं अन्य देवताओं का निवास करना मानते हैं इसलिये ये पीपल की लकड़ी का उपयोग निजी जीवन में नहीं करते हैं। इस समाज के लोग पीपल के वृक्ष के तने के पास पत्थर रखकर भगवान की स्थापना कर उसकी पूजा करते हैं। इस प्रकार बैगा लोगों में पीपल का वृक्ष जीवों को चिरायु रखने का एवं पूजा का प्रतीक माना जाता है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अगर देखा जाये तो पूर्ण विकसित पीपल का पेड़ एक घंटे में सत्रह सौ बारह किलोग्राम ऑक्सीजन का उत्सर्जन करता है तथा शरीर को हानि पहुंचाने वाली कार्बन डाइ-ऑक्साइड का उपयोग करता है। इस प्रकार से बैगा समाज की पीपल की महत्ता संबंधी मान्यता भी सही प्रतीत होती है कि पीपल प्रकृति की शुद्धता का प्रतीक है।

देवलोक अर्थात देवी-देवता

बैगा जनजाति के प्रमुख देवता ठाकुर देवता माने जाते हैं इसके अतिरिक्त हिन्दू देवी-देवताओं की भी बैगा लोगों द्वारा पूजा की जाती है। बैगा जनजाति में विभिन्न प्रकार के रीति-रिवाजों, परम्परा, देव आराधना, देवी-देवताओं में आस्था आदि से संबंधित प्रथा को बैगा देवलोक के नाम से जाना जाता है, बैगा जनजाति में देव लोक प्रथा के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के देवी-देवताओं की पूजा समय-समय पर निर्धारित मान्यताओं अनुसार की जाती है।

बैगा देवलोक के अंतर्गत स्थानीय बैगा जाति के गुनिया, ओझा, भोपा, और बड़वा के माध्यम से धर्म का मार्ग प्रशस्त करते हैं। बैगाओं का उनके देवी-देवताओं पर अधिक विश्वास एवं आस्था होती है। बैगा जनजाति में पूजा स्थान को 'थान' 'दसाई' आदि पृथक-पृथक नाम से जाना जाता है। पूजा स्थान पर मयूर पंख, त्रिशूल, मिट्टी का दीपक, सांठ (गाय के पूंछ के बाल की रस्सी) पूजा स्थान यानी दसाई पर दिया जलाते हैं तथा धूप-अगरबत्ती लगाते हैं। कष्ट, दुख एवं परिस्थितियों एवं विशेष परिस्थितियों में विशेष पूजा की जाती है।

किसी स्त्री-पुरुष को देवी-देवताओं का प्रकोप होने पर गुनिया रोगी या प्रकोपयुक्त व्यक्ति को सामने बैठाता है। गुनिया हाथ में छिरवारी लेकर (छिंद घास से बनी झाड़ू) पकड़कर प्रश्न करने से पहले मंत्र पढ़कर देवी-देवताओं का आह्वान करता है। आह्वान के पश्चात क्रमशः बूढ़ादेव, खेरमाई, महारानी देव, दशावर देवी और ठाकुरदेव का नाम लेता है। छिरवहारी (झाड़ू) से सतनियम (सही) बोलने को कहता है। इस प्रकिया में जिस देवी-देवता के नाम पर छिरवहारी हिलने लगती हैं तो ऐसा माना जाता है कि प्रकोपित व्यक्ति को उसी देवी-देवता ने पकड़ा है। यदि देवी ने पकड़ा है तो देवी का मंत्र और अगर देवता ने पकड़ा है तो देवता का मंत्र पढ़ते हैं। इन मंत्र के प्रभाव से वह देवी या देवता संबंधित व्यक्ति को छोड़ देते हैं। बैगा समाज के देवी-देवताओं के अलग-अलग मंत्र होते हैं। देवी-देवताओं का आह्वान एवं उनको पकड़ने के मंत्र इस प्रकार है :-

देवी-देवताओं का आह्वान

धरती माता बूढ़ा नाग, चांद, सूरज, खेर महारानी,
ठाकुर देव बावा चल खड़ा हो,
फलाने रोगी के अर्जी गिर गया,
आठ हाथ के धोती निकार,
नौ हाथ के पोथी।
सरग के तारा पताल के बारु,
भरे भादों में बूंदी बाँच के वता,
फलाने रोगी की लीला, तकदीर रास पट्टी माला,
कौन देव के कला है।

देवी पकड़ने का मंत्र

अजर कोठी बजर काया,
पिंड है प्राण, लक्ष्मण जरी रहे रखवार,
सिंस सैत गेरु नैन जोगणी,
बरा बाटी, बंगाला विदिया,
माय सुरसती खड़ा हो।

देवता पकड़ने का मंत्र

झटकी पाट, किटकिटी पाट,
लवा पाट, लवाई पाट,
केंदा पाट, कंदवा पाट,
लिल्ला पाट, बछड़ा पाट
कैमूर के बघेसर पाट,
राम टेकरी के भैरव बाप,
पालिका विरोज ही
महरका देवी छतरपुर की छतराही,
नगर कोटा का झालापा देवी छुपताही
भवानी खड़ा हो।

मंडला जिला अंतर्गत बैगा गुनिया बीमारी की जानकारी लेने की प्रकिया को बैगानी भाषा में 'काडी' गिराना कहते हैं। इस प्रक्रिया के अंतर्गत बैगा जाति का गुनिया छीर (छींद) बहारी (झाड़ू) को लेकर उसको पांच बीता (बालिस्त) नापने के बाद बची हुई काड़ी को तोड़ लेते हैं। इसके पश्चात पुनः काड़ी को नापने के बाद अगर काड़ी पांच बीता से बढ़ी हुई निकलती है, तो गुनिया की जानकारी अनुसार वह व्यक्ति बीमार माना जाता है। बीमार व्यक्ति और उसके परिवार की सहमति होने पर नारियल, सुपारी, अगरबत्ती और शराब से 'उतारा' किया जाता है। 'उतारा' करने के पश्चात 'भंडारा' (गांव की मेड़ से बाहर) में छोड़कर आते हैं। भंडारा में यह सामान छोड़कर लौटकर आने पर रोगी ठीक हो जाता है। बैगा लोग वर्तमान में 'उतारा' के साथ ही जड़ी-बूटियों एवं दवाइयां भी लेने लगे हैं।

किसी वस्तु के गुम जाने या चोरी हो जाने पर गुनिया संदेहास्पद व्यक्तियों के नाम से काड़ी नापते हैं और जिस व्यक्ति के नाम से काड़ी पांच बीता अर्थात बालिस्त से अधिक निकलती है तो गुनिया के द्वारा ऐसा माना जाता है कि उसी व्यक्ति ने वह वस्तु या सामग्री चोरी की है।

- **लालजीराम मीना**
(जनजातीय अनुसंधान विषय विशेषज्ञ अनुसंधान अधिकारी, श्री बादल भोई राज्य जनजातीय संग्रहालय, छिन्दवाड़ा (म.प्र.)

मध्यप्रदेश शांति का टापू, यहां अशांति फैलाने वालों को बक्शा नहीं जायेगा

खरगोन, विकास की पहली आवश्यकता शांति है। मध्यप्रदेश शांति का टापू है, यहां दंगे-फसाद और गुंडागर्दी नहीं चलने दी जायेगी। अशांति फैलाने वाले तत्वों को किसी स्थिति में छोड़ा नहीं जायेगा। शांति व्यवस्था के मद्देनजर खरगोन में विशेष सशस्त्र बल की तैनाती की जायेगी और एक नया थाना भी खोला जायेगा। ये बातें मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खरगोन में मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान संभाग स्तरीय स्वीकृति-पत्र वितरण कार्यक्रम में कहीं।

मुख्यमंत्री ने 660 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण/शिलान्यास किया। इनमें 371 करोड़ रुपये के लोकार्पण और 288 करोड़ रुपये के भूमि-पूजन शामिल थे। मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हित-लाभ भी वितरित किये। उन्होंने वर्चुअल माध्यम से विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से संवाद भी किया। इसके पहले उन्होंने सिकल सेल वॉलेंटियर्स बायकर्स को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने महिला स्व-सहायता समूहों के उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया और खरगोन की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत पर केन्द्रित पुस्तक का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि खरगोन निमाड़ का गौरव है। यहां का नवग्रह मंदिर सिद्ध है। नवग्रह मंदिर एवं कॉरिडोर का विकास किया जायेगा। खरगोन में मेडिकल कॉलेज भी खोला जायेगा। सिरवैल में स्थित महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार का कार्य भी किया जायेगा। खरगोन में बिस्टान नाके का नाम टंट्या मामा भील के नाम पर, बावड़ी बस स्टेण्ड क्षेत्र का नाम महाराणा प्रताप नगर और पोस्ट-ऑफिस का नाम गुरूनानक के नाम पर होगा।

श्री चौहान ने कहा कि यह लोकतंत्र जनता का राज्य है, इसमें जनता की सेवा सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान में पंचायत-पंचायत और वार्ड-वार्ड सरकारी अमला गया और जनता के कार्य किये गये। विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों का चयन कर उन्हें लाभ दिया जा रहा है। सरकार भोपाल से नहीं, चौपाल से चल रही है। जनसेवा अभियान में इंदौर संभाग में 15 लाख नये हितग्राहियों का विभिन्न योजनाओं के लिये चिन्हांकन किया गया। खरगोन जिले में लगे शिविरों में 2 लाख 90 हजार आवेदनों में से 2 लाख 57 हजार को स्वीकृति-पत्र प्रदान किये गये।

मुख्यमंत्री ने जिले में उत्कृष्ट कार्य करने पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राजेन्द्र शर्मा और कसरावद के तहसीलदार को पुरस्कृत किया। उन्होंने कार्य में लापरवाही बरतने पर जिला शिक्षा अधिकारी एवं भीकनगांव नगर पंचायत के सीएमओ को तत्काल निलंबित करने के निर्देश दिये। उन्होंने जनपद पंचायत बड़वाह के एडीओ श्री राजेन्द्र नेगी के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए उनके वारिस को अनुकम्पा नियुक्ति दिये जाने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री जन-सेवा अभियान में चयनित सभी हितग्राहियों को आगामी माह से विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलना प्रारंभ हो जायेगा। मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान की तरह ही आगामी 6 अप्रैल से पुनः पूरे प्रदेश में गांव-गांव, नगर-नगर अधिकारी जायेंगे और जनता की समस्याओं का समाधान करेंगे, साथ ही पात्र हितग्राहियों का चयन भी करेंगे।

मुक्ता महिला मिल्क प्रोड्यूसर कम्पनी ने लांच किया मुक्ता ब्रॉण्ड घी

भोपाल, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित बुंदेलखण्ड की 18 हजार 500 से अधिक महिला डेयरी किसानों की दुग्ध उत्पादक कम्पनी मुक्ता ने अपना ब्रॉण्ड 'मुक्ता घी' विधिवत लांच किया। प्रदेश की महिला दुग्ध उत्पादक कम्पनी की यह बड़ी उपलब्धि है। प्रदेश की 4 दुग्ध उत्पादक कम्पनियाँ प्रतिदिन 2 लाख लीटर दुग्ध उत्पादन करती हैं, जिनमें अकेली मुक्ता कम्पनी एक लाख लीटर प्रतिदिन दूध का उत्पादन कर रही है। कम्पनी का वार्षिक टर्न-ओवर 65 करोड़ रुपये से अधिक है।

श्री वेलवाल ने कहा कि इन महिला डेयरी किसानों ने कड़ी मेहनत और समर्पण के साथ कार्य किया है। यह एक प्रेरणादायक स्टार्ट-अप है, जो महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक है। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत प्रदेश में 4 लाख 12 हजार स्व-सहायता समूह गठित हैं, जिनसे 46 लाख ग्रामीण महिलाओं का आजीविका संवर्धन किया जा रहा है। प्रदेश में 88 किसान उत्पादक कम्पनियां भी बनाई गई हैं, जिनके एक लाख 79 हजार सदस्य प्रमुख रूप से कृषि आधारित गतिविधियां कर रहे हैं। इन कम्पनियों का वर्ष 2022-23 में नवम्बर माह तक 529 करोड़ रुपये टर्न ओवर हो चुका है। गत वर्ष अकेली मुक्ता महिला दुग्ध उत्पादक कम्पनी ने 65 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया, जिसमें 85 प्रतिशत बिक्री से आय का भुगतान सदस्यों को दूध के रूप में किया गया। मुक्ता कम्पनी ने इण्डिया डेयरी अवॉर्ड-2021 में डेयरी एक्सटेंशन पुरस्कार भी प्राप्त किया। कम्पनी ने 4 साल की अल्प अवधि में यह सफलता पाई है। आगामी 2 वर्ष में प्रदेश में दुग्ध उत्पादक कम्पनियों से 5 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य है।

कम्पनी की सदस्य सुश्री रूपमती कुर्मा, मेहन्ती बाई और विनीता ने बताया कि समूह से जुड़कर उनके जीवन में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन आया है। उनकी आय लगभग 50 हजार रुपये प्रतिमाह हो गई है। कम्पनी द्वारा प्रत्येक गाँव में दूध की खरीदी के लिये उन्नत स्व-चलित दूध संग्रहण प्रणाली स्थापित की गई है, जिसमें दूध बेचने वाले सदस्य दूध की मात्रा, गुणवत्ता और मूल्य की जाँच स्वयं कर सकते हैं। उन्हें मुद्रित पावती पर्ची भी मिलती है और उनके मोबाइल पर बेचे गये दूध का पूरा विवरण आ जाता है। कम्पनी का मोबाइल एप दूध के लेन-देन की जानकारी देता है।

जल प्रबंधन एवं जल विज्ञान में कॅरियर के बढ़ते अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुये आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

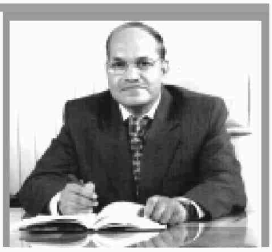

यकीनन जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। वर्ष-प्रतिवर्ष देश और दुनिया में जल संकट लगातार बढ़ता जा रहा है। नवंबर 2022 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इंडिया वाटर वीक के 7वें संस्करण का उद्घाटन करते हुए कहा कि आगामी दशकों में जहाँ भारत की आबादी के तेज गति से बढ़ने का अनुमान है, वहीं जल की कमी के मद्देनजर वाटर मैनेजमेंट और वाटर साइंस सिस्टम की जरूरत होगी। इंडिया वाटर वीक के दौरान दुनियाभर से दो हजार से अधिक प्रतिभागियों ने जल संरक्षण, नदियों में कम होता पानी आदि विषयों पर अपने शोधपत्र प्रस्तुत करते हुए जल की एक-एक बूंद की सुरक्षा के उपाय खोजे हैं। ऐसे में जल प्रबंधन और जल विज्ञान (वाटर मैनेजमेंट एंड वाटर साइंस) से जुड़कर आकर्षक कॅरियर बनाया जा सकता है।

जल संकट से बढ़ी जल प्रबंधन और जल विज्ञान की अहमियत

ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन के कारण जल संरक्षण आज पहले से कहीं अधिक जरूरी हो गया है। संयुक्त राष्ट्र विश्व जल विकास रिपोर्ट-2022 के अनुसार, जलधाराओं, झीलों एवं मानव-निर्मित जलाशयों से ताजे जल की तेजी से निकासी के साथ विश्वभर में जल की कमी को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के अनुसार 2025 तक करोड़ों लोग पानी की कमी की समस्या से ग्रस्त हो जायेंगे। इसीलिए जल संचयन को मौजूदा समय की सबसे बड़ी जरूरत के तौर पर देखा जा रहा है। हमारे देश की आबादी विश्व की लगभग 17 प्रतिशत है, पर विश्व के ताजे जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत ही भारत के पास है। नीति आयोग के मुताबिक वर्ष 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध आपूर्ति की तुलना में दोगुनी हो जाएगी। ऐसे में भारत को अपने जल का बेहतर प्रबंधन करना होगा।

जल प्रबंधन एवं जल विज्ञान में कॅरियर के विविध आयाम

निश्चित रूप से जल प्रबंधन और जल विज्ञान में कॅरियर के बहुआयामी मौके

हैं। जल के संचयन और संरक्षण के लिए सरकारी नीतियों और नियमों के तहत जल संसाधनों का अधिकतम व गुणवत्तापूर्ण उपयोग, जल प्रबंधन के तहत कल-कारखानों और प्रदूषित नदियों के पानी को पीने योग्य बनाना, सूखाग्रस्त एवं रेतीले क्षेत्रों में पानी की खोज और प्रबंधन, पानी के संग्रह या वर्षा जल के संचयन के लिए संसाधनों का निर्माण जैसे जल से जुड़े विभिन्न बढ़ते कामों से जल प्रबंधन और जल विज्ञान के तहत विभिन्न कॅरियर के मौके निर्मित हुए हैं। ऐसे में वाटर साइंटिस्ट, एनवॉयर्नमेंट इंजीनियर से लेकर हाइड्रो जियोलॉजिस्ट, कंसल्टेंट, वाटर मैनेजर बनकर आकर्षक कॅरियर बनाया जा सकता है। पर्यावरण एवं पानी के मुद्दे पर काम कर रहे कई स्टार्टअप भी वाटर टेस्टिंग, वाटर मीटरिंग आदि क्षेत्रों में मौके प्रदान कर रहे हैं। एनजीं सेक्टर की तरह वाटर कंजर्वेशन और वाटर मैनेजमेंट भी ग्रीन जॉब्स माने जाते हैं। जल प्रबंधन में कुशल लोगों को वाटर रिसोर्सेज बोर्ड्स, एनवॉयर्नमेंट प्रोटेक्शन कंपनियों, वाटर हार्वेस्टिंग बोर्ड तथा एग्रीकल्चर कंसल्टेंसी जैसे कॅरियर के मौके सरलता से मिल जाते हैं। रियल एस्टेट सेक्टर भी पानी के प्रबंधन की योजना बनाने के लिए या हाउसिंग कॉम्पलेक्स के पानी की रिसाइकिलिंग और रीयूज के लिए वाटर मैनेजमेंट पृष्ठभूमि के प्रोफेशनल्स की सेवाएं ले रहे हैं। इसके अलावा कॉलेज और यूनिवर्सिटीज में अध्यापन के भी अच्छे मौके हैं।

जल प्रबंधन एवं जल विज्ञान में कॅरियर की जरूरी स्किल्स

जहां जल प्रबंधन के क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका कम्युनिकेशन स्किल्स की होती है। वहीं जल विज्ञान के क्षेत्र में सबसे

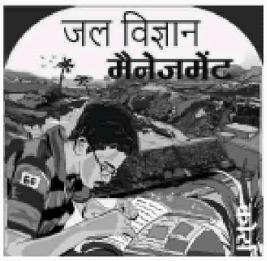

अहम भूमिका टेक्निकल स्किल्स की होती है। इस कॅरियर के लिए विज्ञान में बुनियादी रुचि जरूरी है। सहनशीलता, दृढ़ता, विस्तृत और टीम भावना होना लाभप्रद है। अगर आप लीक से हटकर कुछ अलग करना चाहते हैं और आपका समाज प्रकृति से गहरा जुड़ाव है, तो जल प्रबंधन और जल विज्ञान आपके लिए एक बेहतरीन कॅरियर हो सकता है।

कॅरियर के लिए शैक्षणिक योग्यता

12वीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित के साथ उत्तीर्ण होने के बाद जल प्रबंधन एवं जल विज्ञान के क्षेत्र में अच्छा कॅरियर बना सकते हैं। जल प्रबंधन एवं जल विज्ञान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों कोर्स उपलब्ध हैं। बीएससी के बाद जलस्रोत से जुड़े पाठ्यक्रमों में दाखिला लिया जा सकता है। साथ ही बीई या बीटेक करने के बाद जल प्रबंधन में मास्टर्स किया जा सकता है। कई शैक्षणिक संस्थान इसके लिए प्रवेश परीक्षा का आयोजन करते हैं। एमएससी इन वाटर मैनेजमेंट, बीई इन इरिगेशन एंड वाटर मैनेजमेंट, बीटेक इन वाटर इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोइमा इन वाटर रिसोर्स मैनेजमेंट, एडवांस डिप्लोमा इन वाटर क्वालिटी मैनेजमेंट इत्यादि कोर्स की अहमियत बढ़ गई है। पर्यावरण मंत्रालय की ओर से ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (सर्टिफिकेट कोर्स) संचालित किया जाता है। दो वर्षीय एमटेक डिग्री के बाद भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, केंद्रीय जल विभाग, सिंचाई विभाग, मौसम विभाग, पर्यावरण विभाग, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फ्रेश वाटर आदि संस्थानों में बतौर जल वैज्ञानिक अच्छा कॅरियर बनाया जा सकता है। 10वीं पास छात्र भी जल संचयन एवं प्रबंधन नामक 6 महीने की अवधि का कोर्स इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी दिल्ली से कर सकते हैं।

जल प्रबंधन एवं जल विज्ञान में कॅरियर की राह पर आगे बढ़िए

यदि आप भी जल प्रबंधन एवं जल विज्ञान के बहुआयामी एवं आकर्षक कॅरियर के लिए रुचि, योग्यता एवं क्षमताएं रखते हैं तो ऐसे में अपनी उपयुक्तता के अनुरूप उपयुक्त गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक संस्थान से उपयुक्त डिग्री और प्रशिक्षण के लिए आगे बढ़कर इस क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाओं को मुट्ठियों में ले सकते हैं।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक कॅरियर मार्गदर्शन के लिये लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान - खेल

1. वर्ष 2014 में किस देश ने एफआईएच हॉकी वर्ल्ड कप का खिताब जीता था?
(अ) बेल्जियम (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) अर्जेंटीना (द) द. कोरिया

2. किस रेसर ने सत्र-2022 के बाद फॉर्मूला-वन रेसिंग को अलविदा कह दिया है?
(अ) मैक्स वर्स्टापेन
(ब) लुईस हैमिल्टन
(स) सबेस्टियन वेटल
(द) निको रोसबर्ग

3. किस देश के नाम फीफा विश्वकप का पहला संस्करण जीतने का रिकॉर्ड है?
(अ) ब्राजील (ब) इटली
(स) जर्मनी (द) उरूग्वे

4. वेस्टइंडीज के क्रिकेटर ब्रायन लारा ने टेस्ट क्रिकेट में कितने शतक बनाये हैं?
(अ) 29 (ब) 32
(स) 34 (द) 38

5. इस वर्ष किस खिलाड़ी ने स्टॉकहोम ओपन का खिताब अपने नाम किया है?
(अ) आंद्रे रूबलेव
(ब) होल्गर रूने
(स) कार्लोस अल्कराज
(द) कैस्पर रूड

6. इनमें से किस पूर्व क्रिकेटर को बीसीसीआई का अध्यक्ष चुना गया है?
(अ) रोजर बिन्नी
(ब) अनिल कुंबले
(स) सुनील गावस्कर
(द) अजय जडेजा

7. किस देश के नाम एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा टी-20 मैच जीतने का रिकॉर्ड है?
(अ) ऑस्ट्रेलिया
(ब) भारत
(स) पाकिस्तान
(द) अफगानिस्तान

8. पेत्रा क्वितोवा किस देश की दिग्गज महिला टेनिस खिलाड़ी हैं?
(अ) चेक रिपब्लिक
(ब) बेलारूस
(स) फ्रांस (द) पोलैंड

9. इस वर्ष किस कार रेसर ने फॉर्मूला-वन चैम्पियनशिप जीती है?
(अ) कार्लोस सेंज
(ब) लुईस हैमिल्टन
(स) सर्जियो पेरेज
(द) मैक्स वर्स्टापेन

10. अमेरिकी गोल्फर टाइगर वुड्स ने कितनी बार पीजीए टूर जीते हैं?
(अ) 90 (ब) 70
(स) 82 (द) 85

11. टेनिस खिलाड़ी मारग्रेट कोर्ट ने कितने एकल ग्रैंडस्लैम खिताब जीते हैं?
(अ) 18 (ब) 20
(स) 23 (द) 24

12. इस वर्ष कितने खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया गया है?
(अ) 20 (ब) 22
(स) 25 (द) 28

13. नीरज चोपड़ा ने इस वर्ष वर्ल्ड एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में कौन-सा पदक जीता है?
(अ) स्वर्ण पदक
(ब) रजत पदक
(स) कांस्य पदक
(द) इनमें से कोई नहीं

14. वॉटर पोलो खेल में प्रत्येक टीम में कितने खिलाड़ी खेलते हैं?
(अ) सात (ब) आठ
(स) नौ (द) ग्यारह

15. मुरली श्रीशंकर किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
(अ) भाला फेंक (ब) गोला फेंक
(स) ऊंची कूद (द) लंबी कूद

16. वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली महिला गेंदबाज हैं?
(अ) कैथरीन ब्रंट
(ब) एलिस पेरी
(स) झूलन गोस्वामी
(द) शबनम इस्माइल

17. वर्ष 2022 में किस महिला खिलाड़ी ने डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब जीता है?
(अ) आर्यना सबालेंका
(ब) केरोलिन गार्सिया
(स) इगा स्वितेक
(द) ओन्स जबेउर

18. टोक्यो ओलिंपिक में गोल्फ स्पर्धा में महिला वर्ग में चैम्पियन बनी थीं?
(अ) नैली कोर्डा
(ब) अदिति अशोक
(स) को जिन यंग
(द) हनाह ग्रीन

19- वर्ष 2018 में किस देश में विंटर ओलिंपिक खेलों का आयोजन किया गया था?
(अ) कनाडा (ब) डेनमार्क
(स) रूस (द) द. कोरिया

20. इस वर्ष किस देश ने आईसीसी टी-20 विश्वकप का खिताब जीता है?
(अ) इंग्लैंड
(ब) पाकिस्तान
(स) न्यूजीलैंड
(द) ऑस्ट्रेलिया

21. वर्ष 2022 में दुबई टेनिस चैम्पियनशिप में पुरुष एकल वर्ग के चैम्पियन बने हैं?
(अ) राफेल नडाल
(ब) आंद्रे रूबलेव
(स) एंडी मरे
(द) स्टेन वावरिंका

22. टेस्ट क्रिकेट में हैट्रिक लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज हैं?
(अ) इरफान पठान
(ब) जवागल श्रीनाथ
(स) हरभजन सिंह
(द) कपिल देव

23. सितम्बर 2022 में किस भारतीय महिला क्रिकेट ने आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड हासिल किया है?
(अ) स्मृमि मंधाना
(ब) शेफाली वर्मा
(स) स्नेह राणा
(द) हरमनप्रीत कौर

24. इस वर्ष टेनिस में आस्ताना ओपन का खिताब जीता है?
(अ) नोवाक जोकोविच
(ब) राफेल नडाल
(स) स्टेफानोस सितसिपास
(द) डेनिल मेदवेदेव

24. इनमें से कौन-सा देश वर्ष 2026 में फीफा वर्ल्ड कप के मेजबानों में शामिल नहीं है?
(अ) अमेरिका (ब) कनाडा
(स) मैक्सिको (द) क्यूबा

उत्तर

1. (ब), 2. (स), 3. (द), 4. (स), 5. (ब), 6. (अ), 7. (ब), 8. (अ), 9. (द), 10. (स), 11. (द), 12. (स), 13. (ब), 14. (अ), 15. (द), 16. (स), 17. (ब), 18. (अ), 19. (द), 20. (अ), 21. (ब), 22. (स), 23. (द), 24. (अ), 25.(द)।

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

भारत की नौसेना को जानिए

वर्ष 2047 तक हमारी नौसेना हो जाएगी आत्मनिर्भर

भारतीय नौसेना एक अच्छी तरह से संतुलित और एकजुट त्रि-आयामी बल है, जो हमारे राष्ट्रीय हितों की कुशलता से रक्षा करते हुए महासागरों की सतह के ऊपर और नीचे संचालन करती है। समय-समय पर जब भी राष्ट्र को भारतीय नौसेना की जरूरत पड़ी है, तब-तब भारतीय नौसेना ने हमेशा अपनी अद्भुत ताकत, शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है। वर्तमान में, भारतीय नौसेना संघ के अन्य सशस्त्र बलों के साथ मिलकर, युद्ध और शांति दोनों में, भारत के क्षेत्र, लोगों या समुद्री हितों के खिलाफ किसी भी खतरे या आक्रामकता को रोकने के लिए कार्य करती है। भारतीय नौसेना भारतीय तट रक्षक के सहयोग से भारत के उत्तरदायित्व वाले समुद्री क्षेत्रों में अच्छी व्यवस्था और स्थिरता सुनिश्चित करती है। इसके अलावा नौसेना भारत के समुद्री पड़ोस में समुद्री सहयोग (आपदा राहत सहित) आदि सहायता प्रदान करती है।

भारत के राष्ट्रपति भारतीय सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर के रूप में कार्य करते हैं, भारतीय नौसेना की संगठनात्मक संरचना का नेतृत्व नौसेनाध्यक्ष (CNS) करता है, जो एडमिरल का पद धारण करते हैं। भारतीय नौसेना 2 ऑपरेशनल कमांड और एक ट्रेनिंग कमांड का संचालन करती है। प्रत्येक कमांड का नेतृत्व वाइस एडमिरल रैंक के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (FOC-in-C) द्वारा किया जाता है। पूर्वी और पश्चिमी कमानों में से प्रत्येक के पास एक बेड़े की कमान एक रियर एडमिरल के पास होती है।

मुंबई में स्थित पश्चिमी बेड़े की कमान फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग वेस्टर्न फ्लीट (FOCWF) और विशाखापत्तनम स्थित पूर्वी बेड़े की कमान फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग ईस्टर्न फ्लीट (FOCEF) के पास है। उनमें से प्रत्येक के पास एक कमोडोर कमांडिंग पनडुब्बियां (COMCOS) भी होती हैं। कोच्चि स्थित दक्षिण नौसेना कमान प्रशिक्षण कमान है सभी तीनों कमानों के प्रमुख वाइस एडमिरल रैंक के अफसर होते हैं, जिन्हें 'फ्लैग अफसर कमांडर-इन-चीफ' कहा जाता है।

भारतीय नौसेना की नौसैनिक हवाई शाखा वर्तमान में लगभग 21 वायु स्क्वाड्रनों का संचालन करती है। इनमें से दस फिक्स्ड-विंग एयरक्राफ्ट संचालित करते हैं, आठ हेलीकॉप्टर स्क्वाड्रन हैं और शेष तीन मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) से लैस हैं। मरीन कमांडो फोर्स (MCF), जिसे MARCOS के रूप में भी जाना जाता है, एक विशेष संचालन इकाई है, जिसे भारतीय नौसेना द्वारा 1987 में उभयचर युद्ध, क्लोज क्वार्टर कॉम्बैट काउंटर-टेररिज्म, डायरेक्ट एक्शन, विशेष टोही, अपरंपरागत युद्ध और बंधक बचाव के लिए बनाया गया था।

भारतीय नौसेना के सभी सेवारत जहाजों और नौसैनिक ठिकानों के नाम के आगे INS लिखा होता है, जो भारतीय नौसेना जहाज या भारतीय नौसेना स्टेशन को नामित करता है, जबकि पाल वाली नावों के नाम के आगे INSV (इंडियन नेवल सेलिंग वेसल) लगा होता है। भारतीय नौसेना घरेलू निर्मित और विदेशी जहाजों का नौसेना स्वदेशी रूप से विकसित और विदेशी निर्मित मिसाइल प्रणालियों के मिश्रण का उपयोग करती है। इनमें पनडुब्बी से लॉन्च की जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल, जहाज से लॉन्च की जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल, क्रूज और जहाज-रोधी मिसाइल, हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल, टॉरपीडो, हवा से हवा में मार करने वाली बंदूकें, मुख्य बंदूकें और पनडुब्बी रोधी मिसाइल शामिल हैं। भारत अक्सर नौसेना सहयोग बढ़ाने और सहकारी सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए डिजाइन किए गए अन्य मित्र देशों के साथ नौसैनिक अभ्यास आयोजित करता

है। कुछ ऐसे अभ्यास वार्षिक या द्विवार्षिक रूप से होते हैं।

2 सितंबर, 2022 को भारत ने अपने सबसे बड़े जंगी जहाज विक्रांत को अपने बेड़े में शामिल किया जिसे बनाने में 13 साल का समय लगा। आईएनएस विक्रांत के साथ-साथ भारतीय नौसेना को नया ध्वज भी दिया गया। अनावरण के कार्यक्रम में नौसेना के नए ध्वज को भी सार्वजनिक किया गया था। भारतीय नौसेना के औपनिवेशिक अतीत को खत्म करने की कोशिश के तहत इस निशान को बदला गया है।

प्रत्येक वर्ष 4 दिसंबर को भारतीय नौसेना दिवस मनाया जाता है। नौसेना दिवस 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय भारतीय नौसेना की अविस्मरणीय जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। भारतीय नौसेना ने अदम्य साहस और कुशल नेतृत्व का परिचय देते हुए ऑपरेशन त्रिशूल जिसे ऑपरेशन ट्राइडेंट भी कहा जाता है, के माध्यम से हमला कर पाकिस्तान के कराची नौसैनिक अड्डे को तबाह कर दिया था।

इस बार नौसेना दिवस में क्या खास रहा?

प्रत्येक वर्ष भारतीय नौसेना दिवस राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की मौजूदगी में मनाया जाता रहा है। लेकिन इस वर्ष पहली बार ऐसा हुआ है कि यह आयोजन राजधानी दिल्ली के बाहर आयोजित किया गया। इस बार आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में भारतीय नौसेना दिवस आयोजित किया गया। इस वर्ष का भारतीय नौसेना दिवस इसलिए भी खास है, क्योंकि भारत इस वर्ष अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। नौसेना विशाखापत्तनम में एक 'अभियानगत प्रदर्शन' के माध्यम से देश की युद्धक शक्ति और क्षमताओं का प्रदर्शन किया गया।

इस मौके पर नौसेना अध्यक्ष एडमिरल आर. हरि कुमार ने 'आत्मनिर्भरता' पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय नौसेना 2047 तक पूरी तरह आत्मनिर्भर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि हम आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर अमृत महोत्सव मना रहे हैं, नौसेना भी राष्ट्र की सेवा में एक कॉम्बैट रेडी क्रेडिबल, कोहेसिव और फ्यूचर प्रूफ फोर्स के रूप में अमृतकाल तक एक आत्मनिर्भर फोर्स बनने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

भारतीय नौसेना का प्रारम्भिक इतिहास और उत्पत्ति

भारतीय नौसेना के इतिहास को 1612 के समय से पता लगाया जा सकता है जब सर्वश्रेष्ठ कप्तान ने इनका सामना किया और पुर्तगालियों को पराजित किया। इस मुठभेड़ में समुद्री डाकुओं की वजह से परेशानी के कारण ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी सूरत (गुजरात) के पास छोटे से बेड़े स्वाकली को बनाए रखने के लिए मजबूर हो गई। युद्धक जहाजों का पहला स्क्वाड्रन 5 सितम्बर, 1612 को पहुंचा, जिसे तब ईस्ट इंडिया कंपनी की समुद्री सेना द्वारा बुलाया गया था। यह खंभात की खाड़ी और ताप्ती और नर्मदा नदी के मुहाने पर ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था। इस सैन्य बल के अधिकारियों और कार्मिकों ने अरबी, फारसी और भारतीय तटरेखा के सर्वेक्षण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

पहले भारतीय के रूप में कमीशन किए गए व्यक्ति थे सूबेदार लेफ्टिनेंट डी. एन. मुखर्जी जो एक इंजीनियर अधिकारी के रूप में 1928 में रॉयल इंडियन मरीन में शामिल हो गए थे। 1934 में, रॉयल इंडियन मरीन को रॉयल इंडियन नेवी में फिर से संगठित किया गया था और अपनी सेवाओं की मान्यता में 1935 में किंग्स कलर प्रस्तुत किए गए। द्वितीय विश्व युद्ध के आगे बढ़ने पर, रॉयल इंडियन नेवी में आठ युद्धपोत शामिल किए गए। युद्ध के अंत तक इनकी संख्या 117 युद्ध पोतों तक बढ़ी थी और 30,000 कर्मियों को लाया गया था। भारत द्वारा स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद रॉयल इंडियन नेवी में तटीय गश्ती के लिए 32 उपयुक्त पुराने जहाजों के साथ 11,000 अधिकारी और कार्मिक ही थे। उसी बीच रॉयल नेवी से वरिष्ठ अधिकारियों को तैयार किया गया। उपसर्ग 'रॉयल' 26 जनवरी, 1950 को भारत के एक गणतंत्र के रूप में गठित होने पर हटा दिया गया था। भारतीय नौसेना के प्रथम कमांडर इन चीफ एडमिरल सर एडवर्ड पैरी, केसीबी ने प्रशासन 1951 में एडमिरल सर मार्क पिजी को सौंप दिया था। एडमिरल पिजी भी 1955 में नौसेना के पहले चीफ बन गए। अंततः 22 अप्रैल 1958 को वाइस एडमिरल आरडी कटारी ने नौसेना के प्रथम भारतीय चीफ के रूप में पद ग्रहण किया।

- रश्मि रंजन

(लेखिका, समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं।)

मध्यप्रदेश के जिलों को जानिए

यूनेस्को की विश्व विरासत शहर की सूची में शामिल है ग्वालियर

ग्वालियर, मध्यप्रदेश के ग्वालियर संभाग का एक जिला है। मध्यप्रदेश के उत्तरी भाग में स्थित ग्वालियर जिले की सीमा प्रदेश के चार अन्य जिलों मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी जिले से लगती है। इसका गठन 1 नवंबर, 1956 को किया गया था। इसके पहले वर्ष 1948 से 1956 के दौरान यह तत्कालीन मध्य भारत की राजधानी हुआ करता था।

बाद में मध्य भारत को मध्यप्रदेश का हिस्सा बनाने के बाद ग्वालियर को एक जिले के रूप में परिवर्तित कर दिया गया। ग्वालियर अपने भव्य किले, पुरातात्विक और ऐतिहासिक स्थलों व मंदिरों के लिए विश्व विख्यात है।

यह शहर प्राचीनकाल में बड़े-बड़े राजवंशों की कर्म स्थली रहा। हर सदी के साथ इस शहर के इतिहास को नये आयाम मिले। महान योद्धाओं, राजाओं, कवियों, संगीतकारों तथा सन्तों ने इस राजधानी को देशव्यापी पहचान देने में अपना-अपना योगदान दिया। आज ग्वालियर एक आधुनिक शहर है और एक जाना-माना औद्योगिक केंद्र है।

यह शहर प्रसिद्ध संगीतकार तानसेन और तात्या टोपे एवं झांसी की रानी लक्ष्मीबाई जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के स्मारकों के लिए भी जाना जाता है। ग्वालियर को यूनेस्को की विश्व विरासत शहर की सूची में भी शामिल किया गया है।

इतिहास

इस जिले का नाम यहां स्थित उस प्रसिद्ध किले के नाम पर रखा गया था, जिसका नाम एक प्रसिद्ध पहाड़ी गोपाचल, गोपगिरि, गोप पर्वत या गोपाद्रि के नाम पर था। इसी से ग्वालियर शब्द का निर्माण हुआ है। ग्वालियर का प्राचीन नाम गोपांचल भी मिलता है।

ग्वालियर के नाम को लेकर यह भी कहा जाता है कि आठवीं सदी में यहां के राजा सूरजसेन एक घातक बीमारी से पीड़ित थे और जब एक संत ग्वालिवा ने उन्हें ठीक कर जीवनदान दिया था, तब राजा ने उन्हीं के सम्मान में किले का निर्माण किया और शहर का नाम ग्वालियर रखा। ग्वालियर दुर्ग, ग्वालियर शहर का प्रमुखतम् स्मारक है। माना जाता है कि इस दुर्ग का निर्माण करने वाले पहले राजा सूरजसेन, कछवाह राजपूत थे, जिनके नाम का प्राचीन 'सूरज कुण्ड' किले पर स्थित है।

ग्वालियर किले और शहर को 1500 साल से भी अधिक प्राचीन माना जाता है। यह शहर सदियों से गुर्जर, प्रतिहार, तोमर और कछवाहा राजवंशों की राजधानी रहा है। 1375 में राजा वीरसिंह को ग्वालियर का शासक बनाया गया था और उन्होंने ही तोमर वंश की स्थापना की थी। उन वर्षों के दौरान ग्वालियर ने अपना स्वर्णिमकाल देखा।

बाद में मराठा शासकों ने इस क्षेत्र की बागडोर संभाली। राणोजी सिंधिया द्वारा 1745 में इस वंश की बुनियाद रखी गई थी और महादजी के शासनकाल (1761-94) में यह अपने चरमोत्कर्ष पर पहुंचा। दौलत राव सिंधिया ने अपनी राजधानी उज्जैन से ग्वालियर स्थानान्तरित की थी।

अर्थव्यवस्था

मसूर दाल, चना और सरसों ग्वालियर जिले की प्रमुख फसलें हैं। ग्वालियर, कृषि क्षेत्र में प्रमुख संग्रहण और वितरण केंद्र है। जिले में मिलने वाले खनिजों में मैंगनीज, लौह अयस्क, अभ्रक, कांच रेत (ग्लास सैंड), चीनी मिट्टी, चूना पत्थर, गेरू, डोलामाइट, संगमरमर तथा शोरा शामिल हैं। ग्वालियर एक ऐसा महत्वपूर्ण व्यापारिक और औद्योगिक केंद्र है, जहाँ से कृषि उत्पाद, वस्त्र, इमारती लकड़ी, पत्थर तथा लौह अयस्क बाहर भेजे जाते हैं।

नगर के प्रमुख उद्योगों में जूट, सिगरेट, वस्त्र, प्लास्टिक, कांच, माचिस, आटा-मैदा, चीनी के अलावा पत्थर तराशना, चीनी मिट्टी के बर्तन बनाना, चमड़ा पकाना तथा उसके खिलौने बनाना शामिल हैं।

ग्वालियर इंजीनियरिंग वर्क संयंत्र में रेल इंजन तथा डिब्बों की मरम्मत के अलावा अस्पताल उपकरण, बांधों के लिए इस्पात के द्वार सहित कई विविध उपकरण बनाए जाते हैं। ग्वालियर में गलीचे, दरी, होजरी, बिस्किट, अनाज और तेल की मिल, आरा मिल तथा लोहा ढालने जैसे छोटे सामानों के भी कई उद्योग हैं। ग्वालियर जिले में मध्यप्रदेश का एकमात्र रेलवे स्प्रिंग बनाने का कारखाना भी है।

ग्वालियर जिला प्रमुख तथ्य

1. जिले का गठन- 1 नवंबर 1956
2. संभाग- ग्वालियर
3. जिला मुख्यालय- ग्वालियर
4. क्षेत्रफल- 4560 वर्ग किलोमीटर
5. जनसंख्या- 2032036 (पुरुष- 1090327, महिलाएं- 941709)
6. लिंग अनुपात- 864
7. जनघनत्व- 446 प्रति वर्ग किलोमीटर
8. साक्षरता- 76.65 प्रतिशत
9. तहसीलें- 8 (ग्वालियर, डबरा, भितरवार, चीनोर, घाटीगांव, तानसेन, मुरार, सिटी सेंटर)
10. विकासखंड- 4
11. गांव- 618
12. नगरीय निकाय- 6
13. विधानसभा क्षेत्र- 6 (ग्वालियर, ग्वालियर ग्रामीण, ग्वालियर पूर्व, ग्वालियर दक्षिण, भितरवार, डबरा)
14. लोकसभा क्षेत्र- 1 (ग्वालियर)
15. भाषा एवं बोली- हिन्दी, ब्रज और बुंदेली

(सभी आंकड़े 2011 की जनगणना के अनुसार)

अन्य महत्वपूर्ण जानकारी

1. ग्वालियर को 'तानसेन की नगरी' के नाम से भी जाना जाता है। मुगल सम्राट अकबर के 9 रत्नों में से एक प्रसिद्ध संगीतकार तानसेन का जन्म ग्वालियर जिले के बेहट गांव में हुआ था। इनके बचपन का नाम रामतनु था। उनकी समाधि इसी गांव में बनी हुई है। उनके सम्मान में बेहट गांव में हर साल 'तानसेन समारोह' का आयोजन भी किया जाता है।
2. ग्वालियर में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की खंडपीठ, प्रदेश का प्रथम चिकित्सा महाविद्यालय गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय, रानी लक्ष्मीबाई शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय सहित कई प्रतिष्ठित संस्थान स्थित हैं।
3. देश के सर्वश्रेष्ठ किलों में से एक ग्वालियर के किले को 'पूर्व का जिब्राल्टर', 'किलों का रत्न' और 'किलों का मोती' भी कहा जाता है। यह किला 2 भागों में बंटा हुआ है। पहला भाग गुजरी महल और दूसरा- मान मंदिर। गुजरी महल को रानी मृगनयनी के लिए बनवाया गाया था। मान मंदिर में ही 'शून्य' से जुड़े हुए सबसे पुराने दस्तावेज मिले थे, जो लगभग 1500 साल पुराने थे। इस किले का निर्माण लाल बलुए पत्थर से किया गया था, जो कि शहर की हर दिशा से दिखाई देता है।
4. 8वीं शताब्दी में निर्मित ग्वालियर के किले में कई ऐतिहासिक स्मारक, बुद्ध और जैन मंदिर, मानसिंह महल, जहांगीर महल, करण महल, शाहजहां महल, तेली का मंदिर, सहस्त्रबाहु मंदिर, भीम सिंह की छतरी और सिंधिया स्कूल दर्शनीय स्थल हैं। गूजरी महल को अब पुरातात्विक संग्रहालय में तब्दील कर दिया गया है। जिसमें इतिहास से संबंधित दुर्लभ मूर्तियां रखी गई हैं, यह मूर्तियां आसपास के इलाकों से प्राप्त हुई हैं।
5. सन् 1857 की क्रांति में अंग्रेजों से लड़ते हुए शहीद हुई रानी लक्ष्मीबाई की समाधि भी ग्वालियर शहर के पास ही स्थित है।
6. सूर्य मंदिर, चतुर्भुज मंदिर, गोपांचल पर्वत, जयविलास पैलेस, मोती महल, सरोद घर, मोहम्मद गौस का मकबरा, ब्रिटिश सैन्य छावनी मुरार, घाटीगांव अभ्यारण्य आदि जिले के अन्य दर्शनीय स्थल हैं।

- रीता मोदी

(लेखिका, समसामयिक विषय पर लेखन कार्य करती हैं)

खेल चर्चा

इंग्लैंड ने मुल्तान टेस्ट में पाकिस्तान को हराया

मुल्तान, पाकिस्तान और इंग्लैंड के बीच मुल्तान में खेले गए बेहद रोमांचक टेस्ट मैच को इंग्लैंड ने पाकिस्तान को 26 रन से हराया। मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 281 रन बनाये। इंग्लैंड के लिए बेन डकेट ने 63 तथा ओली पोप ने 60 रन की पारी खेली। इसके जवाब में पाकिस्तान की टीम बाबर आजम की 75 और सउद शकील की 63 रनों की पारी के बावजूद पहली पारी में 202 रन पर सिमट गई। दूसरी पारी में इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक (108) की शतकीय पारी और बेन डकेट (79) की शानदार पारी की बदौलत 275 रन बनाये और पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 355 रनों का लक्ष्य रखा। दूसरी पारी में अब्दुल्ला शफीक (45) और मोहम्मद रिजवान (30) ने पाकिस्तान को बढ़िया शुरुआत दिलाई। इनके बाद सउद शकील (94) और इमाम उल हक (60) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं, लेकिन पाकिस्तान की टीम लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी और 328 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

ब्राजील फुटबॉल टीम के कोच टीटे ने दिया इस्तीफा

साओ पाउलो, फीफा विश्वकप में क्रोएशिया के खिलाफ मिली अप्रत्याशित हार के बाद ब्राजीलियन फुटबॉल में उथल-पुथल मच गई। ब्राजीलियन टीम के मुख्य कोच टीटे ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। टीटे पिछले 6 वर्षों से टीम का मार्गदर्शन कर रहे थे। ब्राजील को इस बार विश्वकप का प्रबल दावेदार माना जा रहा था, लेकिन उसे क्वार्टर फाइनल में पिछले बार की उपविजेता क्रोएशिया के हाथों पेनाल्टी शूटआउट में हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद ब्राजील विश्वकप में खिताब की दौड़ से बाहर हो गया हैं। ब्राजील की हार के बाद टीटे को टीम की कमजोर रणनीति को लेकर आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा था। 61 वर्षीय टीटे ने जून 2016 में ब्राजील टीम के कोच पद की जिम्मेदारी संभाली थी।

ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से जीती टेस्ट सीरीज

एडिलेड, बल्लेबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को टेस्ट क्रिकेट में करारी मात दी है। दोनों देशों के बीच खेली गई दो मैचों की टेस्ट सीरीज को ऑस्ट्रेलिया ने 2-0 से अपने नाम किया है। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज के दूसरे मैच में वेस्टइंडीज को 419 रन के विशाल अंतर से हराया। मैच में ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी 511 रन पर घोषित की। ऑस्ट्रेलिया के लिए ट्रेविस हेड (175) और मार्नस लाबुशेन ने (163) रनों की पारी खेली। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम पहली पारी में 214 रन ही बना सकी। पहली पारी के आधार पर 297 रनों की बढ़त हासिल करने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में छह विकेट खोकर 199 रन बनाये और पारी घोषित की। जीत के लिए मिले 497 रन के लक्ष्य के सामने कैरेबियाई टीम पूरी तरह असहाय नजर आई। वेस्टइंडीज की टीम दूसरी पारी में 77 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज का पहला मैच 164 रन से जीता था। टेस्ट क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया की यह वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 11वीं सीरीज जीत है।

ईशान किशन ने वन-डे क्रिकेट में बनाया सबसे तेज दोहरा शतक

चटगांव, भारत के युवा बल्लेबाज ईशान किशन ने बांग्लादेश दौरे पर अपनी शानदार बल्लेबाजी से नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। ईशान ने भारत और बांग्लादेश के बीच खेली गई तीन मैचों की वन-डे सीरीज के तीसरे और अंतिम मुकाबले में वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक बनाने की उपलब्धि अपने नाम की। ईशान ने इस मैच में 210 रनों की तावड़तोड़ पारी खेली।

ईशान के इस प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इस मैच में 227 रनों की विशाल जीत दर्ज की, लेकिन सीरीज पर कब्जा बांग्लादेश ने जमाया। बांग्लादेश ने सीरीज का पहला मैच एक विकेट से तथा दूसरा मैच पांच रन से जीतकर पहले ही सीरीज पर बढ़त बना ली थी।

भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा के चोटिल होने के बाद तीसरे मैच में बतौर सलामी बल्लेबाज टीम में शामिल किए गए ईशान किशन ने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक शॉट्स खेलकर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। शिखर धवन के जल्द आउट होने के बाद स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने ईशान का बखूबी साथ निभाया। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 190 गेंदों में 290 रनों की बेहतरीन साझेदारी की। ईशान किशन ने 85 गेंदों में शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के बाद ईशान ने रन गति बढ़ाते हुए चौकों और छक्कों की बारिश कर दी। इसके बाद ईशान ने महज 126 गेंदों में अपना दोहरा शतक पूरा किया जो वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज दोहरे शतक के रूप में दर्ज हो गया है। ईशान ने अपनी पारी के दौरान 24 चौके और 10 छक्के लगाए।

दूसरे छोर पर विराट कोहली ने भी बेहतरीन बल्लेबाजी की और 91 गेंदों में 113 रनों की शतकीय पारी खेली। शतकीय पारी के दौरान विराट ने 11 चौके और 2 छक्के लगाए। इन दोनों बल्लेबाजों की शानदार पारी की बदौलत भारत ने 50 ओवरों में 8 विकेट खोकर 409 रन बनाये।

विशाल लक्ष्य के जवाब में बांग्लादेश की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई। शाकिब अल हसन (43) और लिटन दास (29) के अलावा कोई भी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने ज्यादा देर टिक नहीं सका। बांग्लादेश की टीम 34 ओवर में 182 रन पर सिमट गई।

- **ईशान किशन से पहले क्रिस गेल ने सबसे तेज दोहरा शतक (जिम्बाब्वे के खिलाफ 138 गेंद) बनाया था।**
- **ईशान किशन वन-डे क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाले चौथे भारतीय और विश्व के सातवें बल्लेबाज हैं।**
- **वन-डे क्रिकेट में पहला दोहरा शतक सचिन तेंदुलकर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाया था।**
- **सचिन के बाद वीरेंद्र सहवाग, रोहित शर्मा, क्रिस गेल, मार्टिन गुप्टिल, फखर जमान और ईशान किशन ने दोहरे शतक बनाये हैं।**
- **रोहित शर्मा ने वन-डे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में तीन दोहरे शतक बनाये हैं।**
- **मैच के दौरान विराट कोहली ने अपने वन-डे कॅरियर का 44वां शतक बनाया।**
- **अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में विराट कोहली के 72 शतक हो गए हैं।**

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच बने कानितकर

नई दिल्ली, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने अगले महीने आयोजित होने वाले आईसीसी महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप से पहले पूर्व भारतीय क्रिकेटर ऋषिकेश कानितकर को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। बीसीसीआई ने बताया कि कानितकर भारतीय महिला क्रिकेट टीम से जुड़ गए हैं। बीसीसीआई ने कहा कि कानितकर को कोचिंग के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का भी अनुभव है। कानितकर की कोचिंग में भारत ने इस वर्ष आईसीसी अंडर-19 विश्वकप का खिताब जीता था। टीम के कप्तान यश ढुल थे। कानितकर ने भारत के लिए 34 वन-डे मैच खेले हैं, इन मैचों में उन्होंने 339 रन और 17 विकेट लिए हैं। इसके अलावा कानितकर ने दो टेस्ट मैचों में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

आईपीएल-2023 के लिए 23 दिसम्बर को मिनी ऑक्शन

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र के लिए मिनी ऑक्शन 23 दिसम्बर को होगा। इस नीलामी के लिए कुल 405 खिलाड़ियों को शॉर्ट लिस्ट किया गया है। बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने बताया कि इन 405 खिलाड़ियों में से 273 खिलाड़ी भारत के हैं और 132 खिलाड़ी विदेशों से हैं। उन्होंने कहा कि इस मिनी ऑक्शन में कुल 87 स्थानों के लिए खिलाड़ियों की बोली लगाई जायेगी। इनमें से 119 खिलाड़ी कैप्ड (अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके) और 282 अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा कि मिनी ऑक्शन के दौरान टीमें बेन स्टोक्स, जो रूट, कैमरन ग्रीन और मयंक अग्रवाल जैसे दिग्गज खिलाड़ियों पर दाव लगायेंगी।

केन विलियमसन ने छोड़ी न्यूजीलैंड टेस्ट टीम की कप्तानी

ऑकलैंड, न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टेस्ट टीम की कप्तानी से इस्तीफा दे दिया है। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने एक विज्ञप्ति जारी कर विलियमसन के इस्तीफे की जानकारी दी। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि विलियमसन वन-डे और ट्वेंटी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगे।

विलियमसन ने इस्तीफे के बाद तीनों प्रारूपों में खेलने की इच्छा व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के लिए खेलना और तीनों प्रारूपों में अपना योगदान करना मेरी पहली प्राथमिकता है। विलियमसन ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में न्यूजीलैंड की टीम की कमान संभालना विशेष सम्मान है। कॅरियर के इस पड़ाव पर मुझे लगता है कि कप्तानी से हटने का यह सही समय है। मैंने न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ विचार-विमर्श के बाद यह महसूस किया है कि अगले दो वर्षों में दो विश्व कप होने के चलते सीमित ओवर प्रारूप में टीम की कप्तानी जारी रखना ही बेहतर होगा।

साउदी बने नये टेस्ट कप्तान

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने विलियमसन की जगह तेज गेंदबाज टिम साउदी को टेस्ट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। वे टीम के 31वें टेस्ट कप्तान होंगे। साउदी के अलावा विकेटकीपर और बल्लेबाज टॉम लॉथम को उप कप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

- **विलियमसन की कप्तानी में न्यूजीलैंड ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का खिताब जीता है।**
- **विलियमसन ने 38 टेस्ट मैचों में टीम की कप्तानी की है इनमें से 22 जीते, 10 हारे और 8 मैच ड्रॉ रहे हैं।**

जोशना चिनप्पा ने जीता 19वां राष्ट्रीय स्क्वॉश खिताब

चेन्नई, भारत की दिग्गज स्क्वॉश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने चेन्नई में आयोजित 78वीं राष्ट्रीय स्क्वॉश चैम्पियनशिप का खिताब जीता है। चैम्पियनशिप में महिला एकल वर्ग के फाइनल में चिनप्पा ने अनाहत सिंह को सीधे सेटों में 11-8, 11-9, 11-9 से हराया। चिनप्पा के कॅरियर का यह 19वां राष्ट्रीय खिताब है। प्रतियोगिता के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर होने की उम्मीद थी, लेकिन चिनप्पा ने अपने अनुभव का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अनाहत को कोई मौका नहीं दिया। मैच में चिनप्पा के सामने अनाहत ज्यादा देर तक संघर्ष नहीं कर सकीं और चिनप्पा ने महज 25 मिनट में आसानी से मैच जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया।

टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग का खिताब शीर्ष वरीय खिलाड़ी अभय सिंह ने जीता।

अभय सिंह ने प्रतियोगिता के फाइनल में अनुभवी खिलाड़ी वेलावन सेंथिल कुमार को रोमांचक मुकाबले में 11-13, 11-7, 11-6, 11-4 से हराया। फाइनल मैच में सेंथिल कुमार ने पहले गेम में 13-11 से हराया। पहला गेम गवांकर पिछड़ चुके अभय सिंह ने दूसरे गेम में जबरदस्त वापसी की और 11-7 से जीतकर मैच को बराबरी पर ला दिया। इसके बाद अभय सिंह ने अगले दोनों गेम आसानी से जीतकर खिताब पर कब्जा जमा लिया।

अंडर-19 महिला विश्वकप में शेफाली होंगी भारत की कप्तान

मुंबई, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जनवरी 2023 में दक्षिण अफ्रीका में आयोजित होने वाले आईसीसी अंडर-19 महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को सौंपी गई है। बीसीसीआई ने कहा कि अखिल भारतीय महिला चयन समिति ने अंडर-19 महिला ट्वेंटी-20 विश्वकप और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ट्वेंटी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का ऐलान किया है। टीम में शेफाली के अलावा श्वेता सहरावत, ऋचा घोष, जी त्रिशा, सौम्या तिवारी, सोनिया मेहदिया, हर्ले गाला, हर्षिता वसु, सोनम यादव, मन्नत कश्यप, अर्चना देवी, पार्शवी चोपडा, तीता साधु, फलक नाज, शबनम एमडी शामिल हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

जोस बटलर

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने गए

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (आईसीसी) ने इंग्लैंड की सीमित ओवर प्रारूप टीम के कप्तान जोस बटलर को नवम्बर माह के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड से नवाजा है। बटलर ने अपनी कप्तानी में इस वर्ष आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप का खिताब जीता है। बटलर के अलावा पाकिस्तान की सिदरा अमीन को महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया है।

आईसीसी ने प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए जोस बटलर के अलावा इंग्लैंड के ही आदिल राशिद और पाकिस्तान के शाहीन शाह अफरीदी को नामांकित किया था। आईसीसी ने कहा कि बटलर ने नवम्बर माह में चार मैचों में से दो मैचों में अर्धशतकीय पारियां खेली हैं। इनमें सेमीफाइनल में भारत के खिलाफ खेली गई 49 गेंदों में 80 रनों की शानदार पारी भी शामिल है। अवॉर्ड

जीतने के बाद जोस बटलर ने कहा कि मैं इस अवॉर्ड के लिए मुझे वोट करने के लिए सभी प्रशंसकों का धन्यवाद अदा करना चाहता हूं। यह पुरस्कार मेरे टीम साथियों के प्रयासों के लिए है। उन्होंने कहा कि हमने आईसीसी ट्वेंटी-20 विश्वकप जीता जो एक शानदार अनुभव है।

सिदरा अमीन का बेहतरीन प्रदर्शन

महिला वर्ग में प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए चुनी गई अमीन ने हाल ही में आयरलैंड के खिलाफ वन-डे सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 277 रन बनाये थे। उन्होंने सीरीज के पहले मैच में महिला वन-डे क्रिकेट की पांचवीं सबसे बड़ी पारी खेली थी। इस मैच में अमीन ने 151 गेंदों में 176 रनों की पारी खेली जो पाकिस्तान की किसी भी महिला क्रिकेटर का वन-डे में सर्वोच्च स्कोर है। अमीन ने इस सीरीज के दूसरे मैच में भी 91 रनों की पारी खेली और पाकिस्तान को सीरीज जिताने में बड़ी भूमिका निभाई।

सिदरा अमीन आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुनी जाने वाली तीसरी पाकिस्तानी महिला क्रिकेटर हैं। उनसे पहले अक्टूबर 2022 में निदा डार और मई 2022 में तुबा हसन यह उपलब्धि हासिल कर चुकी हैं।

सामयिकी

● नासा ●

ओरियन यान चांद की टोह लेकर लौटा

नासा आर्टेमिस मिशन का ओरियन अंतरिक्ष यान लगभग 25 दिन तक चंद्रमा की यात्रा करने के बाद सुरक्षित वापस आ

- **धरती के वायुमंडल से पहले ओरियन की रफ्तार 40 हजार किलोमीटर प्रति घंटा थी। वायुमंडल में आते ही रफ्तार 480 किलोमीटर हो गई। इसने 2800 डिग्री सेल्सियस का तापमान बर्दाश्त किया।**

चुका है। उसने प्रशांत महासागर में लैंडिंग की। यह आईएसएस से जुड़े बिना लंबी यात्रा करने वाला पहला अंतरिक्ष यान बन गया है।

यहां हीटशील्ड की जांच की गई। 25 हजार फीट पर यान के 5 पैराशूट खुले। केनेडी स्पेस सेंटर में इसकी जांच होगी। ज्ञात रहे कि नासा ने 16 नवंबर को तीसरे प्रयास में दुनिया के सबसे बड़े रॉकेट एसएलएस से ओरियन को रवाना किया था। ओरियन इंसानों की अंतरिक्ष यात्रा के लिए बनाया गया है। इसने मिशन में वह दूरी तय की, जो किसी मानवनिर्मित यान ने नहीं की।

गोवा में ग्रीनफील्ड अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार बन चुका है : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गोवा में मोपा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया है। इस हवाई अड्डे की आधारशिला नवंबर 2016 में प्रधानमंत्री ने रखी थी। लगभग 2,870 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस हवाई अड्डे को टिकाऊ बुनियादी ढांचे की थीम पर बनाया गया है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने मोपा में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के उद्घाटन के लिए गोवा और देश के सभी नागरिकों को बधाई दी। पिछले आठ वर्षों में गोवा की अपनी यात्राओं को याद करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि गोवा की जनता द्वारा उनके प्रति प्रदर्शित प्रेम और आशीर्वाद को विकास के रूप में ब्याज सहित चुकाया जाएगा। उन्होंने कहा, 'यह अत्याधुनिक हवाई अड्डा टर्मिनल उसी स्नेह को लौटाने का एक प्रयास है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि हवाई अड्डे का नाम दिवंगत मनोहर परिर्कर के नाम पर रखा गया है।

बुनियादी ढांचे के विकास के प्रति अतीत की सरकारों के दृष्टिकोण पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि नागरिकों की जरूरतों की बजाय, वोट बैंक उनकी पहली प्राथमिकता थी। प्रधानमंत्री ने इस बात को रेखांकित किया कि हजारों करोड़ रुपये उन परियोजनाओं पर खर्च किए गए जिनकी कोई आवश्यकता नहीं थी। इसके परिणामस्वरूप, बुनियादी ढांचे के विकास की सख्त जरूरत वाले स्थान उपेक्षित रह गए। उन्होंने कहा, 'गोवा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा इसका स्पष्ट उदाहरण है।' उन्होंने कहा कि शुरुआत में हवाई अड्डे की यह योजना अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान बनाई गई थी। इस हवाई अड्डे में प्रति वर्ष लगभग 40 लाख

- **लगभग 2,870 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस हवाई अड्डे को टिकाऊ बुनियादी ढांचे की थीम पर बनाया गया है और इसमें एक सौर ऊर्जा संयंत्र, पर्यावरण के अनुकूल भवन, रनवे पर एलईडी लाइट्स, वर्षा जलसंचयन और पुनर्चक्रण सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक सीवेज उपचार संयंत्र आदि जैसी अन्य सुविधाएं शामिल हैं।**
- **हवाई अड्डा राज्य के सामाजिक आर्थिक विकास को बढ़ावा देगा और पर्यटन उद्योग की जरूरतों को पूरा करेगा। इसमें कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय गंतव्यों को सीधे जोड़ते हुए प्रमुख लॉजिस्टिक हब के रूप में सेवाएं देने की क्षमता है। हवाई अड्डे के लिए मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी की भी योजना है।**
- **विश्व स्तरीय हवाई अड्डा होने के साथ-साथ यह हवाई अड्डा आगंतुकों को गोवा का अनुभव भी प्रदान करेगा। हवाई अड्डे में व्यापक रूप से अजुलेजोस टाइलों का उपयोग किया गया है, जो गोवा की मूल सामग्री है। यहां के फूड कोर्ट में विशुद्ध गोवा कैफे के आकर्षण की झलक है।**

यात्रियों को हैंडल करने की सुविधा है जिसे भविष्य में 3.5 करोड़ तक बढ़ाया जा सकता है। गोवा में दो हवाई अड्डों की उपस्थिति ने इस राज्य के लिए पर्यटन लाभ के अलावा कार्गो हब के रूप में नए अवसर भी उत्पन्न किए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मनोहर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बदली हुई सरकारी सोच और दृष्टिकोण का प्रमाण है। उन्होंने कहा 'भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार बन चुका है।' उड़ान योजना की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह अकादमिक जगत के लिए अध्ययन का विषय है। प्रधानमंत्री ने मध्यम वर्ग के बदलते चलन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि अब छोटी दूरी के लिए भी रेलवे के बजाय हवाई टिकट की जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे देश में हवाई कनेक्टिविटी के नेटवर्क का विस्तार हो रहा है, हवाई यात्रा तेजी से परिवहन का पसंदीदा साधन बनती जा रही है।

प्रधानमंत्री ने पिछले 8 वर्षों में यात्रा की सुविधा को बेहतर बनाने और देश के पर्यटन प्रोफाइल का विस्तार करने के लिए उठाए गए कदमों को सूचीबद्ध किया। उन्होंने वीजा प्रक्रिया को आसान बनाने, आगमन पर वीजा सुविधाओं में सुधार लाने, आधुनिक बुनियादी ढांचे और लास्ट माइल कनेक्टिविटी और डिजिटल, मोबाइल और रेलवे कनेक्टिविटी के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा कि इन उपायों के परिणाम सामने आए हैं। 2015 में भारत में घरेलू पर्यटकों की संख्या 14 करोड़ थी, जबकि पिछले साल यह बढ़कर करीब 70 करोड़ हो गई। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि पर्यटन में रोज़गार और स्व-रोज़गार की सबसे बड़ी संभावनाएं मौजूद हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार कनेक्टिविटी बढ़ाने के अलावा स्मारकों, कनेक्टिविटी और संबंधित सुविधाओं के रख-रखाव में सुधार लाकर विरासत पर्यटन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। श्री मोदी ने इस प्रयास के उदाहरण के रूप में अगोडा जेल परिसर संग्रहालय के विकास का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्मारकों को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है तथा विशेष ट्रेनों के माध्यम से तीर्थ स्थलों और स्मारकों की यात्रा को सुविधाजनक बनाया जा रहा है।

संलयन ऊर्जा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल : अमेरिकी ऊर्जा मंत्री

अमेरिका की मंत्री जेनिफर ग्रानहोम ने सूर्य और तारों की ऊर्जा के स्रोत संलयन (फ्यूजन) की दशकों लंबी खोज में एक बड़ी

- **ऊर्जा विभाग ने कहा कि कैलिफोर्निया स्थित लॉरेंस लिवरमोर नेशनल लैबोरेटरी के अनुसंधानकर्ताओं ने पहली बार एक संलयन प्रक्रिया में उससे अधिक ऊर्जा पैदा की, जो इसे प्रज्ज्वलित करने में उपयोग की गई।**

वैज्ञानिक सफलता हासिल करने की घोषणा की।

ऊर्जा मंत्री ग्रानहोम और अन्य अधिकारियों ने कहा कि यह उपलब्धि राष्ट्रीय सुरक्षा को बेहतर करने और स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करेगी।

ग्रानहोम ने वाशिंगटन में संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'यह अनुसंधानकर्ताओं के

लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है जिन्होंने संलयन ऊर्जा को एक हकीकत में तब्दील करने के लिए अपना कॅरियर समर्पित कर दिया।'

ज्ञात रहे कि व्हाइट हाउस की विज्ञान सलाहकार आरती प्रभाकर ने इस संलयन प्रक्रिया को एक शानदार उदाहरण बताया। संलयन ऊर्जा आगे चलकर असीमित, कार्बन मुक्त ऊर्जा पैदा करेगी और जीवाश्म ईंधन की जगह ले लेगी।

दक्षिणी मेक्सिको में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया

दक्षिणी मेक्सिको में अल-सुबह 6.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे मेक्सिको की राजधानी के लोग दहशत में आ गये

- **यूनाइटेड स्टेट्स जियोलॉजिकल सर्वे ने कहा कि भूकंप का केंद्र दक्षिणी प्रांत गुएरो में कोराल फाल्सो से चार किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में था।**

और अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए।

हालांकि, इसमें किसी तरह का नुकसान होने की अभी कोई खबर नहीं है। राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुएल लोपेज ओब्राडोर ने ट्विटर पर कहा कि नुकसान का पता लगाया जा रहा है। ओब्राडोर ने बाद में गुएरो के गवर्नर एवलीन सालगादो के साथ बातचीत का एक वीडियो ट्विटर पर पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा है कि जानमाल को कोई नुकसान होने की खबर नहीं है।

● अमेरिका ने किया ●

हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण

चीन और रूस के साथ लगातार जारी तनाव के बीच अमेरिकी वायुसेना ने पहली बार हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। इससे पहले कई बार हुए परीक्षणों में उसे सफलता नहीं मिल सकी थी। अमेरिका ने हवा से दागी जाने वाले इस रैपिड रिस्पॉन्स हथियार का बी-52 बमवर्षक विमान से कैलिफोर्निया के तट से परीक्षण किया है। इस परीक्षण के दौरान उसकी एजीएम-183-ए मिसाइल ने पांच मैक से ज्यादा की हाइपरसोनिक रफ्तार को हासिल किया।

पूर्वी यूक्रेन में रूस के हमले से बर्बाद हुआ बखमुत शहर

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा है कि रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के बखमुत शहर को नष्ट कर दिया

- **नौ महीने से ज्यादा वक्त से जारी इस युद्ध में रूस का ध्यान अब यूक्रेन के उन चार प्रांतों पर केंद्रित हो गया है जिन पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गत सितंबर में कब्जा करने का दावा किया था।**

है। इस बीच, यूक्रेनी सेना ने भी बताया कि रूस ने देश के उन कई हिस्सों में मिसाइल, रॉकेट और हवाई हमले किये, जिन्हें वह महीनों से जारी प्रतिरोध के बीच जीतने का प्रयास कर रहा है।

युद्ध से संकेत मिलता है कि रूस को उन क्षेत्रों पर नियंत्रण स्थापित करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है जबकि यूक्रेन इन क्षेत्रों को दोबारा हासिल करने को लेकर अडिग है। जेलेंस्की ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के डोनेट्स्क और लुहांस्क प्रांतों के कई अग्रिम शहरों में हालात बहुत कठिन हैं। ये प्रांत डोनबास क्षेत्र के तहत आते हैं, जो रूसी सीमा पर स्थित एक औद्योगिक क्षेत्र है।

जेलेंस्की ने जारी अपने वीडियो संदेश में कहा, 'बखमुत, सोलेदर, मारियिका, क्रेमिना। लंबे समय से इन क्षेत्रों की जमीन पर कोई रहने लायक ऐसा स्थान नहीं बचा है जहां रूसी गोलाबारी से नुकसान नहीं हुआ हो।' जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने डोनबास क्षेत्र के एक और शहर बखमुत को असल में नष्ट कर दिया। बखमुत में कुछ इमारतें अब भी खड़ी हैं और वाशिंदे अब भी शहर की सड़कों पर घूम रहे हैं। इस क्षेत्र पर मॉस्को से हमले से पहले भी यहां लोग कई सप्ताह से पानी और बिजली आपूर्ति का अभाव झेल रहे हैं।

मानवाधिकार सभी पर्यावरणीय चिंताओं का केंद्र - गुटेरेस

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि उन्होंने भारत और वियतनाम की अपनी हालिया यात्रा के दौरान नागरिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों के रक्षकों के साथ ही पर्यावरण कार्यकर्ताओं की रक्षा की महत्ता पर जोर दिया। एंटोनियो गुटेरेस ने गत सप्ताह मॉन्ट्रियल में सीओपी15 जैवविविधता सम्मेलन के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'मैं जो प्रमुख संदेश साफ तौर पर देना चाहता हूं, वह यह है कि मानवाधिकार सभी पर्यावरणीय चिंताओं के केंद्र में होगा। एक और बात जो मुझे चिंतित करती है, वह मानवाधिकार के रक्षकों के साथ ही पर्यावरणीय कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न की है।'

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है कि वे मानवाधिकार उल्लंघनों का शिकार हो रहे हैं और हम जानते हैं कि उनमें से कुछ जेलों में हैं, कुछ को धमकाया गया है और कुछ ने अपनी जान तक गंवा दी है।

ऑस्ट्रेलिया में पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने के लिए ठोस प्रयासों की जरूरत

जलवायु परिवर्तन पर समीक्षाओं के बीच ऑस्ट्रेलियाई पारिस्थितिक तंत्र के विनाश पर बहुत कम ध्यान दिया गया। जबकि उन्हें बचाना पूरी तरह संभव है। लगभग 230 साल पहले ऑस्ट्रेलिया के यूरोपीय उपनिवेशीकरण के बाद से कम से कम 39 देशी स्तनपायी प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं। असाधारण और अद्वितीय पौधों और जानवरों वाले ऑस्ट्रेलियाई महाद्वीप में अब 1900 से अधिक ऐसी प्रजातियां और पारिस्थितिक समुदाय हैं जिनका अस्तित्व खतरे में है।

ग्रेट बैरियर रीफ सहित उष्णकटिबंधीय से अंटार्कटिका तक के पारिस्थितिक तंत्र के पतन के संकेत दिखाई दे रहे हैं। पारिस्थितिक विज्ञानी और संरक्षणकर्ता जीवविज्ञानी दशकों से प्रकृति के व्यापक विनाश की जानकारी देते हुए चेता रहे हैं। 2019 में एक अंतर सरकारी निकाय ने पुष्टि की कि कई अनेक लोग रेखांकित कर रहे हैं कि हम पृथ्वी की छठवीं व्यापक विलुप्ति घटना के दौर में हैं।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- राघवेन्द्र कुमार सिंह, मुद्रक- राघवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा मेसर्स डी.वी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - पुष्पेन्द्र पाल सिंह।